● वर्ष-3
● अंक-209
रायपुर, शुक्रवार
12 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› कोल्लम पर्यटन स्थल

पिछले एक दशक में भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुआ बड़ा बदलाव: मोदी

नई दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को साल 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है. पीएम मोदी ने कई मंचों पर इसका जिक्र कर चुके हैं. अमेरिका के मशहूर वीकली मैगजीन पत्रिका को दिए एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत में इन्फ्रास्ट्रक्र में बदलाव की गति तेज हो गई है. पिछले 10 सालों में हमारा नेशनल हाई-वे नेटवर्क 60 प्रतिशत बढ़ गया है. पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत में अनुकूल जनसांख्यिकी है. हम 28 वर्ष की औसत आयु वाले युवा देश हैं. हम 2047 तक भारत को एक विकसित देश में बदलने के लिए इस डेमोग्राफी डिविडेंट का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

पीएम ने कहा कि हमने अपने बंदरगाहों की क्षमता बढ़ाई है. हमने अपने नागरिकों की सुविधा के लिए टेक-स्मार्ट वंदे भारत ट्रेनें शुरू की हैं और आम लोगों को फ्लाइट की सुविधा देने के लिए उड़ान योजना शुरू की है.

हमारे यहां बचत की संस्कृति है- पीएम मोदी ने कहा कि भारत में एक अद्वितीय सांस्कृतिक और सामाजिक लोकाचार है. हमारे यहां बचत की संस्कृति है. परिवार-उन्मुख जीवनशैली का एक अनूठा मॉडल भी है जो मूल्यों को केंद्र में रखता है. ऐसी व्यवस्था में परिवार का कोई भी सदस्य अनुत्पादक नहीं है. हम अपने युवाओं की पूरी क्षमता विकसित करने और उन्हें भविष्य की बाधाओं के प्रति लचीला और अनुकूल बनाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं.

भारत में महिलाएं हो रही हैं सशक्त- पीएम मोदी ने अपनी सरकार की उन योजनाओं का जिक्र किया, जो खासतौर पर महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं. पीएम ने कहा कि नमो ड्रोन दीदी योजना से महिलाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रोन ऑपरेटर बनने में सक्षम बनाया जाता है. लखपति दीदी योजना से स्वयं सहायता समूहों की 30 मिलियन महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है. इससे लाखों महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं.

लखमा के बिगड़े बोल पर बोले मुख्यमंत्री, कांग्रेसियों का बिगड़ गया है मानसिक संतुलन

चायवाले का बेटा प्रधानमंत्री, ये कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं -साय

रायपुर/मैनपुर। आज विष्णु देव साय ने कवासी लखमा और कांग्रेस को जमकर लताड़ा। लखमा के 'मोदी मर जा' वाले बयान को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों का दिमागी संतुलन बिगड़ गया है, सब पागल हो गए हैं।

देश के प्रधानमंत्री के लिए कांग्रेस द्वारा लगातार प्रयोग की जा रही भद्दी भाषा पर मुख्यमंत्री ने आज बेहद कड़े शब्दों में जवाब दिया। गरियाबंद स्थित मैनपुर के गुरुजी भाठा में सीएम ने कहा कि *पूरा छत्तीसगढ़ म कांग्रेसिहा मन के हार दिखत हे, त एमन के दिमाग के संतुलन बिगड़ गे हे। उन्होंने कहा कि आज ये कवासी लखमा का बोलत हे, कि मैं तो जीतत हौं, लेकिन ओ मोदी जी मर जाए, अइसे गोंडी भाषा म बोलत हे। श्री साय ने जनता से भी पूछा कि क्या कांग्रेसियों का ऐसा बोलना उचित है? उन्होंने कहा कि एमन के दिमाग खराब हो गिस हे, सब पागल हो जात हे एकदम। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक गरीब का बेटा, चाय बेचने वाले का बेटा देश का प्रधानमंत्री हैं। यह बात कांग्रेसियों को बिल्कुल भी हजम नहीं हो रही है।

खत्म नहीं होगा आरक्षण

श्री साय ने आदिवासियों के बीच भविष्य में भाजपा द्वारा आरक्षण खत्म किए जाने के दुष्प्रचार और भ्रम फैलाने पर भी आज जवाब दिया। श्री साय बोले कांग्रेसी वोट के लालच में आदिवासियों के बीच भ्रम फैला रहे हैं कि उनका आरक्षण खत्म हो जाएगा। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि आरक्षण कभी भी खत्म नहीं होगा। कोई भी ताकत आरक्षण को खत्म नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है तो अब वे आरक्षण खत्म होने का भ्रम फैला रहे हैं। सीएम साय ने जनता से अपील की कि कांग्रेसियों की बातों में नहीं आना है, उसको सबक सिखाना है और इस चुनाव में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलने देना है।

उन्होंने कहा कि आज मोदी जी दुनिया में जहाँ भी जाते हैं, लोग मोदी-मोदी का करना शुरू कर देते हैं। मोदी जी 140 करोड़ देशवासियों के लिए दिन-रात काम करते हैं। 24 घंटे में 18 घंटे काम करते हैं। मोदी जी की माता का निधन होने के बाद उन्होंने सुबह दाह संस्कार किया और शाम में देशसेवा के काम में जुट गए। उन्होंने पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया है। श्री साय ने कहा दुनिया के वाधिक लोकप्रिय नेता पर अभद्र टिप्पणी करने का कांग्रेसियों को कोई हक नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा सौभाग्य था कि 2014 में मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में एक सांसद-राज्यमंत्री के रूप में मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ कार्य करने का अवसर मिला। मैंने करीब से देखा कि मोदी जी की पहली प्राथमिकता में देश के गरीबों का विकास है, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। मोदी जी ने गरीबों को आवास, गैस-सिलेंडर, जनधन बैंक खाता और शौचालय देने का काम किया। मोदी जी ने अपने दूसरे कार्यकाल में बड़े-बड़े वादों को पूरा किया। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण करवाया, कश्मीर से धारा 370 को शांतिपूर्वक हटाया, ट्रिपल तलाक जैसे जटिल कानून को हटाकर मुस्लिम माताओं-बहनों संग न्याय किया। भगवान राम छत्तीसगढ़ के के भांचा हैं, कई सौ वर्षों तक प्रभु श्रीराम टेंट में थे हमारे भांचा राम, अब भव्य मंदिर में स्थापित हो गए हैं। मोदी जी ने ये काम किया। उन्होंने कहा कि ये चुनाव बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव है, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री, दुनिया के सर्वाधिक लोक्रपिय नेता मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। जिन्होंने अपने दस वर्षों के कार्यकाल में समूचे भारत का मान बढ़ाया है। गांव, गरीब, किसान, मजदूर सबकी सेवा की, सबको समृद्ध बनाया। आज भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए हमें पुन: उनको प्रधानमंत्री बनाना होगा, ये आशीर्वाद मैं आप सभी से मांगने आया हूँ। श्री साय ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया था.

भूपेश बघेल पर बरसे मुख्यमंत्री कहा - इनको मजा चखाना है

रायपुर/डोंगरगढ़। भूपेश बघेल पर महादेव सट्टा एप को निर्बाध रूप से चलवाने के लिए 508 करोड़ रुपये प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप है, एफआईआर भी हुआ है। जिसने पूरे पांच साल के शासनकाल में छत्तीसगढ़िया लोगों को लूटने का काम किया, ऐसे व्यक्ति को कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी बनाया है। जिन्होंने पहले गंगाजल की झूठी कसम खाकर गंगा मैया का अपमान किया और अब महादेव के नाम को भी नहीं छोड़ा। ऐसे प्रत्याशी को मजा चखाना है, उसकी जमानत जब्त करानी है। ऐसे हराना है कि आने वाले समय में भूपेश बघेल राजनांदगांव की तरफ नजर उठा के भी न देख सकें। राजनांदगांव के मुढ़ीपार, डोंगरगढ़ में आयोजित विशाल जनसभा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, भूपेश बघेल पर जमकर बरसे। उन्होंने कांग्रेस की विफलताओं को आमजन के सामने रखा और कांग्रेस को सबक सिखाने की बात कही। श्री साय ने क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांगों पर कहा कि अभी आचार संहिता लगा है, इस नाम से घोषणा नहीं कर रहा हूँ। जैसे ही आचार संहिता हटेगी, चुनाव के बाद आपके इन सभी मांगों को प्रमुखता से सांय-सांय पूरा करेंगे। उन्होंने जनता से मांग की कि विधानसभा चुनाव में हम यहाँ पिछड़ गए थे, लेकिन इस बार आपका भरपूर सहयोग चाहिए, ये आशीर्वाद मैं आप सभी से मांगने आया हूँ।

संतोष पांडेय के लिए माँगा वोट- सभा में मुख्यमंत्री ने जनता से कहा कि संतोष पांडेय वर्तमान में यहाँ के सांसद हैं। अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने क्षेत्र की मांगों को संसद में प्रमुखता से उठाया। इसलिए उनके अच्छे कार्यों को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने फिर से उन्हें प्रत्याशी बनाया है। आप सभी से अपील करता हूँ कि मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए आगामी 26 अप्रैल को भाई संतोष पांडेय को अपने कीमती मत देकर पुन: सांसद बनाएं।

आतंकवाद पर राजनाथ सिंह ने पाक को फिर दी चेतावनी, कहा-

हम करेंगे सफाए में मदद

नई दिल्ली। मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को उसकी धरती पर आतंकवाद से निपटने में भारत की ओर से सहायता की पेशकश की है। समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में राजनाथ सिंह ने इस्लामाबाद को आतंकवाद का उपयोग करके भारत को अस्थिर करने की कोशिश करने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी और कहा पाकिस्तान को आतंकवाद रोकना चाहिए और अगर वह असमर्थ महसूस करता है, तो भारत आतंकवाद को रोकने के लिए सहयोग करने के लिए तैयार है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एलएसी पर चीन द्वारा निर्माण और अरुणाचल प्रदेश के कई गांवों का नाम बदलने पर कहा कि एलएसी के उस पार जो उनकी ज़मीन है उसपर वे कुछ करते हैं, तो मैं इस संबंध में क्या कर सकता हूं। बॉर्डर के पास हमने भी काफी निर्माण किया है...लेकिन दोनों देशों की ओर से शांति स्थापित करने के प्रयास भी होने चाहिए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन मुद्दे पर कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर कहा कि मैं नहीं कहना चाहता कि कांग्रेस के कार्यकाल में क्या हुआ था, कितने हज़ार वर्ग किलोमीटर ज़मीन चीन के कब्ज़े में गई। लेकिन मैं देश की जनता को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के रहते हुए एक इंच ज़मीन पर भी कोई कब्ज़ा नहीं कर सकता, एक इंच भी ज़मीन जाने नहीं देंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1975 के आपातकाल पर कहा कि मुझे आपातकाल के दौरान मेरी मां के अंतिम संस्कार के लिए पैरोल भी नहीं दिया गया। वो लोग हम लोगों पर तानाशाही के आरोप लगाते हैं।

हमारे शासन में माफिया की पैंट गीली हो गयी

लखनउ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले जिस माफिया के नाम से कर्फ्यू लगता था, भाजपा शासन में उसकी पैंट गीली हो गयी है। योगी ने दावा किया कि उनकी सरकार ने अपराधियों के मामले में हमेशा सख्त कार्रवाई की है। योगी आदित्यनाथ का यह बयान ऐसे समय में आया है जब 28 मार्च को दिल का दौरा पड़ने से मुख्तार अंसारी का उत्तर प्रदेश के बांदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में निधन हो गया था। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि आज बड़े-बड़े माफियाओं और आतंकवादियों की कैसी दुर्गति हो रही है, सबको पता है।

उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी के शासन के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री और मुख्य न्यायाधीश के काफिले एक गैंगस्टर के लिए रास्ता बनाते थे। मगर जब हमने रगड़कर उसे अदालत के सामने प्रस्तुत किया तो उसकी पैंट गीली हो गई थी। योगी ने कहा, तब हमने उससे कहा था कि कानून कितना बड़ा है, यह अहसास हो रहा है कि नहीं। निर्दोष लोगों को मारोगे तो मिट्टी भी नहीं मिल पाएगी।पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ अपनी सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने जनता से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनकी सरकार में जिन माफियाओं को दबा दिया गया है, उन्हें फिर से उभरने का मौका न मिले। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अपराधियों के खिलाफ अपने शासन में की गयी कार्रवाई की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री ने जनता से अपील की कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जिन लोगों की गर्मी शांत कर दी गई है.

प्रमुख समाचार

दिल्ली के इतिहास में पहली बार सड़कों पर नहीं, मस्जिदों के अंदर अदा की गई नमाज

नई दिल्ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि इस साल की ईद शायद दिल्ली के इतिहास में पहली बार है कि नमाज़ सड़कों पर नहीं बल्कि मस्जिदों के अंदर पढ़ी गई, और कहा कि यह सद्भाव और सह-अस्तित्व का एक उत्कृष्ट उदाहरण था। सक्सेना ने आज (11 अप्रैल) ईद के मौके पर लोगों को बधाई दी और कहा कि इससे पता चलता है कि सभी मुद्दों को आपसी चर्चा और सद्भावना से हल किया जा सकता है। एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में, सक्सेना ने कहा कि दिल्ली में कहीं भी सड़क पर नमाज नहीं पढ़ी गई और कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। वीके सक्सेना ने एक्स पोस्ट में लिखा कि ईद-उल-फ़ितर की बधाइयों को दोहराते हुये मैं दिल्ली की तमाम मस्जिदों और ईदगाहों के इमामों और हमारे सभी मुसलमान भाईयों का मस्जिद परिसरों के अंदर ही नमाज़ अदा करने के लिये दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। उन्होंने आगे लिखा कि दिल्ली के इतिहास में शायद ऐसा पहली बार हुआ है कि लोगों ने पूरी तरह से मस्जिदों-ईदगाहों के भीतर ही नमाज़ अदा की, न कि सड़कों पर।

भारत-म्यांमार सीमा: सरकार के लिए सबसे पहले देश की सुरक्षा

आइजोल। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि अगर पड़ोसी देश म्यांमार में हालात सामान्य होते तो भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने या फ्री मूवमेंट रिजीम (एफएमआर) को खत्म करने की कोई जरूरत नहीं होती। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सीमा पर बाड़ लगाने का निर्णय केंद्र द्वारा किया गया था क्योंकि यह देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। यह उल्लेख करना उचित है कि फरवरी 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद अपने देश से भागने के बाद म्यांमार के हजारों लोगों ने कई पूर्वोत्तर राज्यों, विशेष रूप से मिजोरम में शरण ली। मिजोरम के आइजोल में बीजेपी का घोषणापत्र जारी होने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने ये टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमारे देश की सुरक्षा, मिजोरम सहित हमारे राज्यों की सुरक्षा के लिए हमें कुछ सावधानियां बरतने की जरूरत है। लेकिन अभी हम जो सावधानियां बरत रहे हैं वह एक निश्चित स्थिति की प्रतिक्रिया में हैं। इस वक्त भी हमारा पड़ोसी देश बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है।

नेशनल क्रश बहुत होंगे लेकिन मोदी की गारंटी पर है नेशनल ट्रस्ट

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में कई ''नेशनल क्रश (देश के आकर्षण का केंद्र)'' होंगे लेकिन केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर 'नेशनल ट्रस्ट (राष्ट्रीय भरोसा)' है। हमीरपुर लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी न केवल देश के बल्कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उन्होंने हमीरपुर के गांधी चौक पर एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''पूरा भारत आज लोकतंत्र के महान उत्सव को पूरे उत्साह के साथ मना रहा है। देश में कई 'नेशनल क्रश' होंगे लेकिन भरोसे की गारंटी केवल मोदी देते हैं।'' मंत्री ने कहा कि जनता आज केवल प्रधानमंत्री मोदी और उनकी गारंटी पर भरोसा करती है। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस और उसके वादों की पूरे देश में पोल खुल चुकी है और हिमाचल प्रदेश कोई अपवाद नहीं है जहां पार्टी महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये देने, 100 रुपये प्रति लीटर दूध खरीदने और युवाओं को पांच लाख नौकरियां देने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही है।

तमिलनाडु में भाजपा के खिलाफ स्कैन टू सी स्कैम

है दराबाद। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में अब कुछ ही दिन बचे हैं, तमिलनाडु में कई जगहों पर केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर घोटाले का आरोप लगाने वाले पोस्टर लगे हैं। पोस्टर में सबसे ऊपर जी पे लिखा है, जिस पर पीएम मोदी की तस्वीर और एक क्यूआर कोड है। इसमें लिखा है कृपया स्कैन करें और घोटाला देखें। पोस्टर को स्कैन करने से मोबाइल फोन उपयोगकर्ता को एक वीडियो मिल जाता है। वीडियो में एक व्यक्ति को चुनावी बांड के माध्यम से भाजपा के कथित भ्रष्टाचार, सीएजी रिपोर्ट में उजागर अनियमितताओं, विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में कथित भ्रष्टाचार आदि के बारे में समझाते हुए सुना जा सकता है। वीडियो में यह भी दावा किया गया है कि बड़े कॉरपोरेट्स के लाखों करोड़ रुपये के ऋण के बारे में लिखा गया है। इसके बाद वीडियो मतदाताओं से भाजपा को खारिज करने और इंडिया ब्लॉक का समर्थन करने की अपील करता है।

प्रफुल्ल पटेल के 50% वाले बयान पर शरद पवार का पलटवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) ने इस दावे को खारिज कर दिया है कि शरद पवार 2023 में बीजेपी के साथ हाथ मिलाने के लिए 50त्न तैयार थे। राकांपा के मुख्य प्रवक्ता महेश तापसे ने गुरुवार को कहा कि पटेल की टिप्पणी मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास बताया है। शरद पवार ने सिद्धांत और कार्रवाई दोनों में भाजपा को समर्थन देने की किसी भी धारणा को दृढ़ता से खारिज कर दिया। समाचार एजेंसी एएनआई के हवाले से तपासे ने कहा कि यह स्पष्ट बर्खास्तगी पवार की अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। एनसीपी के मुख्य प्रवक्ता ने आगे कहा कि अजित पवार को पार्टी का नाम और एनसीपी का घड़ी चिन्ह मिलने के बावजूद, महाराष्ट्र के लोगों की निष्ठा शरद पवार के साथ है। मीडिया से बात करते हुए शरद पवार ने कहा वहां कौन गया और कौन रुका? जिस दिन का वो जिक्र कर रहे हैं उस दिन से लेकर आज तक की परिस्थिति क्या है? क्या मैं कहीं गया था? नहीं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता प्रफुल्ल पटेल ने बुधवार को दावा किया था कि जब उनके भतीजे अजीत ने महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली तो शरद पवार भारतीय जनता पार्टी के साथ जाने के लिए 50 प्रतिशत तैयार थे।

एनडीए को रोकने के लिए क्या होगा इंड़िया का काउंटर प्लान?

लोकसभा चुनावों में मोदी ब्रांड कितना अहम?

अखिलेश शर्मा

साल 2011 में गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने खुशबू गुजरात की टैगलाइन के साथ अमिताभ बच्चन को टूरिज्म का ब्रांड एंबेसडर बनाया था. अब 2024 में पीएम मोदी को ब्रांड एंबेसडरों की जरूरत नहीं. क्योंकि मोदी अब खुद एक ब्रांड हैं, जो सभी ब्रांडों से आगे हैं. पिछले दो लोकसभा चुनावों में इसकी झलक साफ देखी जा सकती है. मोदी ब्रांड के मैजिक से बीजेपी पहुंची शीर्ष पर पहुंच गई है. आज बीजेपी दुनिया में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है.

चुनावों में कई ऐसे फैक्टर होते हैं, जो नतीजों पर सीधा असर डालते हैं. भारत में चुनाव और पीएम मोदी इसका उदाहरण हैं. मोदी लगातार दूसरी बार स्पष्ट बहुमत से सरकार बनाने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं. आज मोदी लोकप्रियता में वैश्विक नेताओं में भी सिरमौर हैं. उनकी रेटिंग करीब 78% है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से करीब दोगुनी है. सर्वे में वे अपनी पार्टी बीजेपी से भी अधिक लोकप्रिय हैं. बीजेपी लोकसभा ही नहीं, विधानसभा चुनावों में भी उनके चेहरे पर दांव लगाती है.

मशहूर ब्रांड गुरु दिलीप चेरियन ने बताया कि कैसे ब्रांड मोदी और ब्रांड इंडिया आपस से जुड़े हुए हैं. दिलीप चेरियन कहते हैं, मार्केटिंग में ब्रांड वैल्यू होती है. राजनीति में भी ब्रांड बड़ा रोल प्ले करता है. जैसा ब्रांड मोदी का बना, वैसा कोई दूसरा नेता भी तो बना सकता था, उन्हें ऐसा करने से किसी ने रोका था क्या.

राजनीतिक विश्लेषक अमिताभ तिवारी कहते हैं, ब्रांड बनने के लिए आपमें लीडरशिप क्वालिटी होनी चाहिए. अपील होनी चाहिए, जो पीएम मोदी में बखूबी है. हालांकि, खुद मोदी पार्टी की आंतरिक बैठकों में कहते हैं कि मेरे भरोसे मत रहो. बूथ पर काम करो. हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाओ. यानी संगठन प्लस ब्रांड मोदी ही बीजेपी की असली ताकत है.

पीएम मोदी आजादी के बाद जन्मे पहले प्रधानमंत्री हैं. वो लगातार दूसरी बार स्पष्ट बहुमत से सत्ता में लौटे. मोदी

स्पष्ट बहुमत से वापसी करने वाले नेहरु-इंदिरा के बाद तीसरे पीएम हैं. वह रिकॉर्ड 24 साल से पब्लिक ऑफिस में हैं. आज तक कोई चुनाव नहीं हारे हैं. एक्स (ट्विटर) पर उनके 9.7 करोड़ और इंस्टाग्राम पर 8.8 करोड़ फ़ॉलोअर्स हैं. फ़ेसबुक पर पीएम मोदी को क़रीब 5 करोड़ लोग फॉलो करते हैं.

पीएम मोदी ने भाजप की कैसे किस्मत पलट दी, इसका अंदाजा आंकड़े देखकर लगाया जा सकता है. साल 1984 में भाजपा को लोकसभा चुनाव में महज दो सीटों पर जीत हासिल हुई और मत प्रतिशत 7.4 रहा. साल 1989 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 85 सीटों पर जीत हासिल हुई और मत प्रतिशत 11.4 रहा. 1991 के लोकसभा चुनाव में 20.1 मत प्रतिशत के साथ सीटों की संख्या 120 तक पहुंची. साल 1996 के लोकसभा चुनाव में मत प्रतिशत में मामूली इजाफा हुआ. 20. 3 मत प्रतिशत के साथ सीटों की संख्या 161 हो गई. 1998 के लोकसभा चुनाव में 25.6 मत प्रतिशत के साथ भाजपा की कुल सीटें 182 हो गईं. 1999 के लोकसभा चुनावों में मत प्रतिशत घटकर 23.8 पर पहुंचा, लेकिन सीटों की संख्या 182 ही रही. साल 2004 में मत प्रतिशत और घटकर 22.2 पर पहुंच गया और सीटों की संख्या भी कम होकर 138 हो गई. साल 2009 के लोकसभा चुनावों में मत प्रतिशत और तेजी से गिरा और 18.8 पर पहुंच गया. सीटों की संख्या भी गिरकर 116 रह गई. साल 2014 में नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय फलक पर आए और इस चुनाव में मत प्रतिशत 31 तक पहुंच गया और लोकसभा सीटों की संख्या 282 पर पहुंच गई. साल 2019 में मत प्रतिशत और तेजी से बढ़ा और 37.7 पर जा पहुंचा. 2019 में भाजपा की लोकसभा सीटों की संख्या 303 हो गई.

मोदी का जादू सिर्फ लोकसभा में ही नहीं बल्कि विधानसभा चुनावों में भी चला. ओडिशा में 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का स्ट्राइक रेट 4.8 प्रतिशत रहा. वहीं, विधानसभा चुनाव में बढ़कर 6.8 फीसदी हो गया. 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का स्ट्राइक रेट 38.1 पर पहुंच गया. वहीं विधानसभा चुनाव में भी यह 15.8 फीसदी पहुंच गया. यही हाल महाराष्ट्र का भी रहा. 2014 के लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा का स्ट्राइक रेट 95.8 प्रतिशत रहा. वहीं, इसी साल हुए विधानसभा चुनाव में स्ट्राइक रेट 46.9 प्रतिशत रहा. 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का स्ट्राइक रेट 92.0 प्रतिशत रहा. वहीं इसी साल हुए विधानसभा चुनाव में स्ट्राइक रेट 64.0 प्रतिशत रहा.

घटिया सड़क-पुलिया निर्माण की जांच के नाम पर खानापूर्ति

■ पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार को किसका संरक्षण? ठेकेदार फिर कर रहा मनमानी

तखतपुर। इन दिनों पीडब्ल्यूडी के ठेकेदारों को आखिर किसका संरक्षण मिला है, जो लाखों करोड़ों के निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने से बाज नहीं आ रहे हैं। इनके हौसले इस कदर बुलंद हैं कि इनके घटिया निर्माण की शिकायत करने के बावजूद और अधिकारियों द्वारा जांच टीम गठित होने के बावजूद इनको जरा भी कार्यवाही का खौफ नहीं है।

यही वजह है कि कुछ ठेकेदार अपने दादागिरी से पीडब्ल्यूडी में काम कर रहे हैं, जिसके कारण घटिया निर्माण का सिलसिला रुक नहीं रहा है। इनके चक्कर में पीडब्ल्यूडी में ईमानदार ठेकेदार भी सक के दायरे में नजर आ रहे हैं।

लिहाजा ये एक दिन में खत्म करने वाली समस्या नहीं है, इन्हें राजनीतिक या अधिकारियों का संरक्षण मिला है। शायद इसी वजह से ये बढ़ते बड़े जनहित के प्रोजेक्ट पर भी अपनी दाल गलाने में भी नहीं चूकते और आम लोगों को भी मौत के मुंह के तरफ धकेलने में भी इनका दिल नहीं पसीजता। हालांकि देश एवं प्रदेश में इस तरह के घटिया निर्माण के चलते बड़ी दुर्घटना देखने और सुनने को मिलती है, लेकिन उस घटनाओं के बाद केवल संवेदनाएं व्यक्त की जाती है। अगर कोई बड़ी कार्यवाही हो दोषियों के खिलाफ तो शायद ऐसी गुस्ताखी दोबारा ठेकेदार या अधिकारी ना कर पाए, लेकिन फिर भी छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है और भ्रष्टाचारियों और दोषियों के खिलाफ सूली पर चढ़ाने की बात कही गई है। इससे उम्मीद है कि छत्तीसगढ़ में यह जल्द खत्म हो

जाएगी। घटिया निर्माण तो चलिए आज हम आपको ऐसे ही निर्माण की दिलचस्प दांसता से रूबरू करा रहे हैं, जिसके मटेरियल मानक को जानकर आपकी भी रोंगटे कांप उठेगी। सैंया भए कोतवाल-अब डर काहे का- पुलिया सड़क निर्माण में खराब मटेरियल का उपयोग ,करोड़ों का गोलमाल करने में लगे हैं ठेकेदार, जानकारी के बाद भी निर्माण कार्य के तारीफो के कसीदे गढ़ रहे हैं इंजीनियर, इस हेडिंग के साथ खबर प्रकाशित हुआ था। इसके बाद इस खबर पर प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए तखतपुर एसडीएम ज्योति पटेल ने बकायदा आदेश जारी किया और तखतपुर तसीलदार सोनू अग्रवाल के नेतृत्व में 5 सदस्यीय टीम गठित की, लेकिन आश्चर्य की बात ये है कि इस आदेश में 3 दिवस के भीतर जांच कार्यवाही कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करने और घटिया निर्माण को दोबारा से सही करवाने के निर्देश दिए थे, लेकिन अधिकारियों के साय साय के चक्कर में ना तो घटिया निर्माण की कोई जांच हुई है और ना ही किसी भी पैमाने को रोका जा सका है और ना ही ठेकेदार के खिलाफ कोई उचित कार्यवाही की गई है।

अधिकारी और उनकी टीम लोकसभा चुनाव में निर्वाचन तत्काल का हवाला देकर दूसरे कामों में व्यस्त होने का हवाला दे सकते हैं, लेकिन इसके इतर ठेकेदार ने एसडीएम, तहसीलदार और प्रशासन के आदेशों को ठेंगा दिखाकर घटिया निर्माण का काम फिर शुरू कर दिया है। दरअसल यह पूरा मामला बिलासपुर न्यायधानी के तखतपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत जुनापारा का है, जहां जुनापारा से कठमुड़ा मार्ग में लगभग 2 करोड़ 29 लाक रुपए के लागत से पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा दो किलोमीटर सड़क और दो पुलिया निर्माण कार्य करवा रही है। हालांकि मीडिया की टीम इस खबर के जरिए जिम्मेदारों तक इस खबर को पहुंचाकर घटिया निर्माण को रूकवाने और ग्रामीणों को मिलने वाली सुविधा और लाभ दिलाने की प्राथमिकता की पहल पर है, लेकिन इस खबर से प्रशासन के नुमाइंदे दोबारा अलर्ट होकर कार्यवाही करते है या फिर हमेशा की तरह भर्राशाही का रवैया निरंतर जारी रहेगा। खैर प्रशासन अपनी कार्यवाही करती है या नहीं ये तो नहीं मालूम लेकिन ग्रामीण अब लामबंद हो चुके हैं।

इस संबंध में जुनापारा के ग्रामीण रामेश्वर पूरी गोस्वामी ने कहा कि यदि घटिया सड़क और पुलिया निर्माण कार्य नहीं रुकेगी तो आने वाले दिनों में एकजुट होकर इस घटिया निर्माण की उच्चस्तरीय शिकायत करेंगे और जरूरत पड़ेगी तो चक्काजाम भी करेंगे, ताकि भ्रष्टाचार के विरोध में अपने गांव से आवाज बुलंद कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए लगातार मांग करेंगे।

इस मामले में सोनू अग्रवाल तहसीलदार तखतपुर ने कहा, पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को पत्र लिखकर लगभग 15 दिन पहले इस निर्माण कार्य का फाइल मंगाया गया, जिसमें पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा निर्माण कार्य के टेक्निकल फाइल उपलब्ध नहीं करवाया गया है, जिसके कारण अभी तक जांच पूर्ण नहीं हो पाई है। मामला गंभीर है। मामले को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है। विभाग के जिम्मेदार अधिकारी को तलब किया गया है। अगर सड़क पुलिया निर्माण कार्य की फाइल संबंधित विभाग जल्द उपलब्ध नहीं करवाती है तो एसडीएम को एक पक्षीय कार्यवाही के लिए प्रतिवेदन सौंप दूंगा।

मीडिया ने इस संबंध में इंजीनियर से बात करने के लिए इस नंबर 9303823258 में फोन लगाया था, लेकिन इंजीनियर कंवर ने हमेशा की तरह फोन को नजर अंदाज कर दिया और फोन रिसीव नहीं किया। इससे ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि विभाग कितना सजग है।

एसडीएम ने खबर चलाने के बाद घटिया निर्माण मामले की जांच के आदेश दिए। तहसीलदार के नेतृत्व में 5 सदस्यीय जांच टीम गठित की। पीडब्ल्यूडी ने अभी तक फाइल उपलब्ध नहीं करवाया, जिसके कारण गठित टीम लगभग 20 दिनों में भी जांच पूरी नहीं कर पाई है। सड़क पुलिया निर्माण कार्य के जांच हुए बिना ही ठेकेदार ने घटिया निर्माण को दबाने के लिए आनन-फानन में काम शुरू कर दिया। आखिर ऐसे ठेकेदार को किनका संरक्षण मिल रहा है। पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदार अधिकारी आखिर क्यों मौन है। कार्यवाही तो दूर की बात है जांच टीम को निर्माण कार्य की फाइल देने में हाथ पाव फुल रहे हैं। आखिर पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों का भर्राशाही रवैया कब तक चलेगी।

पीडब्ल्यूडी में नौकरी लगवाने के नाम पर युवक से ठगी

दुर्ग भिलाई। भिलाई में बाप-बेटे ने मिलकर एक युवक से सरकार नौकरी लगाने का झांसा देकर 10 लाख रुपये की ठगी की है। आरोपियों ने लोक निर्माण विभाग में इंजीनियर के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर ठगी किया है। आरोपियों ने रुपये लेने के बाद पीड़ित को फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिया था। पीड़ित ने भिलाई के भट्टी थाना में आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी की धारा के तहत केस दर्ज कराया है। पुलिस पूरे केस की जांच पड़ताल कर रही है। भिलाई भट्टी थाना के टीआई विपिन रंगारी ने बताया, आरोपी राम कुमार कोरी और शिकायतकर्ता का पिता चिंतामणी पटेल भिलाई इस्पात संयंत्र में एक साथ नौकरी करते है। इसी वजह से दोनों की पुरानी जान-पहचान थी। आरोपी राम कुमार कोरी के बेटे सिद्धार्थ कोरी लोक निर्माण विभाग में संविदा पर नौकरी करता है। आरोपी पिता-पुत्र ने मिलकर चिंतामणी पटेल के बेटे और शिकायतकर्ता अजय कुमार पटेल (32) को झांसा दिया कि उसकी लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से अच्छी पहचान है। वह उसका इंजीनियर के पद पर नौकरी लगवा सकता है। शिकायतकर्ता अजय उनके झांसे में आ गया और उसने नवंबर 2021 में दोनों आरोपियों को 10 लाख रुपये दे दिए। जिसके बाद आरोपियों ने शिकायतकर्ता को एक नियुक्ति पत्र भी दिया। आरोपियों ने रुपए मिलने के बाद शिकायतकर्ता अजय को एक नियुक्ति पत्र भी दिया। जब अजय कुमार पटेल नियुक्ति पत्र लेकर ड्यूटी ज्वाइन करने पहुंचा, तब उसे पता चला कि यह नियुक्ति पत्र फर्जी है। धोखाधड़ी का पता चलते ही पीड़ित अजय कुमार पटेल ने भिलाई भट्टी थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

रंग बिरंगे तरबूज और सफेद करेले की खेती से कोरिया के किसान हो रहे मालामाल

कोरिया। केनापारा ग्राम पंचायत के किसान भरत राजवाड़े अपनी अनोखी किस्म की खेती कर दूसरे किसानों से ज्यादा कमाई कर रहे हैं। भरत, लाल के साथ पीला तरबूज, सफेद करेला, और कद्दू प्रजाति की कई फसल ले रहे हैं। मार्केट में इस फसल के दाम भी ज्यादा मिल रहे हैं। कम समय और कम लागत में अच्छी कमाई होने से भरत काफी खुश हैं।

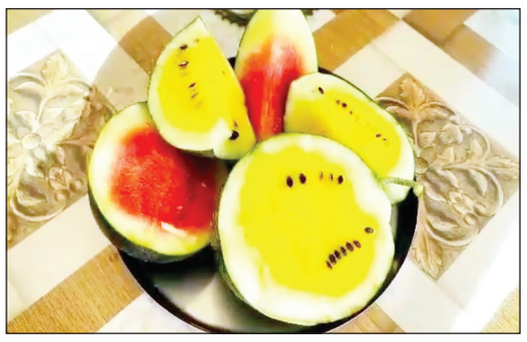

आम तौर पर किसान फसल के मामले में कुछ नया प्रयोग करने में हिचकिताते हैं। लेकिन कुछ किसान खेती में नए प्रयोग के जरिए उसी फसल से ज्यादा मुनाफा कमा रहे हैं। केनापारा के किसान भरत राजवाड़े भी ऐसे ही प्रगतिशील किसान हैं। खेती में अक्सर नए प्रयोग करते हैं। ग्रीन हाउस खेती उनकी पसंदीदा रही है। बोर, कान, सूरन जैसी खेती के अलावा बड़े पैमाने पर मचान और अन्य सब्जियों की खेती करके भी अच्छा पैसा कमाया है। इस साल इस किसान ने तरबूज की तीन किस्मों की खेती की है। अपने खेतों में हरा, लाल और पीला तरबूज लगाया है। पीले तरबूज की दो किस्में उगाई हैं। जो तीन महीने में तैयार हो जाती है। पीले तरबूज की एक किस्म नॉर्मल तरबूज की तरह होती है जबकि दूसरी किस्म का स्वाद अनानास के जैसे होता है।

तरबूज की अलग अलग किस्मों की खेती के साथ ही भरत, सफेद करेला, कद्दू प्रजाति की सब्जी पीला जुगनी भी अपने खेतों में उगा रहे हैं। खास बात ये हैं कि ये किसान पूरी तरह से जैविक खेती कर रहा हैं। इस तरह की अनोखी खेती कर आम सब्जियों की तुलना में ज्यादा दाम मिलने से इस किसान को काफी फायदा हो रहा है।

कोरिया के कृषि विशेषज्ञ बताते हैं कि सीमित संसाधनों में अच्छी फसल पैदा करने के लिए किसान ताइवान से लाए जा रहे बीजों से खेती कर रहे हैं। छोटे और मध्यम गोल और चौकोर आकार के तरबूज और खरबूजा देशभर में फल प्रेमी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। सेहत के लिए भी ये काफी हेल्दी हैं।

गरियाबंद में धूमधाम से मनाई गई ईद बारिश के चलते मस्जिद में पढ़ी गई नमाज

गरियाबंद। ईद उल फितर का त्योहार गरियाबंद में बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। गरियाबंद में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सुबह ईद की नमाज अदा किया और अमन चैन की दुआएं मांगी। नमाज के दौरान बारिश ने थेड़ी खलल डाली। जिसके बाद बारिश के चलते ईदगाह की बजाय मस्जिद में ईद की नमाज पढ़ी गई।

नमाज अदा कर मांगी अमन चैन की दुआ

आज गरियाबंद में ईद उल फितर त्योहार की धूम देखने को मिल रही है। मौसम के बिगड़ते मिजाज को देखते हुए ईदगाह के बदले गरियाबंद सुन्नी मुस्लिम मस्जिद में नमाज अदा की गई। इस दौरान मुस्लिम भाइयों के रिश्तेदार भी गरियाबंद पहुंचे और ईद में शामिल हुए। नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी।

सेवईयां खिलाकर दिया भाईचारे का संदेश

इस दौरान नमाज के बाद हर साल की तरह इस साल भी नगर पालिका गरियाबंद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पार्षदों अधिकारी-कर्मचारियों और गरियाबंद महार समाज की ओर से मीठी सेवईयां खिलाकर लोगों ने एक दूसरे को ईद की बधाइयां दी। मुस्लिम भाइयों ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

सभी समाज के लोगों ने दी ईद की मुबारकबाद

ईद के मुबारक मौके पर गरियाबंद के अन्य समाज के लोगों ने भी मुस्लिम भाइयों को मुबारकबाद दी। दोपहर होते-होते मुस्लिम भाइयों ने कब्रिस्तान में जाकर अपने बुजुर्गाने दिन, जो कब्रिस्तान में आराम फरमा रहे हैं, उनके मजार पर फतिया पढ़कर खुदाबन करीम से उन्हें बख्शने के साथ ही जन्नत में जगह तक आता फरमाने की दुआएं की।

पांच दिन में 10 मौतें, सांसद ज्योत्सना महंत ने संसद में उठाया सवाल

कोरबा। जिले में लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने संसद में सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि जिले में एक के बाद एक लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं। आखिर इस पर रोकथाम कैसे और कब होगी। चिंता व्यक्त करते हुए सांसद ने जिला प्रशासन, पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर वे क्या कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पांच दिनों के अंदर सड़क हादसे में 10 से अधिक मौतें हो चुकीं हैं। बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत रूमगड़ा बालको मार्ग पर बुधवार देर रात भारी वाहन की टक्कर से तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई थी। कोरबा लोकसभा की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। सांसद ने कहा है कि इसी साल मार्च महीने में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की थी। इस बैठक में कलेक्टर अजीत वसंत, जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, जिला परिवहन अधिकारी ने सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए दुर्घटनाओं का कारण जानकर उसका विश्लेषण करते हुए उचित उपाय करने की बात कही थी, लेकिन जिस तरह से जिले से गुजरे हुए नेशनल हाईवे से लेकर आम सड़कों पर हादसों की संख्या बढ़ रही है, वह जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और परिवहन विभाग की नाकाम कोशिशों को दर्शाता है। सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने कहा है कि दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए सार्वजनिक उपक्रम एसईसीएल, बालको, पीडब्ल्यूडी, नेशनल हाईवे, एनएचएआई, एनएचपीडब्ल्यूडी, परिवहन, यातायात विभाग के अधिकारियों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी, लेकिन वे भी गंभीर नहीं हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

हाईकोर्ट ने प्रमोशन देकर सात जजों को बनाया डिस्ट्रिक्ट जज

बिलासपुर। प्रदेश की उच्चतर न्यायिक सेवा के तहत राज्यपाल के विधि अधिकारी को एडीजे बनाये जाने के साथ ही सात न्यायिक अधिकारियों को एंट्री लेवल डिस्ट्रिक्ट जज के पद पर पदोन्नत कर एडीजे बनाया गया है। 70 से अधिक सिविल जजों का तबादला भी किया गया है। हाईकोर्ट के निर्देशानुसार, न्यायिक सेवा में फेरबदल के साथ अफसरों का प्रमोशन भी किया गया है। इसके अंतर्गत नीरू सिंह राज्यपाल सचिवालय विधि अधिकारी को रायपुर में एडीजे दशम के रूप में स्थानांतरित किया गया है। इसके साथ ही सात सीनियर सिविल जजों को एंट्री लेवल डिस्ट्रिक्ट जज के रूप में पदोन्नत किया गया है। इनमें संजय रात्रे रजिस्ट्रार कमर्शियल कोर्ट को एडीजे सेकेंड बलौदाबाजार, संतोष ठाकुर सीजेएम दुर्ग को रायगढ़, नरेंद्र कुमार सीजेएम अंबिकापुर को रायपुर में, श्यामवती मरावी सीजेएम बलौदाबाजार को दुर्ग में एडीजे, सुषमा लकड़ा सीजेएम सूरजपुर को यहीं एडीजे, अनिल प्रभात मिंज सीजेएम धमतरी को बिलासपुर में एडीजे और दीपक कुमार कोशले सीजेएम रायगढ़ को दुर्ग में एडीजे नियुक्त किया गया है।

सड़क के लिए चढ़ा दी सैकड़ों हरे-भरे पेड़ों की बलि

जशपुर। बगीचा में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण के लिए सैकड़ों हरे-भरे पेड़ों की बलि चढ़ा दी गई है। बगैर अनुमति के पेड़ों की अवैध कटाई पर वन विभाग ने संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत अपराधिक मामला दर्ज कर लिया है। बगीचा क्षेत्र में सामरबार, गायबुड़ा से कनचंडीह तक हो रहा सड़क निर्माण में हरियाली को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने के बावजूद विभागीय अधिकारियों की लापरवाही को लेकर वन प्रेमियों में आक्रोश है। बगीचा वन अधिकारी प्रमोद शुक्ला ने बताया कि यहां राजस्व और वन क्षेत्र में बगैर अनुमति के सैकड़ों हरे-भरे पेड़ों को काटे जाने के मामले में ठेकेदार के विरुद्ध अर्थदंड की भी कार्रवाई की गई है। वन समिति के सदस्य सुनील कुमार ने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान विभाग और ठेकेदार मिलकर सैकड़ों इमारती वृक्षों को जेसीबी मशीन से गिराने में लगे हैं।

खाई में गिरा अनियंत्रित ट्रक तीन गंभीर रूप से घायल

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र अंतर्गत हनुमंत खोल घाटी के नीचे चाटा गांव में बीती रात एक बजे सड़क हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यहां घाट के नीचे एमपी से मटर लेकर आ रहा ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। मौके पर कुकदूर थाना की पुलिस पहुंची। मिली जानकारी अनुसार, यह वाहन मध्य प्रदेश की तरफ से छत्तीसगढ़ तरफ आ रहा था। रात में घाट पर मोड़ होने के कारण चालक नहीं समझ सका और सीधे ट्रक खाई में जा गिरा। जिस जगह पर यह हादसा हुआ है, वहां मोबाइल नेटवर्क की दिक्कत है। इस कारण पुलिस को भी देरी से सूचना मिली। आसपास से गुजरने वाले लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना, कैमरे में कैद हुआ

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में चोर लगातार सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे घटना को अंजाम देने वाले शातिर चोरों का वीडियो फुटेज सामाने आया है। सीसीटीवी कैमरें में कैद वीडियो में देख सकते हैं कि पहले एक चोर सूने मकान के अंदर घुसा इसके बाद दूसरा गया। इतना ही नहीं चोरी के सामान पार करने के लिए ऑटो मंगवाया गया। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। प्रार्थी कैलाश अग्रवाल ने सिटी कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाया। रिपोर्ट में उसने बताया कि वह कोतरा रोड़ सावित्री नगर का रहने वाला है। घर को ताला मार कर कैलाश बीते 30 मार्च को इलाज करवाने वेस्ट बंगाल गए हुए थे। वह वापस घर आकर देखा, तो घर के अंदर का ताला टुटा हुआ था। घर का सभी सामान बिखरा हुआ मिला। रूम के अंदर जाकर देखने पर आलमारी का लॉक टुटा हुआ था। साथ ही नगदी रकम समेत सोना चांदी के जेवरात को किसी अज्ञात चोर ने चोरी कर फरार हो गया था।

वन्य प्राणी भालू का मिला शव, दोनों पंजे गायब

कांकेर। कांकेर वनमंडल अंतर्गत सरोना वन परिक्षेत्र के आछीडोंगरी गांव के जंगल में वन्य प्राणी भालू का शव मिला है। भालू के दोनों पंजे शरीर से गायब हैं, जिससे शिकार की आशंका जताई जा रही है। गांव वालों की सूचना पर वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और शव का पंचनामा कर उसका पोस्टमॉर्टम करवाकर गुरुवार को अंतिम संस्कार किया गया। वन परिक्षेत्र अधिकारी अब्दुल रहमान खान ने बताया कि मृत भालू के दोनों पंजे गायब हैं। भालू के दाहिने साइड का पंजा 06 इंच कटा हुआ है साथ ही शव को देखकर लग रहा है कि उसकी मौत 2-3 दिन पहले हुई है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। उन्हें आशंका है कि भालू के पंजों की तस्करी के लिए उसका शिकार किया गया है, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से मौत का पता चल पाएगा।

दुर्ग बस एक्सीडेंट कैसे हुआ, 30 दिन के अंदर होगा खुलासा

दुर्ग। दुर्ग बस हादसे की जांच शुरू हो गई हैं। घटना की जांच अधिकारी के रूप में सब डिविजनल मजिस्ट्रेट भिलाई 3 महेश सिंह राजपूत को सौंपी गई है। जांच अधिकारी को 30 दिन के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। जांच के दौरान यदि कोई जानकारी या सुझाव देना चाहे तो वह भी 15 दिन के अंदर जांच अधिकारी के कार्यालय में दे सकते हैं।

हादसे के बाद जागा प्रशासन

बुधवार को डिप्टी सीएम विजय शर्मा के निरीक्षण के बाद उनके निर्देशों का पालन करते हुए जिला प्रशासन ने केडिया डिस्टलरी जाने वाले खराब सड़क को बंद कर दिया है। सड़क के दोनों किनारे पोल लगाकर बैरिकेट्स से कवर किया जा रहा है। इस सड़क पर भारी वाहनों पर पूरी तरह आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया है।

बस ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज

साईं ट्रेवल्स नेहरू नगर की बस केडिया डिस्टलरी के कर्मचारियों को रोज लाने ले जाने का काम करती हैं। घटना के दिन भी रात 8 बजे ड्यूटी खत्म कर कर्चमारी बस में सवार होकर कुम्हारी से भिलाई जाने के निकले। इसी दौरान कुम्हारी के खदान के पास पहुंची बस की लाइट खराब हो गई। इसके बावजूद ड्राइवर गाड़ी चलाता रहा और अंधेरे का कारण बस अनियंत्रित होकर 50 फीट खाई में जा गिरी। इस एक्सीडेंट में 13 कर्मचारियों की मौत हो गई। 15 लोग घायल है। कुम्हारी थाना पुलिस ने बस चालक गुरमीत सिंह के खिलाफ धारा 279, 337, 304 (ए) का केस दर्ज किया है। घायल बस चालक बयान के बाद ही हादसे का खुलासा हो पाएगा।

दुर्ग बस एक्सीडेंट में 13 की मौत

मंगलवार को रात 8 से 8:30 बजे की बीच कुम्हारी के महामाया पारा के खदान में केडिया डिस्टलरी के कर्मचारियों से भरी बस गिराने से 13 लोगो के मौत हो गई जबकि 15 से अधिक लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पर स्थानीय लोगों और पुलिस ने बस में फंसे लोगों को बाहर निकलने रेस्क्यू किया। दो क्रेन की मदद से बस को खाई से निकालकर उसमें फंसे लोगों को बाहर निकला गया। सभी लोगों को नजदीक स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां से गंभीर रूप से घायल कर्मचारियों को मेहकारा, एम्स और निजी अस्पताल रेफर किया गया है।

महानदी' का सीना चीरकर रेत माफिया कर रहा अवैध उत्खनन और परिवहन

आरंग। आरंग क्षेत्र के महानदी किनारे लगभग आधा दर्जन गांवों में रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन धड़ल्ले से जारी है। रेत माफिया बेखौफ होकर दिन-रात 'छत्तीसगढ़ की जीवन रेखा' कही जाने वाले महानदी से बेहिसाब रेत निकाल कर नदी के अस्तित्व को खतरे में डाल रहे हैं।

आरंग से महज पांच किलोमीटर दूर ग्राम पारागांव, राटाकाट, गौरभाट, हरदीडीह, कुटेला सहित महानदी के किनारे स्थित अनेक गांवों में रेत का अवैध उत्खनन जारी है। लेकिन रायपुर खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन की नजर इस पर नहीं जा रही।

बीती रात आरंग से लगभग 25 किमी दूर ग्राम कुरूद में जाकर खनिज विभाग, आरंग राजस्व विभाग और आरंग पुलिस की संयुक्त टीम ने एक चैन माउंटिंग मशीन और 4 रेत से भरी हाइवा को जब्त करने की कार्रवाई की। जबकि उसी दिन याने बुधवार को पारागांव में चार चैन माउंटिग मशीन के जरिए महानदी से बेखौफ रेत निकाल जा रही थी, इसके साथ लगभग 50 से 60 हाइवा के जरिए रेत का अवैध परिवहन भी किया जा रहा था। यही नहीं महानदी के किनारे लगभग तीन किमी तक रेत का अवैध भंडारण किया गया है।

सूत्रों के अनुसार, इन जगहों पर राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण के कारण कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। वहीं कुछ माह पहले हरदीडीह रेत खदान में खनिज विभाग की टीम को बंधक बनाने और मारपीट की घटना के बाद से डरी हुई खनिज विभाग की टीम भी बेबस और लाचार नजर आ रही है।

संक्षिप्त समाचार

अतिरिक्त तहसीलदार साहब, नामंतरण किसी का 1 दिन में, किसी को 25 दिन की पेशी

रायपुर। नामंतरण के नाम पर रायपुर तहसीलदार ऑफिस में लंबा खेल चल रहा है। खेल संभवत: ये है कि मोटा चढ़ावा वालों का काम पहले किया जा रहा है तो चढ़ावा न चढ़ाने वालों को 25 दिन की पेशी दी जा रही है, जिसके बाद इस पूरे मामले की शिकायत कलेक्टर से की गई है। शिकायतकर्ता अधिवक्ता विकास गुप्ता ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि अतिरिक्त तहसीलदार प्रकाश सोनी ने मठपुरैना के नामांतरण के तीन प्रकरणों में एक दिन की पेशी देकर आदेश पारित कर दिया है। वहीं मठपुरैना के ही नामांतरण के 5 प्रकरणों में टालमटोल कर रहे हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार उन्होंने नामांतरण के 5 आवेदन जमा किए हैं। अतिरिक्त तहसीलदार द्वारा उन्हें 25 दिनों की पेशी दी गई है। उन्होंने अपनी शिकायत में यह भी लिखा है कि उनके द्वारा रिश्वत नहीं दिए जाने के कारण ही नामांतरण में टालमटोल किया जा रहा है। रिश्वत नहीं देने पर अधिवक्ताओं और पक्षकारों को दफ्तर के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

रायपुर रेलवे स्टेशन से जीआरपी ने पकड़ा 15.70 लाख का गांजा

रायपुर। जीआरपी ने रायपुर रेलवे स्टेशन से करीब 16 लाख रुपए के गांजे के साथ 3 तस्करो को गिरफ्तार किया है। जिन तस्करों को गिरफ्तार किया है उसमें प्रशांत कुमार लीमा पिता नबीन लीमा उम्र 30 वर्ष निवासी मानिकपुर थाना मोहना जिला गजपति ओडिशा, चितरंजन पाइक पिता जुधिष्ठिर पाइक उम्र 29 वर्ष निवासी चन्द्रगिरि थाना मोहना जिला गजपति ओडिशा, तरंग राणा पिता गजपति राणा उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम चौरा थाना सिनापाली जिला नुवापाडा ओडिशा शामिल है। जीआरपी के मुताबिक पुलिस अधीक्षक रेल रायपुर जेआर ठाकुर, के द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव के मद्दे नजर ट्रेनो में अवैध रुप से नशीला पदार्थ परिवहन की रोकथाम हेतु अधिक से अधिक कार्रवाई करने के प्राप्त निर्देश पालन में जीआरपी रायपुर द्वारा पिछले कई दिनों से लगातार चेकिंग अभियान चलाई जा रही थी। जिसमें दिनांक 10.04.24 एन्टी काईम जीआरपी के साथ चेकिंग के दौरान प्लेटफार्म नंबर 2 बिलासपुर छोर ओव्हर ब्रिज के नीच रेल्वे स्टेशन रायपुर में अवैध रुप से मादक पदार्थ गांजा ओडिशा से ट्रेन नं 12146 पुरी एलटीटी सुपरफास्ट से लेकर आये आए थे। इन आरोपियों के पास से कुल वजन 79 किलो गांजा जब्त किए है।

शहर के चारों कोनों में बनेगें फायर सब स्टेशन, निगम बना रहा है प्रस्ताव

रायपुर। रायपुर नगर निगम शहर के चारों कोनों में फायर सब स्टेशन बनाने की तैयारी कर रहा है इसके लिए जगह की तलाश शुरू कर दी गई है। निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने कहा है कि शहर के हर कोने में फायर सब स्टेशन होना जरूरी है। जिससे आगजनी की घटना के समय फायर ब्रिग्रेड की गाडियां तत्काल मौके पर पहुंच सके और आगजनी पर तत्काल काबू पाया जा सके। कर्मिशियल क्षेत्रों और हाई राइस बिल्डिंगों के मुताबिक भी फायर ब्रिगेड की गाडियों को रखने सब स्टेशन की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के चारों कोनों में सब स्टेशन की जगह तत्काल तलाश की जाए। इसके बाद स्टेशन बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए कुछ जगह पहले से चिन्हित हैं। जिस पर श्री मिश्रा ने तत्काल काम करने के निर्देश दिए।

सौम्या चौरसिया की जमानत पर सुनवाई आज, वर्मा की जमानत पर बहस पूरी

रायपुर। सेंट्रल जेल में बंद निलंबित उप सचिव सौम्या चौरसिया की जमानत याचिका पर आज की बहस टल गई है, अब जमानत याचिका पर 12 अप्रैल 2024 को सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत याचिका खारिज करने के बाद पहली बार निचली कोर्ट में जमानत याचिका लगी है। दूसरी ओर महादेव ऐप घोटाला मामले में जेल में बंद निलंबित पुलिसकर्मी चंद्रभूषण वर्मा की जमानत याचिका पर दोनो पक्षों की बहस पूरी हो गई है। बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा है।

सरगुजा सीट पर कांग्रेस ने नहीं चखा जीत का स्वाद

सरगुजा। छत्तीसगढ़ में सरगुजा लोकसभा क्षेत्र का चुनाव राज्य बनने के बाद से रोचक रहा है।हर बार कड़ी टक्कर के बाद भी कांग्रेस इस सीट को नहीं जीत सकी है। 2018 विधानसभा चुनाव में जब कांग्रेस प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आई तो ऐसा लगा कि इसका असर लोकसभा चुनाव में भी होगा।लेकिन ऐसा हो ना सका। चाहे प्रदेश में कांग्रेस की सत्ता रही हो या ना हो फिर भी बीजेपी ने इस सीट से अपना वर्चस्व खत्म नहीं होने दिया।कई बार कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में सरगुजा की आठ सीटों पर बेहतर प्रदर्शन किया। लेकिन लोकसभा का चुनाव हार गई।सबसे ज्यादा चौंकाने वाला परिणाम 2019 में आया था।

2018 में कांग्रेस ने प्रदेश में सरकार बनाई थी। बीजेपी 15 सीटों पर सिमट चुकी थी। सरगुजा संभाग की बात करें तो यहां की 14 की 14 सीटों में बीजेपी का सूपड़ा साफ हो चुका था।इन्हीं 14 में से 8 विधानसभा सीट सरगुजा लोकसभा सीट के अंतर्गत आती हैं।इस जीत के बाद सभी को लगा कि स्थितियां बदलेंगी।लोकसबा में भी कांग्रेस इस बार अपना खाता खोलेगी।लेकिन जब लोकसभा चुनाव हुए तो परिणाम चौंकाने वाले सामने आए। विधानसभा के उलट लोकसभा में सरगुजा सीट बीजेपी ने 1 लाख 57 हजार के भारी मतों से जीता। विधानसभा चुनाव के महज 6 महीने बाद हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस साढ़े तीन लाख वोटों से पीछे हो गई।

मतों का इतना बड़ा ध्रुवीकरण क्या मोदी फैक्टर के कारण था।हमेशा कंवर समाज से लोकसभा प्रत्याशी बनाने वाली बीजेपी ने गोंड समाज की प्रत्याशी रेणुका सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया था।इस लोकसभा सीट में सर्वाधिक आबादी गोंड समाज की लोगों की मानी जाती है।इस बार सरगुजा की बात करें तो कांग्रेस ने गोंड समाज से अपना प्रत्याशी बनाया है।पूर्व मंत्री की बेटी शशि सिंह मैदान में हैं।जिनके सामने कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए चिंतामणि महाराज हैं।

छत्तीसगढ़ की सरगुजा कभी कांग्रेस की पारंपरिक सीट मानी जाती थी। लेकिन बदलते वक्त ने कब वोटर्स का मिजाज बदल दिया, खुद कांग्रेस को भी पता ना चला।विधानसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस कभी आगे तो कभी पीछे रही हो,लेकिन जब बात लोकसभा की आती है,तो कांग्रेस दूर-दूर तक नहीं दिखती।छत्तीसगढ़ बनने के बाद तो सरगुजा में स्थिति और भी ज्यादा खराब हुई। इस बारे में वरिष्ठ पत्रकार मनोज गुप्ता ने कहा कि नया राज्य केंद्र में बीजेपी के शासन में बना। राज्य गठन के बाद रेलवे और एनएच की सुविधाएं तेजी से बढ़ी। रेलवे से जुड़े जो भी बड़े काम हुए वो सभी बीजेपी सरकार के समय ही हुए।जिसका नतीजा ये हुआ कि इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर बीजेपी के प्रति लोगों का झुकाव बढ़ा। 2003 विधानसभा चुनाव में बीजेपी को लोकसभा क्षेत्र में आने वाली 8 में से 7 में जीत मिली थी।सीतापुर सीट ही कांग्रेस के पास गई थी। जब 2004 में लोकसभा चुनाव हुए तो उसमें बीजेपी जीती। फिर 2008 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी को बराबर चार-चार सीटें मिली। 2009 के लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी ने कांग्रेस को हराया।

वरिष्ठ पत्रकार मनोज गुप्ता ने कहा इसी तरह 2013 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 6 सीटें मिली और बीजेपी को 2 सीटों में ही संतोष करना पड़ा। फिर भी लोकसभा चुनाव में बीजेपी चुनाव जीत गई। 2018 के विधानसभा चुनाव में तो कांग्रेस ने आठ की आठ सीट जीतीं।आठ सीटों में कांग्रेस की बढ़त दो लाख वोटों से अधिक थी। लेकिन एक बार फिर 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का वोट बैंक बीजेपी में स्वीच कर गया। जिसके कारण कांग्रेस सरगुजा लोकसभा सीट को एक लाख संतावन हजार वोट के बड़े अंतर से हार गई।विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में वोटों का अंतर साढ़े तीन लाख का आ गया।

2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस स्थानीय मुद्दों को लेकर चुनाव में उतरी थी।उस वक्त टीएस सिंहदेव को सीएम बनाने की चर्चा जोरों पर थी।सरगुजा के लोगों ने भी दिल खोलकर कांग्रेस के पक्ष में वोटिंग की।लेकिन जब टीएस सिंहदेव सीएम नहीं बन सके तो लोगों की उम्मीदें भी टूटी। शायद यही वजह रही होगी कि जब लोकसभा चुनाव हुए तो लोगों ने स्थानीय मुद्दों से ऊपर उठकर बीजेपी के पक्ष में वोट किया। मौजूदा चुनाव में भी मोदी का बड़ा चेहरा और राम मंदिर का फैक्टर गूंज रहा है।

सरगुजा सीट पर जातिगत फैक्टर हमेशा हावी रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस ने ज्यादातर मौकों पर गोंड प्रत्याशी ही मैदान में उतारे हैं। खेलसाय सिंह के रूप में कांग्रेस को सफलता भी मिली है, जब बीजेपी ने 2019 में गोंड प्रत्याशी मैदान में उतारा तो जीत का अंतर डेढ़ लाख पार हो गया। इस चुनाव में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को भी करीब 25 हजार वोट मिले। जो गोंगपा के कैडर वोट थे। 2023 विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने क्लीन स्वीप किया।जिसके कारण लोकसभा की सभी आठ सीटों पर बीजेपी का कब्जा है।कांग्रेस अपने प्रत्याशी के भरोसे है, तो बीजेपी मोदी के साथ राममंदिर फैक्टर को भुना रही है।

बालाजी फ्यूल्स के मैनेजर यादव पर लगा 66 लाख के गबन का आरोप

रायपुर। विधानसभा इलाके में स्थित बालाजी फ्यूल्स के मैनेजर नारद यादव पर 66 लाख रूपए का गबन करने का आरोप लगा है। विजय कुमार पाली ने इसकी रिपोर्ट थाना में दर्ज कराया है। उसने पुलिस को बताया कि वह बजरंग चौक मठपारा में रहता है। ग्राम दोंदे खुर्द के पास उसका बालाजी फ्यूल्स के नाम से पेट्रोल पंप है जहां पर नारद यादव पंप में बतौर मैनेजर के पद पर कार्यरत था। जहां पंप में नारद ने पंप में पेट्रेल डीजन रिफिलिंग से लेकर पूरा आवक और खर्चों का हिसाब रखता था। इसी दौरान एक मार्च से 4 अप्रैल के बीच नारद ने हिसाब किताब में गड़बडी कर 66 लाख रूपए का गबन किया। इस बात की जानकारी मार्च-अप्रैल में हुए आडिट से हुई। गबन की सूचना के बाद से मैनेजर पंप से फरार हो गया जिससे शक और भी गहरा गया। विजय पाली ने इसकी रिपोर्ट विधान सभा थाना में दर्ज कराई है। पुलिस ने नारद यादव के खिलाफ 406 का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पंडरी और आमानाका में बनेगा सिटी बस डिपो

■ मठपारा आईएसबीटी के एक एकड़ में सिटी बसों के लिये अलग स्टैंड के साथ चार्जिंग पॉइंट भी बनाए जाएंगे

रायपुर। केंद्र सरकार द्वारा रायपुर शहर को 100 नए सिटी बसों मिल रहा है। जिसकी तैयारी रायपुर नगर निगम द्वारा प्रारम्भ कर दी गई है। रायपुर से दूसरे शहरों की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए आमानाका, पंडरी स्थित पुराने बस स्टैंड और मठपारा स्थित आईएसबीटी में सिटी बसों के लिए स्टैंड बनाए जाएंगे।

कलेक्टर गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने दो दिन पूर्व आईएसबीटी का निरीक्षण किया। यहां करीब 1 एकड़ जमीन खाली पड़ी हुई है। श्री मिश्रा ने बताया कि इस जगह का उपयोग अब सिटी बस स्टैंड के रूप से किया जाएगा। इससे आईएसबीटी में उतरे यात्रियों को अपने शहरों की ओर जाने के लिए वहीं पर सिटी बस मिल जाएगी। सिटी बस स्टैंड को यात्रियों के साथ ही सिटी बसों के लिए भी सर्वसुविधायुक्त बनाया जाएगा। सिटी बसों के चार्जिंग के लिए यहां चार्जिंग पॉइंट बनाए जाएंगे। आमानाका और पंडरी डिपो में 50 - 50 सिटी बसें रखने की भी व्यवस्था की जा रही है। इससे रायपुर से दूसरे शहरों की ओर जाने वाले यात्रियों को आसान सवारी मिल जाएगी।

जंगल सफारी को स्थानांतरित करने का विरोध

रोक लगाने निर्वाचन आयोग से मांग

रायपुर । राजधानी रायपुर के वन मंडल अधिकारी कार्यालय में संचालित जंगल सफारी को जंगल सफारी के डायरेक्टर द्वारा नवा रायपुर स्थानांतरित करने का कर्मचारी संगठन ने विरोध किया है। इस निर्णय पर तत्काल रोक लगाने की मांग निर्वाचन आयोग से की है।

कर्मचारी नेता विजय कुमार झा एवं बजरंग मिश्रा ने बताया है कि वन विभाग का जंगल सफारी कार्यालय नवा रायपुर जंगल सफारी में स्थानांतरित किया जा रहा है। आम जनता इस कार्यालय में आकर विधिवत शुल्क जमा कर जंगल सफारी परिवार समेत भ्रमण करने जाते हैं किंतु भारत निर्वाचन आयोग की आदर्श आचार संहिता की धज्जियां उड़ाते हुए लोकसभा चुनाव के दौरान कार्यालय को जंगल सफारी के बाहर बनी दुकान में स्थानांतरित कर कहीं न कहीं निर्वाचन प्रक्रिया में मतदाताओं को नाराज करने की कार्यवाही की जा रही है, जो प्रत्यक्ष रूप से आचार संहिता का उल्लंघन है। इस निर्णय पर तत्काल रोक लगाने की मांग कर्मचारी नेताओं ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ तथा जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ गौरव कुमार सिंह से की है।

13 को राहुल जगदलपुर व राजनाथ दंतेवाड़ा में करेंगे चुनावी सभा

रायपुर। बस्तर लोकसभा सीट के लिए 19 अप्रैल को मतदान होना हैं इसके लिए भाजपा और कांग्रेस के बड़े नेता चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंच रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां चुनावी सभा को संबोधित कर चले गए हैं। 13 अप्रैल को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दंतेवाड़ जिले के गीदम में चुनावी हुंकार भरेंगे। इसके बाद वे खैरागढ़ में भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय के लिए वोट मांगेंगे। वहीं जगदलपुर के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में राहुल गांधी सभा को संबोधित रहेंगे। इसकी तैयारी में दोनों ही पार्टी के कार्यकर्ता लोगों के भीड़ जुटाने में जोरशोर से जुटे हुए हैं। राहुल गांधी बस्तर लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा और राजनाथ सिंह भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप के लिए वोट मांगेंगे। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शुक्रवार को रोड शो करेंगे।

14 को शाह तो प्रियंका आ रही 20 को राजनांदगांव

रायपुर। दूसरे चरण में राजनांदगांव, कांकेर व महासमुंद में 26 अप्रैल को मतदान होना हैं इसके लिए भाजपा और कांग्रेस के नेता चुनाव प्रचार में जोरशोर से जुटे हुए है। 14 अप्रैल को भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय के वोट मांगने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राजनांदगांव आ रहे हैं वहीं 20 अप्रैल को राजनांदगांव में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पूर्व मुख्यमंत्री व लोकसभा प्रत्याशी भूपेश बघेल के लिए वोट मांगने पहुचेंगी।

आईपीएल मैच के दौरान अलग-अलग आईडी से खेलाते थे ऑनलाइन सट्टा

■ पुलिस ने पांच आरोपियों को धरदबोचा

रायपुर/कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में पुलिस ने आईपीएल क्रिकेट मैच में ऑनलाइन सट्टा पर बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपी को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से नगदी रकम, मोबाइल समेत कुल सात लाख 62 हजार 270 रुपये का सामान जब्त किया है।

पूरा मामला कवर्धा सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। थाना प्रभारी लालजी सिन्हा ने बताया कि थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत कुछ व्यक्ति अपने मोबाइल फोन पर ऑनलाइन सट्टा कारोबार कर रहे थे। इस दौरान मुखबिर के बताए हुलिये के व्यक्तियों को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम विशाल चंद्रवंशी, राजू चंद्रवंशी, दीपक चंद्रवंशी और शेखर चंद्रवंशी बताया। इनके पास रखे मोबाइल को चेक करने पर आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा कारोबार करते पाया गया।

मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से लगभग 6 लाख रुपए का ऑनलाइन सट्टा का स्क्रीनशॉट, कई कंपनियों के आठ नग मोबाइल इसकी कीमत 1.5 लाख रुपए, साथ ही नगदी रकम 12 हजार 270 रुपये जब्त किया गया है। इन सभी का कीमत लगभग सात लाख 62 हजार 270 रुपये आंकी गई है। मामले की बारीकी से हर पहलुओं पर विवेचना की जा रही है। प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

दूसरी ओर रायपुर पुलिस को सुचना मिली कि बनियान ट्री के पास सौरभ मिश्रा नामक लडका इंडियन प्रीमियर लीग में चल रहे क्रिकेट मैच गुजरात और राजस्थान के बीच मैच मे सट्टा खेला रहा है। पालिक ने मौके पर पहुंचकर आरोपी सौरभ मिश्रा को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से एक मोबाइल जब्त किया गया है। साथ ही चार मोबाइल स्क्रीन शाट जिसमें सट्टा लिंक REDDYCARE.IN और CRICBET99 लिखा है। जब्त सामान की कुल कीमत साढ़े 13 हजार रुपये आंकी गई है। आरोपी को गिरफतार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

गिरफ्तार आरोपी- विशाल चंद्रवंशी निवासी ग्राम छांटा, थाना पिपरिया। राजू चंद्रवंशी निवासी न्यू चांगोरा भाटा, रायपुर। दीपक चंद्रवंशी, निवासी चांगोरा भाटा, रायपुर। शेखर चंद्रवंशी, निवासी चांगोरा भाटा, रायपुर। सौरभ मिश्रा, निवासी भवानी नगर, थाना खम्हारडीह, रायपुर।

भिलाई के शराब कारोबारियों के घर एसीबी-ईओडब्ल्यू की दबिश, शराब घोटाले से जुड़े मिले डिजिटल साक्ष्य

भिलाई। छत्तीसगढ़ के स्टील सिटी यानी भिलाई में एसीबी की टीम ने शराब कारोबारी के घर पर दबिश दी। जिन दो लोगों के घर पर एसीबी का छापा पड़ा है,वो दोनों पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी बताए जाते हैं। भिलाई क्षेत्र के न्यू खुर्सीपार निवासी पप्पू ढिल्लन और नेहरू नगर निवासी विजय भाटिया के घर पर सुबह छह बजे एसीबी की टीम ने दबिश दी।

गुरुवार सुबह से ही एसीबी-ईओडब्लू के दो दर्जन से अधिक अधिकारी शराब कारोबारियों के घर पहुंचे और छापामार कार्रवाई शुरू की। आपको बता दे कि पिछले दो साल के अंदर ईडी और आयकर विभाग ने तीन बार दोनों शराब कारोबारीयो के यहां छापेमार कार्रवाई की है। वहीं मौजूदा कार्रवाई के दौरान पूर्व सरकार के शराब घोटाले से जुड़े कई अहम दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य की जानकारी सामने आई है। जानकारी के मुताबिक नेहरू नगर में बड़े शराब कारोबारी पप्पू ढिल्लन और विजय भाटिया के घर पर दबिश दी गई है। दोनों दुर्ग भिलाई में कांग्रेस का फंड संभालने वाले बड़े नेता हैं। साथ ही साथ पूर्व सीएम भूपेश बघेल के खास बताए जाते हैं।

दोनों के निवास स्थान में अलग-अलग टीम कई गाड़ियों के साथ पहुंची। एसीबी की टीम ने बंगलों में छापामार कार्रवाई शुरू की है। टीम में एक दर्जन से अधिक सदस्य हैं।आपको बता दें कि पप्पू ढिल्लन का नाम कई बार जांच में सामने आया था।लेकिन कार्रवाई नहीं हुई थी। जब शराब घोटाले का केस एसीबी के पास आया तो पप्पू बंसल पर भी टीम का शिकंजा कसा है।

छत्तीसगढ़ से चलने वाली 19 ट्रेनें 14 से 17 अप्रैल तक रहेंगी रद्द

रायपुर। रेलवे प्रशासन की ओर से अधोसंरचना विकास के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल के सिलयारी-माढर रेलवे स्टेशनों के बीच लेवल क्रॉसिंग का काम किया जाएगा। इस बीच 14 से 17 अप्रैल तक 19 ट्रेनों को रद्द किया गया है। साथ ही दो ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेंगी और एक ट्रेन बीच में ही रद्द रहेंगी।

लेवल क्रोससिंग पर गर्डर लौंचिंग से आने वाले दिनों मे सड़क मार्ग उपयोगकर्ता को ट्रेन परिचालन के दौरान लेवल क्रॉसिंग गेट पर रुकने की अवश्यकता नहीं होगी। इसी प्रकार इससे रेल परिचालन भी निर्भय और संरक्षित होगा। इस अधोसंरचना विकास काम से ट्रेन यात्रियों को यात्रा में बाधा दल सकता है।

ये ट्रेनें रहेंगी कैंसिल

● 14 और 15 अप्रैल को बिलासपुर से चलने वाली 08727 बिलासपुर-रायपुर मेमू पैसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ● 14 अप्रैल को रायपुर से चलने वाली 08725 रायपुरङ्कदुर्ग मेमू पैसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ● 14 अप्रैल को दुर्ग से चलने वाली 08726 दुर्ग- रायपुर मेमू

पैसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ● 15 और 16 अप्रैल को रायपुर से चलने वाली 08728 रायपुर-बिलासपुर मेमू पैसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ● 14 और 15 अप्रैल को बिलासपुर से चलने वाली 08719 बिलासपुर-रायपुर मेमू पैसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ● 15 और 16 अप्रैल को बिलासपुर से चलने वाली 08261 बिलासपुर-रायपुर पैसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ● 15 और 16 अप्रैल को रायपुर से चलने वाली 08275 रायपुर-जूनागढ़ साईडिंग पैसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ● 16 और 17 अप्रैल को जूनागढ़ साईडिंग से चलने वाली 08276 जूनागढ़ साईडिंग-रायपुर पैसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ● 16 और 17 अप्रैल को रायपुर से चलने वाली 08280 रायपुर-कोरबा पैसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ● 15 और 16 अप्रैल को कोरबा से चलने वाली 08279 कोरबा-रायपुर पैसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ● 15 और 16 अप्रैल को रायपुर से चलने वाली 08267 रायपुर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) मेमू पैसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ● 16 और 17 अप्रैल को नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 08268 नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)- रायपुर मेमू पैसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ● 16 और 17 अप्रैल को रायपुर से चलने वाली 08262 रायपुर-बिलासपुर पैसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ● 14 अप्रैल को टाटानगर से चलने वाली 18109 टाटानगर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) एक्सप्रेस रद्द रहेगी ● 16 अप्रैल को नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 18110 नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी ● 14 और 15 अप्रैल को कोरबा से चलने वाली 18239 कोरबा-नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) एक्सप्रेस रद्द रहेगी ● 15 और 16 अप्रैल को नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 18256 नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)- बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी ● 14 अप्रैल को हावड़ा से चलने वाली 12860 हावड़ा-मुंबई गीतांजली एक्सप्रेस रद्द रहेगी ● 16 अप्रैल को मुंबई से चलने वाली 12859 मुंबई-हावड़ा गीतांजली एक्सप्रेस रद्द रहेगी

दूसरे रूट से चलने वाली ट्रेनें

14 अप्रैल को बरौनी से चलने वाली 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग कटनी- जबलपुर-नैनपुर-गोंदिया होकर चलेगी यह गाड़ी कटनी एवं गोंदिया के बीच रद्द रहेगी

15 अप्रैल को गोंदिया से चलने वाली 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग गोंदिया- नैनपुर- जबलपुर- कटनी होकर चलेगी यह गाड़ी कटनी एवं गोंदिया के बीच रद्द रहेगी

बीच में रद्द होने वाली ट्रेन

15 और 16 अप्रैल को गोंदिया एवं झारसुगुड़ा से चलने वाली 08861/08862 गोंदिया- झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेजर स्पेशल बिलासपुर एवं गोंदिया के बीच रद्द रहेगी

नवा रायपुर में छह स्टंटबाजों को पुलिस ने पकड़ा

रायपुर। नया रायपुर में बाइक स्टंट का मामला नहीं थम रहा है। बाइकर्स हाई स्पीड बाइक दौड़ा रहे हैं। साथ ही स्टंटबाजी कर रहे हैं। इससे खुद की और रह चलते लोगों का भी जान का खतरा है। पुलिस ने छह बाइकर्स घेराबंदी कर पकड़ा। साथ ही छह बाइक भी जब्त किया गया है। दूसरी ओर ई-चालान से बचने दूसरे वाहन का नंबर प्लेट लगाने वाले के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। साथ ही ब्लैक फिल्म लगे 102 वाहनों के के खिलाफ कार्रवाई की गई है और मौके पर फिल्म निकलवाया गया है।

नया रायपुर के सूनसान सड़कों पर आए दिन लापरवाही पूर्वक बाइक चलते हैं। स्टंट करते हैं। इससे दूसरों की जान को खतरे में रहता है। ऐसे बाइकर्स गैंग के छह स्टंटबाजों को यातायात पुलिस घेराबंदी कर पकड़ा है। छह बाइकर्स में तीन नाबालिक और तीन बालिक है। इनसे बाइक जब्त किया गया है। तीन के प्रकरण निराकरण के लिए माननीय न्यायालय भेजने की कार्रवाई की गई है। वहीं तीन नाबालिग के प्रकरण किशोर न्यायालय भेजा गया।

दूसरी ओर यातायात पुलिस की ओर से जारी ई-चालान कार्रवाई के खौफ से एक बाइक चालक बिना नंबर प्लेट के गाड़ी में दूसरे गाड़ी का नंबर प्लेट लगाकर गाड़ी दौड़ा रहा था। जिसे पुलिस ने धरदबोचा है। आवेदक ईशान पाठक ने यातायात मुख्यालय ई चालान शाखा आकर शिकायत दर्ज कराया। उसने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके वाहन एक्टीवा का नंबर प्लेट उपयोग कर फर्जी तरीके से गाड़ी चला रहा है। जिसका ई-चालान प्राप्त हुआ है। इसके बाद उसके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

इसी क्रम में पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा और एसएसपी संतोष कुमार सिंह के निर्देशन पर यातायात पुलिस रायपुर की ओर से ब्लैक फिल्म लगे 102 गाड़ियों के खिलाफ मोटर यान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई किया गया है। साथ ही फिल्म उतरवाया गया।

क्या भाजपा जायेगी चार सौ पार?

अनिल तिवारी

लोकसभा चुनाव को लेकर भारत का मध्य वर्ग इस बार अधिक उदासीन दिख रहा है। लोग मान कर चल रहे हैं कि चुनाव बाद बड़े बदलाव की कोई उम्मीद नहीं है। चुनाव के केंद्र में फिलहाल मोदी ही हैं। मोदी जी ने खुद ही %अबकी बार- चार सौ पार% का जो नारा दिया है, पूरे देश में यह बहस छिड़ी है कि क्या वह इस चार सौ पार के जादुई आंकड़े को छू सकेंगे? इसका स्पष्ट उत्तर तो मतों की गिनती के बाद ही मिलेगा, पर इस समय देश के सबसे बड़े राज्य (उत्तर प्रदेश) की जनता में किसी भी राजनीतिक दल से ऊपर मोदी और भाजपा के लिए समर्थन की लहर है। इसके बावजूद दिल्ली में बैठे भाजपा के बड़े नेता आश्वस्त नहीं है, यही कारण है कि एक-एक सीट के लिए गुणा-गणित किया जा रहा है। अब यह स्थापित हो गया है कि केन्द्र की सत्ता का रास्ता यूपी से ही होकर गुजरता है। वर्ष 2014 और 2019 में भाजपा को केंद्र में स्थापित करने में उत्तर प्रदेश का योगदान सर्वाधिक रहा है। दोनों चुनाव में उत्तर प्रदेश ने भाजपा और उसके सहयोगी दलों को क्रमश: 73 और 64 सांसद चुनकर दिए। इसी संख्या बल के आधार पर प्रधानमंत्री मोदी केंद्र की सत्ता पर काबिज हो सके। इस बार तो भाजपा ने 80 की 80 सीट जीतने का लक्ष्य रख दिया है। दावेदारों के दावे अपनी जगह हैं लेकिन 18वीं लोकसभा चुनाव की रंगत 2014 और 2019 जैसी नहीं है। 2019 के लोकसभा चुनाव में विभाजित विपक्ष और मोदी की लोकप्रियता के चरम पर भी भाजपा बहुमत के लिए जरूरी संख्या से मात्र 31 सीट ज्यादा ही जीत पाई, तो सवाल है कि 2024 में 370 या 400 का लक्ष्य कैसे मुमकिन होगा? लेकिन लगे हाथों एक सच्चाई यह भी है कि विपक्षी दल भी 2019 की तुलना में आज अधिक हताशा की स्थिति में है। भाजपा अपने रणनीतिक सहयोगियों के साथ मैदान में उतर चुकी है वहीं विपक्षी दल अभी भी सीटों के बंटवारे में लगे पड़े हैं। मूल प्रश्न यह है कि जिस राजनीतिक नैतिकता की जरूरत विपक्ष के पास होनी चाहिए वह उसके पास क्यों नहीं है? आजादी के बाद हमारे देश में समानता, भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता आदि के सवाल पर कोई बहस नहीं थी। कांग्रेस पार्टी पर धर्मनिरपेक्षता की आड़ में समुदाय विशेष का तुष्टिकरण करने का आरोप लगाने के बावजूद जनसंघ और स्वतंत्र पार्टी अधिक से अधिक वास्तविक धर्मनिरपेक्षता की वकालत करते रहे। मुसलमानों ने भी मुख्य धारा का समर्थन किया। 1971 में समाजवाद के साथ खड़े होकर इंदिरा का समर्थन किया तो उनकी तानाशाही के विरोध में 1977 में उन्हें अर्श से फर्श पर पटक दिया। यह प्रवृति 1989 के चुनाव तक बनी रही। 1990 के बाद स्थितियां बदली और लगातार बदलती चली गईं। आज अपने राजनीतिक गठबंधन एनडीए के साथ भाजपा 335 सीटों के साथ सत्ता में है। प्रधानमंत्री ने एनडीए के लिए 400 पार का लक्ष्य घोषित करके अपनी पार्टी के लोगों को इस लक्ष्य को पूरा करने में लगा दिया है। 400 के पार जाने के लिए पार्टी को कम से कम 66 सीटें और चाहिए। सवाल यह है कि एनडीए के लिए ये अतिरिक्त सीटें कहां से आयेंगी? बीजेपी बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और यहां तक कि असम में अधिकतम पर स्थापित है। हालिया उतार चढ़ाव को देखते हुए आशंका व्यक्त की जा रही है कि उत्तर भारत के इन राज्यों में पार्टी की कुछ सीटें घट सकती हैं। यूपी में ही गाजीपुर, बलिया, घोसी, आजमगढ़ की तरह कई अन्य लोकसभा क्षेत्रों में उल्टी हवा बह रही है। टिकट कटने से नाराज नेताओं का समुदाय भी विरोध का झंडा बुलंद कर रहा है। उत्तर प्रदेश में सबसे पहले उम्मीदवारों की घोषणा किए जाने के बावजूद अभी भी 15 से 20 सीटों का पेच फंसा हुआ है।

लोकसभा चुनाव में नई शुरुआत हो

ललित गर्ग

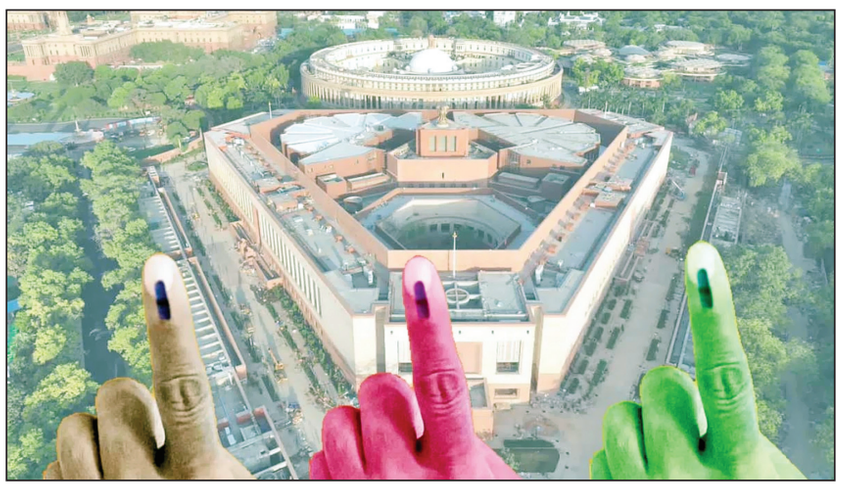

लोकसभा चुनाव में चुनावी मैदान सज गया है, सभी राजनीतिक दलों में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला हमेशा की तरह परवान चढ़ने लगा है। राजनीति में स्वच्छता, नैतिकता एवं मूल्यों की स्थापना के तमाम दावों के अनैतिकता, दल-बदल, आरोप-प्रत्यारोप की हिंसक मानसिकता पसरी है। राजनेता दलबदल की ताल ठोक रहे हैं। दलबदलुओं को टिकट देने में कोई दल पीछे नहीं रहा, क्योंकि सवाल, येन-केन-प्रकारेण चुनाव जीतने तक जो सीमित रह गया है। सिद्धांतों और राजनीतिक मूल्यों की परवाह कम ही लोगों को रह गई है। चुनावी राजनीति देश के माहौल में कड़वाहट घोलने का काम भी कर रही है। स्वस्थ एवं मूल्यपरक राजनीति को किनारे किया जा रहा है। राजनीति पूरी तरह से जातिवाद, बाहुबल और धनबल तक सिमट गई है। हालत यह है कि अब तक राजनीति दलों ने जिन प्रत्याशियों को उतारा है, उनमें आधे से अधिक दलबदलू, अपराधी अथवा दागी हैं। ऐसे में राजनीति के स्तर में सुधार की उम्मीद आखिर कौन, किससे करे? इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों की चुप्पी तो समझ में आती है, लेकिन चुनाव आयोग की खामोशी समझ से परे है।

लोकसभा चुनाव नेतृत्व चयन का ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण अवसर है, इस अवसर पर लाओत्जु ताओ ते चिंग की पुस्तक ''द ताओ ऑफ लीडरशिप'' राजनीति एवं राजनेताओं के लिये एक रोशनी है। यह एक अद्भुत, अद्वितीय एवं अप्रतिम कृति हैं जो नये युग के लिए नेतृत्व की रचनात्मक व्यूह रचना प्रस्तुत करती है। आज जबकि देश और दुनिया में सर्वत्र नेतृत्व के प्रश्न पर एक घना अंधेरा छाया हुआ है, निराशा और दायित्वहीनता की चरम पराकाष्ठा ने राजनीति एवं नेतृत्व को जटिल दौर में लाकर खड़ा कर दिया है। समाज और राष्ट्र के समुचे परिदृश्य पर जब हम दृष्टि डालते हैं तो हमें जिन विषम और जटिल परिस्थितियों से रू-ब-रू होना पड़ता है, उन विषम हालातों के बीच ठीक से राह दिखाने वाला कोई नेतृत्व नजर नहीं आता।

यह मान लेने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए कि लोकतंत्र धुंधलका सब देख रहे हैं, लेकिन खामोशी के साथ। शायद सबकी अपनी-अपनी मजबूरियां हैं। मतदाता की मजबूरी यह है कि आखिर उसे मैदान में डटे उम्मीदवारों में से ही एक को चुनना है। इस देश ने महंगाई, बेरोजगारी, महिला अपराध, गरीबी, साम्प्रदायिकता के खिलाफ भी जनता को सड़कों पर उतरते देखा है लेकिन राजनीति में टकराव, अपराध, देश-विरोध और हिंसा की राजनीति के खिलाफ कभी कोई आंदोलन नहीं हुआ। चुनाव आयोग की अपनी सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन जेल में बैठे-बैठे लोग चुनाव लड़ भी लेते हैं और जीत भी जाते हैं। खलनायक नायक बनने लगे हैं। चुनाव लड़ने के लिए अधिकतम खर्च की सीमा सरेआम ध्वस्त होती है, लेकिन आयोग कुछ कर नहीं पाता। चुनाव प्रचार के दौरान अपशब्दों का उच्चारण-गालीगलोच खुल्लम-खुल्ला होता है, लेकिन आयोग नोटिस देकर ही अपने दायित्व से मुक्त हो जाता है। मतदाताओं के वोट खरीदने के लिए उन्हें सरेआम पैसे ही नहीं शराब तक बांटी जाती है, लेकिन किसी उम्मीदवार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। जनता राजनीति के गिरते स्तर से त्रस्त तो है, लेकिन उसके खिलाफ आवाज नहीं उठाती। इन लोकसभा चुनाव में यह चुप्पी टूटनी चाहिए और आजादी के अमृतकाल को अमृममय बनाने वाला नेतृत्व सामने आना चाहिए। ऐसा नेतृत्व जो देश को अग्रणी आर्थिक महाशक्ति के रूप में ले जाये एवं विकास की स्वर्णिम गाथा को गढ़े।

एक सफल, सार्थक, समर्थ एवं चरित्र सम्पन्न विपक्षी नेतृत्व की आवश्यकता हर दौर में रही है, लेकिन आज यह ज्यादा तीव्रता से महसूस की जा रही है। विपक्षी नेतृत्व कैसा हो, उसका अपना साथियों के साथ-साथ सत्तापक्ष के साथ कैसा सलूक हो? उसमें क्या हो, क्या न हो? वह क्या करे, क्यों करे, कब करे, कैसे करे? इत्यादि कुछ जटिल एवं गंभीर प्रश्न हैं जिनके जवाब ढूंढ़े बिना हम एक सक्षम विपक्षी नेतृत्व को उजागर नहीं कर सकते। इन प्रश्नों के उत्तरों की कसौटी पर ही हमें आने वाले सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के नेतृत्व को कसना होगा। जिस नेतृत्व के पास इन प्रश्नों के उत्तर होंगे, जो समयज्ञ होगा, सहिष्णु होगा, तटस्थ होगा, दूरदर्शी होगा, नि:स्वार्थी होगा, वैसा ही नेतृत्व जिस राष्ट्र को प्राप्त होगा, उसकी प्रगति को संसार की कोई शक्ति बाधित नहीं कर सकेगी। ऐसा ही नेतृत्व नया इतिहास बना सकेगा और भावी पीढ़ी को उन्नत दिशाओं की ओर अग्रसर कर सकेगा। आज चुनाव प्रचार में जिस तरह की आरोप-प्रत्यारोप की हिंसक संस्कृति पनपी है, एक दूसरे पर जूते-चप्पल फेंके जाते है, पत्थर से हमला किया जाता है, छोटी-छोटी बातों पर अभद्र शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी और हंगामा आदि घटनाएं ऐसी है जो नेतृत्व को धुंधलाती है।

नेतृत्व को लेकर लोगों की मानसिकता में बहुत बदलाव आया है, आज योग्य नेतृत्व की प्यासी परिस्थितियां तो हैं, लेकिन बदकिस्मती से अपेक्षित नेतृत्व नहीं हैं। जलाशय है, जल नहीं है। नगर है, नागरिक नहीं है। भूख है, रोटी नहीं है- ऐसे में हमें सोचना होगा कि क्या नेतृत्व की इस अप्रत्याशित रिक्तता को भरा जा सकता है? क्या राष्ट्र के सामने आज जो भयावह एवं विकट संकट और दुविधा है उससे छुटकारा मिल सकता है? हालही में नेतृत्व के प्रश्न पर एक करारा व्यंग्य पढ़ा था-'देश और ट्रेन में यही अंतर है कि ट्रेन को लापरवाही से नहीं चलाया जा सकता।' यानी देश के संचालन में की गई लापरवाही तो क्षम्य हैं पर ट्रेन के पटरी से उतरने में की गई लापरवाही क्षम्य नहीं, क्योंकि इसके साथ आदमी की जिंदगी का सवाल जुड़ा है। मगर हम यह न भूलें कि देश का नेतृत्व अपने सिद्धांतों और आदर्शों की पटरी से जिस दिन उतर गया तो पूरी इन्सानियत एवं राष्ट्रीयता की बरबादी का सवाल उठ खड़ा होगा।

आज देश में लोकतांत्रिक, सांस्कृतिक, नैतिक जीवन-मूल्यों के मानक बदल गये हैं न्याय, कानून और व्यवस्था के उद्देश्य अब नई व्याख्या देने लगे हैं। चरित्र हासिए पर आ गया, सत्ता केन्द्र में आ खड़ी हुई। ऐसे समय में कुर्सी पाने की दौड़ में लोग जिम्मेदारियां नहीं बांटते, चरित्र बांटने लगते हैं और जिस देश का चरित्र बिकाऊ हो जाता है उसकी आत्मा को फिर कैसे जिन्दा रखा जाए, चिन्तनीय प्रश्न उठा खड़ा हुआ है। आज कौन अपने दायित्व के प्रति जिम्मेदार है? कौन नीतियों के प्रति ईमानदार है? इस संदर्भ में आचार्य तुलसी का कथन यथार्थ का उद्घाटन करता है कि ''ऐसा लगता है कि राजनीतिज्ञ का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीतिनिपुण व्यक्तित्व से नहीं, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरि महत्व दें, किन्तु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता है।'' राजनैतिक लोगों से महात्मा बनने की उम्मीद तो नहीं की जा सकती, पर वे पशुता पर उतर आएं, यह ठीक नहीं है।

वर्तमान विपक्षी नेतृत्व की सबसे बड़ी विसंगति और विषमता यह है कि वह परदोषदर्शी है, जो सत्तापक्ष की अच्छाई में भी बुराई देखने वाले हैं। यह नेतृत्व कुटिल है, मायाबी है, नेता नहीं, अभिनेता है, असली पात्र नहीं, विदूषक की भूमिका निभाने वाला है। यह नेतृत्व सत्ता- प्राप्ति के लिये कुछ भी करने से बाज नहीं आता, यहां तक जिस जनता के कंधों पर बैठकर सत्ता तक पहुंचने के लिये जैसी राजनीति यह कर रहा है, घोषणा-पत्रों में जनता को ठगने एवं लुभाने के जो प्रयास हो रहे हैं, वे एक तरह से जनता की पीठ में भी सबसे पहले छुरा भोंकते हुए प्रतीत होते हैं। इससे भी अधिक घातक है इस नेतृत्व का असंयमी, अपराधी और चरित्रहीन होना, जो सत्ता पर काबिज होने के लिये राष्ट्र से भी अधिक महत्व अपने परिवार को देता है। देश से भी अधिक महत्व अपनी जाति और सम्प्रदाय को देता है। चुनाव जीतना जिनके लिये सेवा का साधन नहीं, विलास का साधन है। नेतृत्व का चेहरा साफ-सुथरा बने, इसके लिये अपेक्षित है कि इस क्षेत्र में आने वाले व्यक्तियों के चरित्र का परीक्षण हो। आई-क्यू टेस्ट की तरह करेक्टर टेस्ट की कोई नई प्रविधि प्रयोग में लाई जाये तो यह लोकसभा चुनाव का संग्राम अधिक सार्थक होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-54)

गतांक से आगे...

बाद में समाधिस्थ होकर जिससे आप त्याग किया करते हैं, उसे भी छाड़ दे। चेतन न हो मानसिक संकल्प का आकार धारण कर रखा है, वही प्रकाश और अंधकार का रूप धारण किये हुए है। अत: प्राणस्पन्दन के साथ-साथ वासना का सम्पूर्ण परित्याग करके आकाश की तरह निर्मल और शान्त मन वाले बनें। मुक्त और शान्त वही है, जो हृदय से सभी वासनाओं को छोड़ देता है, वही परमेश्वर है। वह दसों दिशाओं में घूमते हुए भ्रान्तिवश द्रष्टव्य पदार्थों को देखने में सक्षम है। प्रयत्नपूर्वक आचरणशील ज्ञानीपुरुषों के लिए यह संसार गोष्पद (गाय का खुर) की तरह सहज ही पार उतरने योग्य बन जाता है। शरीर के बाहर भीतर, ऊपर- नीचे तथा सभी दिशाओं में सर्वत्र आत्मा ही विद्यमान है, उसके निमित्त यह संसार अनात्ममय नहीं होता। हे निष्पाप! %यह और है, मैं अन्य हूँ, इस प्रकार की भ्रान्त धारणा का परित्याग कर दे। ऐसा कोई स्थल नहीं, जहाँ मेरा अस्तित्व नहीं, उस वस्तु का अभाव है, जो आत्मरूप न हो। मैं ऐसी कौन सी वस्तु की कामना करूँ ? सब में सत् और चिन्मय तत्त्व संव्याप्त है। यह सब कुछ ब्रह्ममय ही है, सबमें आत्मा का ही विस्तार है। सर्वव्यापी और नित्य सच्चिदानन्द घन ब्रह्म में काल्पनिक भावों की सम्भावना नहीं है। यह तत्त्व शोक, मोह, जरा और जन्म से रहित है। आत्मतत्त्व में जो विद्यमान है, वही सब कुछ है। अतएव हमेशा सभी जगह किसी पदार्थ की अभिलाषा न करते हुए सहज में जो उपलब्ध हो, उसी का आसक्तिरहित होकर उपभोग करते हुए शोकरहित होकर रहना चाहिए। किसी वस्तु का न तो परित्याग और न ग्रहण- इस प्रकार सन्तापहीन होकर रहना चाहिए। हे महामते ! जिस व्यक्ति का यह जन्म आखिरी है (अर्थात् आगे जिसका जन्म नहीं होना है), उसमें

क्रमश:...

महाराणा सांगा का नाम सुनकर कांपती थीं विरोधी सेनाएं

अनन्या मिश्रा

चित्तौड़ राजस्थान के राजा राणा रायमल के यहां 12 अप्रैल 1448 में महाराणा संग्राम सिंह यानी की राणा सांगा का जन्म हुआ। राणा सांगा अपने भाइओं में सबसे छोटे थे। लेकिन मोवाड़ के सिंहासन के लिए राणा सांगा को अपने भाइयों से भी संघर्ष करना पड़ा था। जिसके बाद वह मेवाड़ छोड़कर अजमेर पलायन कर जाते हैं और वहां पर कर्मचन्द पंवार की सहायता से 1509 में मेवाड़ राज्य प्राप्त कर वहां के शासक बने थे। राजस्थान के सबसे साहसी शूरवीरों में से एक महाराणा सांगा आज भी उनकी वीरता और बलिदान के लिए याद किया जाता है। राणा सांगा मेवाड़ के पूर्व शासक एवं महाराणा प्रताप के पूर्वज थे।

राणा सांगा ने अपने जीवन काल में तमाम युद्ध लड़े थे। इनमें से कुछ इब्राहिम लोधी, महमूद खिलजी और बाबार के खिलाफ भी लड़ाइयां शामिल थीं। कहा जाता है कि एक बार युद्ध के दौरान राणा सांगा के शरीर में करीब 80 घाव हुए थे। इस दौरान उनकी एक आंख, एक हाथ और एक पैर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। लेकिन इसके बाद भी वह युद्ध करते रहे। इसी कारण राणा सांगा को मानवों का खंडहर भी कहा जाता था। वहीं खातोली के युद्ध में उनका एक हाथ कट गया था और एक पैर से वह असहाय हो गए थे।

सिकंदर लोदी के समय ही महाराणा सांगा ने दिल्ली के कई इलाकों पर अपना अधिकार करना शुरू कर दिया था। जब सिकंदर लोदी के उत्तराधिकारी यानि की इब्राहिम लोदी ने 1517 में मेवाड़ पर शासन की इच्छा से आक्रमण कर दिया। खातोली में राणा सांगा और इब्राहिम लोदी के बीच भयंकर युद्ध हुआ था। इस युद्ध में महाराणा सांगा की विजय हुई। कहा जाता है कि इस युद्ध में राणा सांगा का बायां हाथ कट गया था और उनके घुटने में तीर लगने के कारण वह लंगड़े हो गए थे।

माना जाता है कि बाबर चाहता था कि महाराणा सांगा इब्राहिम लोदी के खिलाफ उसका साथ दें। लेकिन दिल्ली और आगरा के अभियान के दौरान राणा सांगा ने बाबर का साथ नहीं दिया। महाराणा सांगा को लगता था कि बाबर भी तैमूर की तरह दिल्ली में लूटपाट कर वापस चला जाएगा। लेकिन जब उन्होंने देखा के 1526 में बाबर ने इब्राहिम लोदी को पानीपत के युद्ध में हराकर दिल्ली पर शासन शुरू कर दिया। तब राणा ने बाबर के साथ युद्ध करने का निश्चय किया।

राणा सांगा और मुगल बादशाह बाबर के बीच 1527 में खानवा का युद्ध हुआ था। बाबर और राणा की सेना लगभग एक सामान थी। लेकिन फर्क इतना था कि मुगल बादशाह बाबर के पास गोला-बारुद थे और महाराणा सांगा के पास साहस और वीरता थी। इस युद्ध में बाबर ने राणा सांगा के सेनापति को लालच देकर अपनी ओर शामिल कर लिया। जिसके बाद बाबर से युद्ध करते हुए राणा सांगा की आंख में तीर लगा, लेकिन इसके बाद भी वह युद्ध करते रहे। इसी युद्ध में महाराणा सांगा को 80 घाव आए थे। राणा की बहादुरी देख मुगल बादशाह बाबर के भी होश उड़ गए थे। बहादुरी और वीरता से लड़ने वाले राणा सांगा को इस युद्ध में हार का सामना करना पड़ा था।

सोरेन परिवार पर मंडराता राजनीतिक संकट

आलोक कुमार

भारतीय जनता पार्टी की सशक्त तैयारी और पारिवारिक अंतर्कलह के कारण आगामी लोकसभा चुनाव झारखंड की फर्स्ट फैमिली कहे जाने वाले शिबू सोरेन परिवार के राजनीतिक वर्चस्व का अंत संभव दिखने लगा है।

झारखंड राज्य बनने के 24 साल बाद पहली बार इस परिवार के वर्चस्व पर संकट मंडरा रहा है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अपने आप को समेट लिया है और जिस बेटे के हाथ में उन्होंने कमान सौंपी थी, वह अभी जेल में है। इसके कारण परिवार में भी सब अपना अपना विकल्प तलाश रहे हैं।

बड़ी बहू और विधायक सीता सोरेन को भाजपा ने परिवार की पारंपरिक दुमका लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतार दिया है। जबकि छोटी बहू कल्पना सोरेन गांडेय विधानसभा सीट से झामुमो के टिकट पर ही मैदान में है। गिरिडीह की गांडेय विधानसभा सीट पर उपचुनाव में स्थानीय बनाम बाहरी बड़ा मुद्दा बन गया है। कल्पना सोरेन पहली बार यहां से चुनावी मैदान में उतरी हैं। यहां से उनकी जीत या हार ही तय करेगी कि प्रदेश की राजनीति में हेमंत सोरेन बचे रह पाते हैं या नहीं।

भावी मुख्यमंत्री की चाह रखने वाली कल्पना सोरेन के खिलाफ भाजपा ने स्थानीय समर्थन वाले नेता दिलीप वर्मा को उतार रखा है। जबकि 25 फीसदी अल्पसंख्यक आबादी वाले इस सीट को विधायक सरफराज अहमद से इस्तीफे दिलवा कर बड़ी उम्मीद के साथ खाली कराया गया है। बीते साल के आखिरी दिन विधायकी से इस्तीफा देने वाले सरफराज अहमद अब राजनीतिक सौदे के तहत झामुमो के राज्यसभा सदस्य हो गए हैं।

प्रदेश विधानसभा की अनारक्षित इस सीट पर पहली बार कोई बड़ा आदिवासी नेता गंभीरता के साथ अपना भाग्य आजमा रहा है। जनजाति समाज से आने वाली कल्पना सोरेन मूलत: पड़ोसी राज्य ओडिशा से हैं। लिहाजा झारखंड में जनजातियों के लिए आरक्षित सीट पर उनकी दावेदारी नहीं बनती है। राजनीति में बने रहने के लिए आगे भी उनको गैर अनारक्षित सीट से ही चुनाव लड़ना होगा।

भाजपा ने 2019 में प्रदेश कांग्रेस से एकमात्र लोकसभा चुनाव जीतने वाली गीता कोड़ा को दलबदल करा चाईबासा से अपना उम्मीदवार बनाया है। गीता कोड़ा भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर बहुचर्चित मुख्यमंत्री रहे मधु कोड़ा की पत्नी और राजनीतिक वारिस हैं।

इस उलटफेर से सकते में आए इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर मचा घमासान टलने का नाम नहीं ले रहा। झामुमो ने चाइबासा सीट पर कांग्रेस की दावेदारी को दरकिनार कर इलाके की पुरानी नेता जोबा मांझी को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। इसी तरह झामुमो की पारंपरिक सीट राजमहल से हेमंत सोरेन को लोकसभा पहुंचाने का इरादा छोड़ देना पड़ा।

पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन 31 जनवरी से जेल में हैं। तब से उनको एक नहीं दो मोर्चों पर भीषण लड़ाई करनी पड़ रही है। एक मोर्चे पर उनके सामने जाना पहचाना प्रतिद्वंदी भाजपा है। हेमंत ने शुरुआती राजनीतिक सफर भाजपा के सहयोग से ही तय किया है।

2009 में पहली बार विधायक होने के साथ ही मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में उन्होंने उप मुख्यमंत्री बनकर विशद राजनीतिक अनुभव लिया। फिर परिपक्व होते ही उन्होंने एनडीए विरोधी राजनीति की राह थाम ली। उस पर चलकर न सिर्फ मुख्यमंत्री होने के सपने को साकार किया, बल्कि परिवार में पिता शिबू सोरेन के वास्तविक राजनीतिक वारिस होने की झलक पेश करने में सफल रहे। इसमें कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल उनका सहारा बनी रही।

कहते हैं कि बाहर से ज्यादा मुश्किल घर के अंदर की लड़ाई होती है, तो पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का दूसरा मोर्चा परिवार के अंदर विरासत को लेकर जारी लड़ाई है। इसमें उनकी आधी जीत तो भाजपा ने मौजूदा चुनाव में उनकी भाभी और झामुमो की विधायक सीता सोरेन को दुमका लोकसभा से उम्मीदवार बनाकर कर दी है।

इससे शिबू सोरेन परिवार के अंदर सीता सोरेन के वर्चस्व की उम्मीद स्वत: खत्म हो गई है जबकि विधायक भाई बसंत सोरेन की पिता शिबू सोरेन की राजनीतिक विरासत पर दावेदारी में हिस्सेदारी की नौबत अब भी बनी हुई है। 4 जून को लोकसभा चुनाव परिणाम के साथ गांडेय उपचुनाव के नतीजे भी आने हैं। अगर उसमें जीत हासिल कर हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन राजनीति में स्थापित हो जाती हैं तो विरासत की लड़ाई फिलहाल थम जाएगी।

सबको पता है कि मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद से तात्कालिक व्यवस्था के तौर पर हेमंत सोरेन ने झामुमो के बुजुर्ग नेता चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री बना रखा है। उनका असली मकसद चार जून के बाद कल्पना सोरेन के सिर मुख्यमंत्री का ताज सजाना है। क्योंकि एक के बाद एक भ्रष्टाचार के अनेक मामलों की जांच में फंसे हेमंत का निकट भविष्य में बाहर आना मुश्किल लग रहा है।

भ्रष्टाचार में फंसे झामुमो नेता हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा देने के फ़ैसले पर पार्टी के अंदर सवाल उठ रहे हैं। पार्टी के भीतर नेताओं का कहना है कि उस हड़बड़ी से बचा जा सकता था। खासकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिस तरह जेल में रहकर ही सरकार चलाने की मिसाल बना रहे हैं। वह मंहगी वकील व्यवस्था से घिरे झामुमो को भी करना चाहिए था।

हेमंत समर्थक धड़ा यह भी मानता है कि जेल जाने से पहले इस्तीफा के साथ ही हेमंत सोरेन अगर अपने सामने कल्पना सोरेन को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलवा गए होते तो झामुमो के लिए मौजूदा संकट कम होता। भविष्य की राजनीति में वह आसानी से बने रहते, अगर वह भी राजद प्रमुख लालू प्रसाद के 1997 में राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाने जैसा फैसला कर गए होते।

लेकिन हेमंत सोरेन ऐसा कुछ नहीं कर पाये। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के केस में वो जेल में हैं और बाहर उनके पार्टी की कलह सतह पर है। इसका सीधा लाभ भाजपा को मिलता दिख रहा है। यह भी संभव है कि इस बार भाजपा प्रदेश की सभी 14 लोकसभा सीटों पर अपना परचम फहरा दे। फिलहाल सोरेन परिवार राज्य की सरकार बचाने और चलाने की जुगत भिड़ाने में लगा हुआ है।

आज का इतिहास

1930 जर्मनी और ऑस्ट्रिया ने एक व्यापारिक समझौते पर हस्ताक्षर किया।
1945 अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट का देहान्त।
1945 अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट की कार्यालय में मृत्यु, उप राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन राष्ट्रपति बने।
1945 एथिशन की लड़ाई मित्र राष्ट्रों की जीत पर समाप्त हुई
1961 एबोस्ट वोस्तोक 3न्न-3, सोवियत कॉस्मोनॉट यूरी गगारिन बाहरी अंतरिक्ष में प्रवेश करने वाले पहले व्यक्ति बन गए, जिन्होंने 108 मिनट के समय में एक कक्षा पूरी की।
1961 सोवियत संघ ने पहले मनुष्य यूरी गैगरीन को अंतरिक्ष में भेजा।
1967 लॉस एंजेल्स में अमारन्सन रंगमंच खोला गया।
1968 अमेरिकी सेना द्वारा एक तंत्रिका एजेंट को छिड़कने के परिणामस्वरूप यूटा में डगवे प्रोविंगगैंग के पास खेत पर छह हजार भेड़ें मार दी गईं।
1980 टेरी फॉक्स ने सेंट जॉन, न्यूफाउंडलैंड और लेब्राडोर में अटलांटिक महासागर में अपने कृत्रिम पैर को डुबो दिया, और कैंसर अनुसंधान के लिए कनाडा भर में धन जुटाने के लिए ब्रिटिश कोलंबिया के वैंकूवर में प्रशांत महासागर की ओर अपना मैराथन ऑफ होप चलाने लगे।
1992 स्ट्रीटकार नामांकित इच्छा 1979 में 137 प्रदर्शनों के लिए एथेल बैरीमोर न्यूयॉर्क शहर में खुलती है।
1992 डिज़नीलैंड पेरिस, यूरोप का पहला वॉल्ट डिज़नी पार्क, मार्ने-ला-वली के पेरिस उपनगर में खोला गया।
1994 पति और पत्नी के कानून के साथी लारेंस कैंटर और मार्था साइगेलपोस्ट ने पहले बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक यूज़नेट स्पैम को जन्म दिया।
1998 गिरिजा प्रसाद कोइराला नेपाल के नये प्रधानमंत्री नियुक्त।
2003 हंगरी ने एक जनमत संग्रह में यूरोपीय संघ में शामिल होने की मंजूरी दी।
2007 इराक की इमारत के प्रतिनिधि परिषद की कैंटीन पर एक आत्मघाती हमलावर ने हमला किया, जिसमें एक संसद सदस्य की मौत हो गई और 23 अन्य लोग घायल हो गए।
2009 जिम्बाब्वे ने अपनी आधिकारिक मुद्रा 'जिम्बाब्वे डॉलर' का त्याग किया।
2010 हंगरी के संसदीय चुनाव में 28 क्षेत्रीय सीटों पर वामपंथी हंगेरियन सोशलिस्ट पार्टी, और 26 क्षेत्रीय सीटों पर एक बेहतर हंगरी के लिए दूर-दराज़ आंदोलन का परिणाम है।

कच्चाथिवू क्या सिर्फ चुनावी मुद्दा बनकर रह जाएगा?

अजय सेतिया

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस आरोप को पूरी तरह नकार दिया है कि इंदिरा गांधी ने भारत और श्रीलंका के मध्य स्थित कच्चाथिवू द्वीप 1974 में श्रीलंका को गिफ्ट कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ में चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए इस मुद्दे को उठाया था, उसके बाद वह हर चुनावी रैली में इस मुद्दे को उठा रहे हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने भी भाजपा के मंच से प्रेस कांफ्रेंस करके प्रधानमंत्री मोदी के आरोप की पुष्टि की है। कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी से प्रेस कांफ्रेंस करवा कर दो मकसद साधे हैं। एक तो उन अटकलों पर रोक लगा दी है कि वह भाजपा ज्वाईन करके आनंदपुर साहिब के बजाए चंडीगढ़ से चुनाव लड़ना चाहते हैं, दूसरे उन्होंने मोदी के आरोप का किसी भी अन्य कांग्रेस नेता के मुकाबले बेहतर ढंग से खंडन किया।

उन्होंने कहा कि जिस प्रधानमंत्री ने दक्षिण एशिया का नक्शा बदल कर बांग्लादेश नाम का अलग राष्ट्र बना दिया, क्या वह भारत की जमीन का एक भी ईंच किसी अन्य देश को दे सकती थी। अलबत्ता उन्होंने मोदी सरकार के समय चीन की तरफ से भारत के भूभाग पर कब्जा करने और बांग्लादेश को जमीन के आदान प्रदान में दस गुना जमीन बांग्लादेश को देने जैसे कुछ टेढ़े सवाल भी उठाए। आरोप और खंडन के बीच कच्चाथिवू का इतिहास कुछ और कहता है। रामेश्वरम शिलालेख के अनुसार 1187 से 1196 तक श्रीलंका के राजा निस्संका मल्ला थे, उन्होंने श्रीलंका अधिकार क्षेत्र वाले टापूओं का भ्रमण किया था। श्रीलंका के इर्दगिर्द कच्चाथिवू जैसे कुल 11 टापू हैं, इनमें कच्चाथिवू भारत की तरफ आखिर में है।

एतिहासिक तथ्य यह है कि मध्यकाल तक कच्चाथिवू श्रीलंका के अधीन ही था। लेकिन सत्रहवीं सदी में भारत के मदुरै जिले की रामनाथपुरम सब डिविजन की राजशाही के अधीन हो गया था। 1870 में रामनाथपुरम के राजा (जमीन) ने डच कंपनी को कच्चाथिवू टापू पांच साल की लीज पर दिया था, जिसे 1890 तक बढाया जाता रहा। ब्रिटिश राज के समय कच्चाथिवू मद्रास प्रेसीडेंसी के अंतर्गत था। 1920 में जब ब्रिटिश नौसेना ने इस निर्जन टापू का प्रेक्टिस के रूप में इस्तेमाल करना शुरू किया, तब टापू पर नियन्त्रण का विवाद शुरू हुआ। भारत की ब्रिटिश सरकार का मत था कि क्योंकि इस टापू पर रामनाथपुरम के राजा का अधिकार था इसलिए इस पर भारत की ब्रिटिश सरकार का अधिकार है। एक समृद्ध भारतीय ईसाई मछुआरे श्रीनिवास पडईयाछी ने बीसवीं सदी की शुरुआत में ही कच्चाथिवू द्वीप में एक चर्च बनवा दिया था। लेकिन श्रीलंका ने कहा कि कच्चाथिवू पर बना सेंट एंटनी चर्च श्रीलंका की राजधानी जाफना के चर्च के अंतर्गत आता है, इसलिए कच्चाथिवू पर उसका अधिकार है। 1921 में भारत की ब्रिटिश सरकार और श्रीलंका सरकार ने एक समझौते में कच्चाथिवू को श्रीलंका का हिस्सा मान लिया। गलती वहीं से शुरू हुई।

आज़ादी के बाद तमिलनाडु में कच्चाथिवू की मल्कियत पर सवाल उठाया गया, लेकिन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने उस मांग को नजरअंदाज कर दिया। जबकि भारतीय मछुआरों के लिए यह टापू बहुत ही महत्वपूर्ण था। रामेश्वरम के मछुआरे वहां तक मछलियाँ पकड़ने जाते थे, और मछलियाँ पकड़ने के जाल सुखाने के लिए इस टापू का इस्तेमाल करते थे।

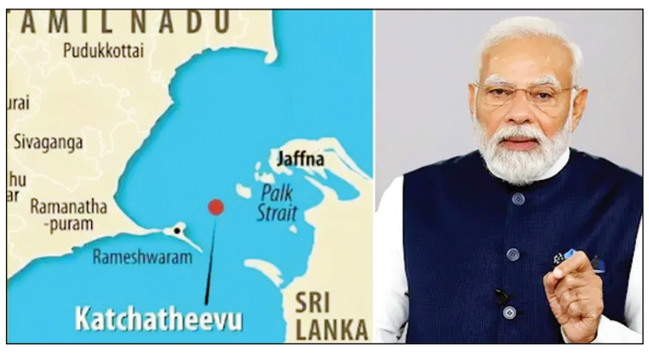

लेकिन कच्चाथिवू पर मल्कियत का दावा दोनों तरफ से होता रहा। 1974 में इंदिरा गांधी ने तमिलनाडु की तरफ से कड़े विरोध के बीच समुद्री सीमांकन के द्विपक्षीय समझौते में कच्चाथिवू पर श्रीलंका का अधिकार स्वीकार कर लिया। यह समझौता रामसेतु और पाक स्ट्रेट के मध्य की समुद्री सीमा का सीमांकन करने के लिए हुआ था। इसमें यह भी सहमति थी कि दोनों देशों के ईसाई अपने त्योहारों के मौके पर बिना पासपोर्ट और वीजा वहां जा सकेंगे। श्रीलंका और रामेश्वरम के ईसाई ईस्टर आदि त्योहारों के मौके पर वहां जाते हैं। 1974 के समझौते में यह भी था कि कच्चाथिवू के इर्दगिर्द दोनों देशों के मछुआरे मछलियाँ पकड़ने जा सकेंगे और अपना जाल सुखाने के लिए टापू का इस्तेमाल कर सकते हैं।

1976 में भारत और श्रीलंका में बंगाल की खाड़ी और मन्नार की खाड़ी की समुद्री सीमा के सीमांकन का एक और समझौता हुआ। इस नए समझौते के मुताबिक़ दोनों देशों के मछुआरे एक दूसरे के क्षेत्र में मछलियाँ पकड़ने नहीं जाएंगे। इसके बाद समुद्री सीमा के सीमांकन का श्रीलंका, भारत और मालदीव में त्रिपक्षीय समझौता भी हुआ था। 1976 का समझौता भारतीय मछुआरों के हितों के खिलाफ था, जिसे श्रीलंका की नौसेना ने श्रीलंका के आंतरिक विद्रोह के समय कच्चाथिवू पर भी लागू कर दिया। भारत की संसद में इन समझौतों को रखा जरूर गया था, लेकिन संसद से इन समझौतों की पुष्टि नहीं करवाई गई थी। उस समय के विदेश मंत्री स्वर्ण सिंह ने जब संसद में समझौते की जानकारी दी थी, तो द्रमुक सांसद इरा सेंझियन और फारवर्ड ब्लाक के सांसद मुकैया थेवर ने समझौते को असंवैधानिक करार देते हुए समझौते का विरोध किया था।

संसद से समझौते की पुष्टि नहीं करवाई गई थी इसलिए कच्चाथिवू की मल्कियत श्रीलंका के हवाले किए जाने की वैधता को सुप्रीमकोर्ट में चुनौती दी गई थी। तमिलनाडु के सीमान्त रामेश्वरम के मछुआरों के लिए यह टापू बहुत ही महत्वपूर्ण है। उस क्षेत्र में जाते ही श्रीलंका की नौसेना भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लेती है, इसलिए टापू को दुबारा हासिल करने के लिए तमिलनाडु में कई बार आन्दोलन हो चुके हैं। लोकसभा और विधानसभा के हर चुनाव में कच्चाथिवू मुद्दा बनता रहा है। जयललिता ने 2011 के विधानसभा चुनाव में इसे बड़ा मुद्दा बनाकर करुणानिधि सरकार को हरा दिया था। मुख्यमंत्री बनते ही जयललिता ने 1974 और 1976 के समझौतों को असंवैधानिक ठहराते हुए उन्हें रद्द करवाने के लिए सुप्रीमकोर्ट में एक नई याचिका दाखिल की थी। सुप्रीमकोर्ट ने बेरुबारी केस में फैसला दिया हुआ था कि किसी भी देश के साथ हुए समझौते की संविधान संशोधन के अंतर्गत संसद से पुष्टि करवाई जानी चाहिए।

कच्चातीवू द्वीप विवाद से क्या खराब होंगे भारत-श्रीलंका संबंध? श्रीलंका के मंत्रियों के बयान, चीन के लिए मौका?कच्चातीवू द्वीप विवाद से क्या खराब होंगे भारत-श्रीलंका संबंध? श्रीलंका के मंत्रियों के बयान, चीन के लिए मौका? अगस्त 2013 में मनमोहन सिंह सरकार ने सुप्रीमकोर्ट में एक हल्फिया बयान दिया जिसमें सरकार की तरफ से कहा गया था कि कच्चाथिवू ब्रिटिश भारत और श्रीलंका में विवादास्पद था क्योंकि समुद्री सीमाओं का सीमांकन नहीं हुआ था। मनमोहन सरकार ने हल्फिया बयान में यह भी कहा कि भारत का कोई क्षेत्र किसी को नहीं दिया गया है। क्योंकि दोनों देशों की समुद्री सीमाओं का सीमांकन नहीं हुआ था इसलिए क्षेत्र विवादास्पद था। कोई क्षेत्र हस्तांतरित नहीं किया गया है, इसलिए संविधान संशोधन की जरूरत नहीं है।

मौजूदा मुख्यमंत्री स्टालिन के पिता और द्रमुक के प्रमुख करुणानिधी ने केंद्र की मनमोहन सरकार के इस हल्फिया बयान की कड़े शब्दों में निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि सब रजिस्ट्रार के दफ्तर में मौजूद दस्तावेज इस बात की पुष्टि करते हैं कि आज़ादी के समय कच्चाथिवू द्वीप भारत का हिस्सा था। करुणानिधी ने अटल बिहारी वाजपेयी के एक बयान का हवाला दिया था, जिसमें वाजपेयी ने कथित तौर पर कहा था कि सोहार्दपूर्ण संबंधों के लिए भारत ने श्रीलंका के साथ गोपनीय समझौता किया था। तमिलनाडु में तो हर चुनाव में यह मुद्दा बनता रहा है, लेकिन यह पहला मौक़ा है जब किसी राष्ट्रीय दल ने कच्चाथिवू को चुनावी मुद्दा बनाकर पिछली केंद्र सरकारों को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

इंडिया आउट कैंपेन के बीच क्या मालदीव बन रहा है बांग्लादेश?

अभिनय आकाश

भारत को लेकर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने भारत का बचाव करते हुए कहा है कि विरोध करने वाले अपनी पत्नियों की साड़ियां जला दें। शेख हसीना के इस बयान ने भारत और बांग्लादेश में हलचल पैदा कर दी है। दरअसल, चीन और अमेरिका दोनों ही बांग्लादेश में अपना प्रभाव जमाना चाहते हैं। शेख हसीना पहले ही बोल चुकी हैं कि अमेरिका, बांग्लादेश में तख्तापलट करवाना चाहता है और भारत विरोधी खालिदा जिया को प्रधानमंत्री बनवाना चाहता है। हैरानी की बात ये है कि चीन भी लगभग वही चाहता है जो अमेरिका की साजिश है। लेकिन अमेरिका और चीन की साजिश पर पानी उस वक्त फिर गया जब एक महीने पहले शेख हसीना फिर चुनाव जीत गईं। बांग्लादेश की विपक्षी पार्टियों को चीन और अमेरिका दोनों का समर्थन था। लेकिन शेख हसीना की जीत के डर से विपक्षी पार्टियों ने चुनाव का ही बहिष्कार कर दिया। अब बांग्लादेश की विपक्षी पार्टियों ने अपनी बौखलाहट को मिटाने के लिए मालदीव की नकल शुरू कर दी और बांग्लादेश में इंडिया आउट का कैंपेन चलाना शुरू कर दिया। भारतीय चीजों का बहिष्कार करने की चेतावनी दे दी। बांग्लादेश के विपक्षी दल ने कहा है कि भारत से आने वाली साड़ियों का भी बहिष्कार किया जाए। बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी के एक नेता राहुल कबीर रिजवी ने अपनी कश्मीरी शॉल को फेंक दिया। जिसके बाद बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना भड़क गईं। शेख हसीना ने कहा कि जब विपक्षी दल के नेता अपने दफ्तरों के बाहर अपनी पत्नियों के पास मौजूद भारतीय साड़ियों को जलाएंगे तभी ये साबित हो पाएगा कि विपक्षी दल सच में भारतीय प्रोडक्ट का बहिष्कार करना चाहते हैं। बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है और भारत एशिया में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। भारत एशिया में बांग्लादेश का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत को लगभग 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर का बांग्लादेशी निर्यात होगा। वित्त वर्ष 2022-23 में कुल द्विपक्षीय व्यापार 15.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर बताया गया है। भारत के प्रमुख निर्यातों में मसाले, कपास, अनाज, आसवन उत्पाद, प्लास्टिक, चीनी और चीनी कन्फेक्शनरी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कॉफी, चाय, मेट, लोहे या स्टील के लेख और अन्य शामिल हैं। बदले में भारत को बांग्लादेश से अच्छी गुणवत्ता वाला कपड़ा मिलता है। इस साल की शुरुआत में फरवरी में ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय कुमार वर्मा ने कहा था कि भारत एशिया में बांग्लादेश का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग की वास्तविक क्षमता को उजागर करने में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, वर्मा ने रेखांकित किया कि बेहतर कनेक्टिविटी लिंक और भारतीय रुपये में व्यापार जैसे नए उपाय भारत में बांग्लादेशी निर्यात को और बढ़ाएंगे। यह उल्लेखनीय है कि भारत और बांग्लादेश इतिहास, भाषा, संस्कृति और कई अन्य समानताओं के बंधन साझा करते हैं। इसके अलावा, ढाका अपनी अन्य जरूरतों के लिए भारत पर काफी निर्भर है।

हत्याओं के लिए खुद जिम्मेदार है पाकिस्तान

राजेश बादल

पाकिस्तान के पंजाब प्रदेश की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने यह कहकर सियासी हलचल पैदा कर दी है कि उनके मुल्क में चीनी नागरिकों की सुरक्षा नहीं हो पा रही है तो उसके लिए चीन के लोग ही जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान में तैनात चीनी नागरिक कोई सुरक्षा प्रोटोकॉल नहीं मानते। टोकने पर गुस्सा करते हैं और उनकी हिफाजत में लगे अधिकारियों तथा कर्मचारियों का अपमान करते हैं। मरियम की नाराजगी अपनी जगह जायज हो सकती है, क्योंकि 25 मार्च को खैबर में पांच चीनी इंजीनियरों की आत्मघाती हमले में मौत हो गई थी और अगले दिन ही विस्फोटकों से भरे एक वाहन ने चीनी नागरिकों की एक गाड़ी को टक्कर मार दी थी। इसके बाद चीन भड़का और घबराए प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ चीनी राजदूत को सफाई देने उनके कार्यालय जा पहुंचे थे।

यह हाल तो तब है, जब दस साल से वहां चीनी नागरिकों की रक्षा के लिए चार हजार से अधिक फौजियों की स्पेशल सुरक्षा यूनिट काम कर रही है। यह यूनिट लगभग साढ़े सात हजार चीनियों की सुरक्षा का काम कर रही है। हमले फिर भी नहीं रुक रहे हैं। बात यहीं समाप्त नहीं होती। अफगानिस्तान शिकायत कर चुका है कि उसके नागरिक पाकिस्तान में सुरक्षित नहीं हैं। पाकिस्तान अफगानियों को जबरन वापस भेज रहा है। तालिबान सरकार ने तो बीते दिनों स्पष्ट कहा था कि पाकिस्तान अपने सुरक्षा तंत्र की नाकामी के लिए खुद ही जिम्मेदार है। उसे अफगानिस्तान को दोष देने का कोई अधिकार नहीं है।

दोनों देशों के संबंध अब तक के सबसे खराब दौर में हैं और वे एक-दूसरे पर मिसाइलों से हमले कर रहे हैं। इसी तरह ईरान भी कमोबेश यही बात कह रहा है। बलूचिस्तान में ईरानियों पर हमले हुए हैं। ईरान और पाकिस्तान उस इलाके में एक दूसरे पर मिसाइलों से हमले कर चुके हैं। लेकिन हालात में सुधार नहीं आया है। सवाल यह है कि पाकिस्तान दुनिया भर में अपनी गिरती साख की रक्षा कैसे करे, क्योंकि पाकिस्तान अपने देश में परदेसी नागरिकों की ही नहीं, अपने मुल्क के बाशिंदों की रक्षा भी नहीं कर पा रहा है। यह सवाल

अब वहां के आम नागरिकों को परेशान कर रहा है कि बलूचिस्तान में मतदाता सुरक्षित नहीं हैं।

पंजाब में लोग सुरक्षित नहीं हैं। सिंध के निवासी मारे जा रहे हैं। अफगानिस्तान सीमा से सटे इलाके में लोग अपने को सुरक्षित नहीं मानते और पाक अधिकृत कश्मीर में भी लोग भयभीत हैं तो फिर इस पड़ोसी राष्ट्र में कौन सुरक्षित है? स्थानीय नागरिकों की स्थिति घर की मुर्गी दाल बराबर जैसी है। मगर चीन तो आज पाकिस्तान का सबसे बड़ा रहनुमा है। यदि उसके नागरिकों को पाकिस्तान की पुलिस और सेना सुरक्षा नहीं दे पा रही है तो उसके लिए कोई दूसरा देश कैसे जिम्मेदार हो सकता है। सबूत के तौर पर यही जानकारी काफी होगी कि जब स्थानीय पुलिस ने चीनी इंजीनियरों की गाड़ी पर आत्मघाती हमलों की रिपोर्ट सरकार को भेजी तो उसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि चीनी इंजीनियरों का वाहन न तो बम प्रूफ था और न ही बुलेट प्रूफ। यही नहीं, पाकिस्तानी रक्षा एजेंसियों ने सुरक्षा संबंधी निर्देशों का भी पालन नहीं किया था।

विडंबना यह है कि किरकिरी से बचने के लिए पाकिस्तान ने अपनी खीझ का ठीकरा भारत के सिर फोड़ना शुरू कर दिया है। बीते दिनों वहां पनाह लिए बैठे करीब 20 मोस्ट वांटेड अपराधियों की हत्या कर दी गई। अब पाकिस्तान कहता है कि उसके अपने नागरिकों की हत्या के पीछे हिंदुस्तान का हाथ है। पाक सरकार का कहना है कि भारत सरकार रॉ के जरिये पाकिस्तान में उसके निशाने पर मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों की हत्याएं करवा रही है। उसने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के एक बयान को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया है। राजनाथ सिंह ने कहा था कि भारत में यदि आतंकवादी हरकतें नहीं रुकीं तो भारत भी अपनी रक्षा में पाकिस्तान के भीतर जाकर आतंकवादियों को मारने में कोई संकोच नहीं करेगा। याद रखना होगा कि राजनाथ सिंह ने ब्रिटेन के अख़बार द गार्जियन में प्रकाशित एक समाचार पर टिप्पणी की थी। इस समाचार में कहा गया था कि विदेशी धरती में रह कर भारत में खून-खूराबा करने वाले आतंकवादियों के सफाए के लिए भारत सरकार ने नई नीति बनाई है, इसका क्रियान्वयन रॉ करता है, जिसको भारत के प्रधानमंत्री कार्यालय से निर्देश मिलते हैं।

इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पाकिस्तान की सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय स्लीपर सेल गरीब पाकिस्तानियों को लाखों रुपए देते हैं और हत्याएं कराते हैं। इसके बाद पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन ने भी इसी तरह की खबरें प्रकाशित कीं। डॉन ने अपने एक संपादकीय में लिखा कि भारत ने कश्मीर में सक्रिय अलगाववादियों को मारने की नीति को अंजाम देना शुरू किया है।

यहां निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि भारतीय स्लीपर सेल पर आरोप लगाने से पहले पाकिस्तान को अपने भीतर झांककर देखना चाहिए। असल स्लीपर सेल तो पाकिस्तान के भीतर ही है, जो देश के भीतर लोकतंत्र की हत्या कराता है। वह स्लीपर सेल जो ओसामा बिन लादेन को देश में पालकर रखता है। क्या ऐसे देश को किसी अन्य देश पर आरोप लगाने का कोई नैतिक अधिकार है? जब अमेरिका ने ओसामा को मारा तब पाकिस्तान की हुकूमत ही स्लीपर सेल थी। पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को जिस ढंग से फांसी दी गई, वह कौन सा स्लीपर सेल था ? एक और पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो को जिस तरह से मारा गया,उसके लिए जिम्मेदार तो पाकिस्तान का स्लीपर सेल ही था।

एक और प्रधानमंत्री पद के दावेदार शेख मुजीबुर्रहमान को जेल में सड़ा दिया गया और बाद में इस कारण देश के ही दो टुकड़े हो गए, उसके लिए स्लीपर सेल कहां से आया था? इमरान खान इन दिनों जेल में हैं, उसके लिए कौन स्लीपर सेल दोषी है? जाहिर है कि पाकिस्तान के घर में ही स्लीपर सेल छिपे हुए हैं। वे लोकतंत्र के असली दुश्मन हैं।

नेहरू ने क्यों ठुकरा दिया ओमान के सुल्तान का प्रस्ताव?

1974 में इंदिरा गांधी की सरकार ने जिस कच्चातीवु द्वीप को श्रीलंका को दे दिया था। वो इस लोकसभा चुनाव के दौरान मुद्दा बन गया है। बीजेपी और कांग्रेस एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। लेकिन आज हम बात कच्चातीवु द्वीप की नहीं करेंगे क्योंकि इस पर हमने पहले ही एमआरआई का एक विस्तृत स्कैन किया हुआ है। आज बात पाकिस्तान के बंदरगाह शहर ग्वादर की कहानी बताएंगे कि ये कैसे भारत को मिलने वाला था। ओमान 1950 के दशक में ओमान ने इसे भारत को बेचने की पेशकश की। लेकिन तब पंडित नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। उस वक्त ग्वादर मछुआरों और व्यापारियों का एक छोटा सा शहर हुआ करता था। हथौड़े के आकार वाला मछली पकड़ने वाला गांव आज पाकिस्तान का तीसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है। चीन की मदद से यहां न सिर्फ विकास को रफ्तार मिल रही है बल्कि ये रणनीतिक रूप से भी बेहद अहम हो गया है। अगर भारत गलती न करता तो आज ग्वादर पोर्ट भारत का हिस्सा होता।

ओमान के सुल्तान ने ग्वादर को भारत को बेचने की पेशकश की थी। यदि यह सौदा किया जाता, तो दक्षिण एशियाई भू-राजनीतिक गतिशीलता और इतिहास को बदल सकता था। जवाहरलाल नेहरू ने इसे ठुकरा दिया और 1958 में ओमान ने ग्वादर को 3 मिलियन पाउंड में पाकिस्तान को बेच दिया। यह प्रस्ताव संभवत: मौखिक रूप से दिया गया था। राष्ट्रीय अभिलेखागार के पास ग्वादर विवाद पर दस्तावेज़ और कुछ समाचार पत्रों के लेख हैं, लेकिन भारतीय अधिकारियों के विचारों को संशोधित किया गया है। दरअसल, भारत का जैन समुदाय ओमान से ग्वादर खरीदने में दिलचस्पी रखता था। ब्रिटिश सरकार द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों से पता चलता है कि भारत में जैन समुदाय ने भी ग्वादर को खरीदने की पेशकश की थी। अज़हर अहमद ने अपने पेपर ग्वादर: ए हिस्टोरिकल कैलिडोस्कोप में लिखा है जैन समुदाय के पास बहुत संपत्ति थी और वे अच्छी कीमत दे सकते थे। 1958 में, यह जानने के बाद कि भारतीय भी ग्वादर को खरीदने की कोशिश कर रहे थे, पाकिस्तान सरकार ने अपने प्रयास तेज कर दिए और

1 अगस्त, 1958 को ब्रिटिश सरकार के साथ एक समझौता करने में सफल रही। ग्वादर को ओमान से ब्रिटिश नियंत्रण में स्थानांतरित कर दिया गया, जो बाद में पाकिस्तान में चला गया।

ओमान की खाड़ी की ओर देखने वाला रणनीतिक बंदरगाह ग्वादर ने लंबे समय से वैश्विक शक्तियों की रुचि को बढ़ाया है। पाकिस्तान लंबे समय से ग्वादर को एक गहरे पानी के बंदरगाह के रूप में विकसित करने के लिए सर्वेक्षण कर रहा था, लेकिन अंतत: यह 2008 में वास्तविकता बन सका। ग्वादर का एक रणनीतिक लिंचपिन के रूप में कायापलट चीनी बेल्ट और रोड पहल (बीआरआई) का परिणाम था। चीनी मलक्का जलडमरूमध्य को बायपास करना चाह रहे थे, जिसका उपयोग चीन अपने ऊर्जा आयात के 80% के लिए करता है। मलक्का में कमजोर चोकपॉइंट पर काबू पाने के लिए, यह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) लेकर आया। इस प्रकार, ग्वादर का क्राउन ज्वेल सीपीईसी की आधारशिला के रूप में उभरा, जिसकी रेल लाइनें और मोटरमार्ग ग्वादर से शुरू होंगे, जो पाकिस्तान से उत्तर की ओर बढ़ते हुए चीन के ज़िंगियांग में काशगर तक पहुंचेंगे। सीपीईसी का भारत ने कड़ा विरोध किया है क्योंकि यह भारतीय क्षेत्र से होकर गुजरता है जिस पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। हालाँकि, 2015 से 45.6 बिलियन की बुनियादी ढाँचा और ऊर्जा परियोजना, अधूरी परियोजनाओं और बलूचियों के विरोध के कारण खराब हो गई है। अप्रत्याशित बुनियादी ढांचे गेम चेंजर बूम (ग्वादर) ने अब तक कई बालोची आजीविका छीन ली है। बलूचिस्तान के लोग सीपीईसी को पाकिस्तान द्वारा चीन की सहायता से पाकिस्तान के सबसे गरीब प्रांत को विकसित किए बिना उसकी खनिज संपदा निकालने के एक और प्रयास के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि ग्वादर और इसकी चीनी परिसंपत्तियों पर हाल के दिनों में बलूची विद्रोहियों और अलगाववादियों द्वारा व्यापक हमले देखे गए हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तानी और चीनी संपत्तियों पर हिंसक हमलों में वृद्धि देखी गई है। ईरान में चाबहार बंदरगाह, ग्वादर के पश्चिम में 200 किमी से भी कम दूरी पर, इस क्षेत्र में चीनी उपस्थिति का मुकाबला करने के लिए भारत द्वारा विकसित किया गया था।

कहा जाता है कि भारत अगर उस वक्त ग्वादर पोर्ट को खरीद लेता तो इस वक्त पाकिस्तान का नक्शा ही अलग होता। प्रमित पाल चौधरी ने इंडिया टुडे से बात करते हुए कहा था कि अगर भारत ने ओमान से ग्वादर खरीदा होता, तो यह रक्षात्मक होता, लेकिन केवल थोड़े समय के लिए। ग्वादर का भूगोल और स्थलाकृति, हालांकि रणनीतिक है, इसकी कमज़ोरी भी है। ग्वादर एक हथौड़े के समान एक प्रांत पर टिका हुआ है, जो एक पतली इस्थमस (800 मीटर चौड़ी) द्वारा मुख्य भूमि से जुड़ा हुआ है, जो सैन्य पहुंच में बाधा डालता है। चौधरी का मानना है कि शहर को समुद्र या हवाई मार्ग से आपूर्ति करने की आवश्यकता होगी, जो उस समय भारत के लिए मुश्किल होता। हालाँकि, राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ प्रमीत पाल चौधरी का मानना है कि एन्क्लेव कश्मीर जैसे अधिक महत्वपूर्ण विवाद पर राजनयिक सौदेबाजी के साधन के रूप में अधिक उपयोगी होता। ग्वादर के ओमानी प्रस्ताव को अस्वीकार करने का निर्णय उस समय की वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया था। आज ग्वादर कच्चातीवू जैसी सूची में है, बस इसकी चर्चा ही नहीं होती।

चुनावी समर में सियासी अखाड़े का मुद्दा बना चीन

अंकित सिंह

देश में लोकसभा चुनाव को लेकर सियासत जबरदस्त तरीके से गर्म है। इन सब के बीच चीन का मुद्दा भी इस चुनाव में खूब उठ रहा है। विपक्षी दल लगातार मोदी सरकार पर देश को कमजोर करने का आरोप लगा रहे हैं। विपक्षी दलों की ओर से दावा किया जा रहा है कि चीन लगातार हमारे जमीन पर कब्जा कर रहा है लेकिन हमारी सरकार कुछ भी नहीं कर रही है। तो दूसरी ओर भाजपा नेताओं की ओर से दावा किया जा रहा है कि एक भी इंच जमीन पर कोई भी कब्जा नहीं कर सकता है। जो भी इस तरह के दुस्साहस करेगा, उसे मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा। यह मोदी की सरकार है। कमजोर सरकार नहीं है। लेकिन देखा जाए तो इस मुद्दे को लोकसभा चुनाव में भुनाने की कोशिश दोनों ओर से की जा रही है और चीन भारत में सियासत का बड़ा मुद्दा बन गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में चीन 'एक इंच' जमीन पर भी कब्जा नहीं कर सकता। उन्होंने दावा किया कि जनता कभी नहीं भूल सकती कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1962 में चीन के हमले के दौरान असम और अरुणाचल प्रदेश को 'बाय-बाय' कह दिया था। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार ने बांग्लादेश से लगती सीमा को सुरक्षित किया और घुसपैठ पर रोक लगाई। शाह ने कहा, ''चीन द्वारा 1962 में किए गए हमले के दौरान जवाहरलाल नेहरू ने असम और अरुणाचल प्रदेश को 'बाय बाय' कह दिया था। इन राज्यों की जनता कभी इसे भूल नहीं सकती। लेकिन अब, यह बदलाव हुआ है कि नरेन्द्र मोदी सरकार में चीन हमारी एक इंच भी जमीन पर कब्जा नहीं कर सकता। डोकलाम में हम मजबूती से 45 दिन तक उनके सामने डट कर खड़े रहे और उन्हें पीछे हटने पर मजबूर किया।'' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों का नाम बदलने के लिए चीन की आलोचना की और हैरानी जताते हुए पूछा कि भारत के भी ऐसा ही करने से क्या पड़ोसी देश के वे इलाके हमारे क्षेत्र का हिस्सा बन जाएंगे। रक्षा मंत्री ने कहा, हम अपने सभी पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन अगर कोई हमारे स्वाभिमान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा तो भारत मुंहतोड़ जवाब देने की क्षमता रखता है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी का कहना है कि चीन के साथ दुश्मनी हर दिन बढ़ती जा रही है। वहीं चीन हमारे देश का जो हिस्सा है उस पर कब्ज़ा करने की मांग कर रहा है। चीन लद्दाख से लेकर अरुणाचल तक हमारी सीमाओं में घुसपैठ कर रहा है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी चुप्पी साधे हुए हैं। कांग्रेस पार्टी ने घोषणापत्र में कहा है कि चीन के साथ हमारी सीमाओं पर यथास्थिति बहाल करने के लिए काम करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि वे क्षेत्र, जहां दोनों सेनाएं अतीत में गश्त करती थीं, फिर से हमारे सैनिकों के लिए पहुंच योग्य हों। कांग्रेस ने अमित शाह के बयान को लेकर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद अब शाह ने भी चीन को क्लीन चिट दे दी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा मोदी सरकार कुछ तथ्यों से इनकार कर रही है। मसलन, चीन ने भारत की 2,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है, चीन ने लद्दाख के 65 पेट्रोलिंग प्वाइंट में से 26 पर कब्जा कर लिया है और चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अंदर 50-60 किमी अंदर पूरे गांव बना लिए हैं। चीन को चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश दोनों ही तरफ से की जा रही है। विपक्षी दल केंद्र की मोदी सरकार को कमजोर करार देने की कोशिश में चीन का मामला बार-बार उठा रहे हैं। लोगों में यह संदेश पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया है लेकिन केंद्र की मोदी सरकार कुछ नहीं कर रही है। देश की सुरक्षा से खिलवाड़ किया जा रहा है। दूसरी ओर चीन को लेकर भाजपा की आक्रामकता यह बताने की कोशिश कर रही है कि हम किसी भी मसले पर पीछे हटने वाले नहीं है। चीन को उसी की भाषा में जवाब दिया जा रहा है। कुल मिलाकर देखें तो सियासी फायदे के लिए जबरदस्त तरीके से देश की सुरक्षा को भी मुद्दा बनाने की कोशिश हो रही है।

कोल्लम पर्यटन स्थल

कोल्लम केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम से लगभग 70 किमी की दूरी पर है। तटीय शहर अपने शानदार समुद्र तटों और असाधारण ऐतिहासिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। कोल्लम इस क्षेत्र में एक ऐसा महत्वपूर्ण अवकाश स्थल है; हालांकि, कई लोगों को यह तय करना मुश्किल लगता है कि कहां जाना है और वहां क्या करना है। शहर की अपनी यात्रा की योजना बनाने में आपकी मदद करने के लिए सर्वश्रेष्ठ कोल्लम पर्यटन स्थलों की एक संक्षिप्त सूची यहां दी गई है।

हालांकि कोल्लम में तापमान स्वीकार्य है, लेकिन क्षेत्र की आर्द्रता के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है। यदि आप अपने मोज़े के पसीने से बचना चाहते हैं, तो आप सर्दियों में कोल्लम की यात्रा करना चाह सकते हैं। इसलिए, कोल्लम जाने का सबसे अच्छा समय नवंबर और दिसंबर के बीच है, जब मौसम सुहावना होता है, और आप गर्म, आर्द्र हवा और भारी मानसून दोनों से बच सकते हैं।

यहां बताया गया है कि आप कोल्लम कैसे पहुंच सकते हैं-

हवाई मार्ग से- कोल्लम का निकटतम हवाई अड्डा तिरुवनंतपुरम, केरल में तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है। हवाई अड्डा कोल्लम शहर से 51 किमी की दूरी पर स्थित है जहां सड़क मार्ग से जाया जा सकता है।

ट्रेन से- कोल्लम तक ट्रेन से यात्रा करना संभवत: कोल्लम की यात्रा करने का सबसे किफायती तरीका है। कोल्लम जंक्शन देश के बाकी रेलवे सिस्टम से बहुत अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। वहां से आप मुख्य शहर के लिए टैक्सी ले सकते हैं।

सड़क मार्ग से- यदि आप सड़क मार्ग से कोल्लम पहुंचना चाहते हैं, तो आप तिरुवनंतपुरम से कोल्लम सिटी जंक्शन के लिए निजी या सरकारी बस ले सकते हैं और वहां से 70 किमी की दूरी तय कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आप निजी कैब या साझा टैक्सी के माध्यम से भी ड्राइव कर सकते हैं।

अमृतापुरी

शहर के केंद्र से लगभग 25 किमी की दूरी पर स्थित, अमृतापुरी अम्मा के विश्वव्यापी मिशन, अम्मा के प्रमुख व्यक्ति का जन्मस्थान है। ऐसा माना जाता है कि वह अपने हर एक शिष्य से व्यक्तिगत रूप से मिलती हैं। इतना ही नहीं, भवन को ही सुंदर ढंग से डिजाइन किया गया है और यह अम्मा के शिष्यों और पर्यटकों के लिए समान रूप से खुला है। ये सभी कारक अमृतपुरी को कोल्लम में घूमने के लिए अत्यधिक अनुशंसित स्थानों में से एक बनाते हैं।

महात्मा गांधी बीच और पार्क

आने वाले लोगों के बीच एक प्रसिद्ध पसंदीदा पिकनिक स्थल कोल्लम और स्थानीय लोग समान रूप से, महात्मा गांधी बीच और पार्क दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए एक बेहतरीन जगह है। आप समुद्र के किनारे सूर्यास्त देख सकते हैं और अपने पैर की उंगलियों के बीच महीन रेत की भावना का आनंद लेते हुए समुद्र तट पर टहल सकते हैं। समुद्र तट मुख्य शहर से 2 किमी की दूरी पर स्थित है जहां स्थानीय सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से यात्रा की जा सकती है।

जटायु पृथ्वी का केंद्र

कोल्लम में जटायु अर्थ के केंद्र में अनुभव करने के लिए बहुत कुछ है। रॉक-थीम वाला पार्क कोल्लम के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक बन गया है। एक 6डी थिएटर और एक अत्याधुनिक ऑडियो-विजुअल डिजिटल कमरे के साथ, पार्क में एक रिसॉर्ट है जहां आप रह सकते हैं और कोल्लम शहर के शानदार दृश्य का आनंद ले सकते हैं। पार्क मुख्य शहर से 38 किमी दूर है जिसे टैक्सी या स्थानीय परिवहन द्वारा कवर किया जा सकता है। पार्क में प्रवेश का किराया 250 रुपये प्रति व्यक्ति है और आप हर दिन सुबह 9.30 बजे से शाम 5.30 बजे के बीच पार्क में जा सकते हैं दिन।

थेवली पैलेस

त्रावणकोर के महाराजा का पूर्व निवास, थेवली महल आज कोल्लम की समृद्ध ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का प्रतीक है। महल में, आप इस क्षेत्र में अतीत के राजाओं और रानियों और उनके जीवन के बारे में आकर्षक सामान्य ज्ञान का पता लगा सकते हैं और सीख सकते हैं। यह आपको कोल्लम के लोगों के दैनिक जीवन और संस्कृति पर अधिक अंतर्दृष्टिपूर्ण नज़र डालने में मदद करता है। हालांकि कोल्लम के मुख्य शहर से लगभग 26 किमी की दूरी पर स्थित है, यदि आप स्थानीय परिवहन का उपयोग करते हैं तो आप थेवली महल तक आसानी से पहुंच सकते हैं। महल को पूरी तरह से देखने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं ताकि आप सप्ताह के किसी भी दिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच महल में जा सकें।

मायानाडी

मायानाद को कभी-कभी शहर के एकता केंद्र के रूप में जाना जाता है क्योंकि यहां, आप शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व वाले क्षेत्र के सभी तीन प्रमुख धर्मों के मंदिर और पूजा स्थल पा सकते हैं। पानी और हरे-भरे हरियाली से घिरा, मायानाड शहर की सांस्कृतिक धड़कनों की खोज में एक इत्मीनान से शाम बिताने के लिए एक अच्छी जगह है। कोल्लम पर्यटन स्थल- कोल्लम में घूमने के स्थान और करने के लिए चीजें स्रोत- विकिमीडिया कॉमन्स मुन्नार में घूमने के लिए सर्वोत्तम स्थानों की जाँच करें

पुनालुर

पुन्लुर कोल्लम से 30 किमी की दूरी पर स्थित है। आप सड़क मार्ग से बस या निजी टैक्सी से पुनालुर पहुँच सकते हैं। शहर का नाम उपयुक्त रूप से रखा गया है क्योंकि कल्लादा नदी शहर के केंद्र से होकर बहती है। पुनालुर में केरल का सबसे पुराना निलंबन पुल भी है, जो वापस डेटिंग करता है भारत में ब्रिटिश शासन का समय। यह शहर अपने जैव-भंडार के लिए भी प्रसिद्ध है जिसे अगस्त्यमलाई के नाम से जाना जाता है।

पलारुवी जलप्रपात

पलारुवी झरने में प्रकृति की गोद में एक सुकून भरी शाम बिताएं। हरी-भरी हरियाली से घिरा यहां का साफ पानी आम दिनों से भी ज्यादा खूबसूरत नजर आता है। लुभावने प्राकृतिक जलप्रपात आपके मन को दैनिक जीवन के केंद्र से दूर करने के लिए शांति और शांति का स्थान है। झरने स्वयं मुख्य शहर से 81 किमी की दूरी पर स्थित हैं। वयस्कों के लिए जलप्रपात में न्यूनतम प्रवेश शुल्क 25 रुपये है, जिसे आप सप्ताह के किसी भी दिन सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे के बीच देख सकते हैं। कोल्लम पर्यटन स्थल- कोल्लम में घूमने के स्थान और करने के लिए चीजें

अष्टमुडी झील

अष्टमुडी झील में, आप शांत नदी के उस पार एक शांतिपूर्ण नाव की सवारी का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा, आप थावेली भी जा सकते हैं प्लाका, जो झील के बहुत करीब है। कोल्लम की प्राकृतिक सुंदरता का पता लगाने में आपकी मदद करने के लिए नाव से झील का एक निर्देशित दौरा है। झील शहर से लगभग 11 किमी दूर स्थित है और स्थानीय परिवहन द्वारा सड़क मार्ग से यात्रा की जा सकती है। कोल्लम पर्यटन स्थल- कोल्लम में घूमने के स्थान और करने के लिए चीजें

पठानपुरम

क्षेत्र का व्यापारिक केंद्र, पठानपुरम कोल्लम की तुलना में पुनालुर के अधिक निकट है। फिर भी, यदि आप पठानपुरम की यात्रा करते हैं, तो आप कुछ पारंपरिक दक्षिण-भारतीय सामानों की खरीदारी कर सकते हैं जो आपको देश के अन्य हिस्सों में असंसाधित नहीं मिल सकते हैं। पठानपुरम और कोल्लम के बीच 150 किमी की दूरी को बस या टैक्सी के माध्यम से लगभग 3 घंटे में सड़क मार्ग द्वारा कवर किया जा सकता है।

थिरुमुल्लावरम बीच

बड़ी लहरों और यहां तक कि बड़े ताड़ के पेड़ों के साथ एक खूबसूरत समुद्र तट, थिरुमुल्लावरम बीच कुछ समय बिताने का एक शानदार तरीका है। आप बस अपना समय समुद्र तट पर टहलने या बैठने और अपने प्रियजनों के साथ समुद्र की धीरे-धीरे दुर्घटनाग्रस्त होने वाली लहरों को सुनने में बिता सकते हैं। शहर के केंद्र से 6 किमी दूर स्थित, थिरुमुल्लावरम समुद्र तट तक कार द्वारा मिनटों में पहुंचा जा सकता है।

थंगास्सेरी लाइटहाउस

थांगस्सेरी लाइटहाउस भारत पर ब्रिटिश शासन के समय में बनाया गया था और आज भी शहर के एक महत्वपूर्ण स्थल के रूप में खड़ा है। केरल में दूसरा सबसे ऊंचा लाइटहाउस होने के कारण, यह कोल्लम में घूमने के लिए सबसे लोकप्रिय स्थानों में से एक है। यद्यपि आप शहर के विभिन्न स्थानों से प्रकाशस्तंभ देख सकते हैं, यह शहर के केंद्र से 5 किमी दूर स्थित है जिसे कार द्वारा आसानी से कवर किया जा सकता है।

नवरात्रि पर करिए उत्तराखंड के 5 देवी मंदिरों के दर्शन

9 अप्रैल यानी मंगलवार से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो गया है। नवरात्रि का हिंदू धर्म में बेहद महत्व है. नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा होती है और मां को प्रसन्न करने के लिए श्रद्धालु नौ दिनों तक उपवास रखते हैं और विशेष विधि-विधान से मां की पूजा-अर्चना करते हैं. नवरात्रि के दौरान चारों तरफ भक्तिमय माहौल होता है और श्रद्धालु देश के प्रसिद्ध देवी मंदिरों में दर्शनों के लिए जाते हैं और मां से मन्नत मांगते हैं. यहां हम आपको बता रहे हैं कि नवरात्रि के दौरान आप उत्तराखंड के किन पांच देवी मंदिरों के परिवार सहित दर्शन कर सकते हैं.

नैना देवी मंदिर

नैना देवी उत्तराखंड का प्रसिद्ध मंदिर है. इसी मंदिर के कारण इस हिल स्टेशन का नाम नैनीताल पड़ा है. नैनी का अर्थ आंखें होता है. यह मंदिर प्रमुख शक्तिपीठ में शामिल है. नंदा देवी मंदिर का निर्माण चंद राजाओं द्वारा किया गया था. इस मंदिर की बेहद मान्यता है. पौराणिक मान्यता है कि इस जगह पर मां सती का एक नैन गिरा था जिस कारण यह मंदिर नैना देवी कहलाया है. मंदिर ताल से सटा हुआ है और यहां नवरात्रि में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है.

धारी देवी मंदिर

धारी देवी मंदिर उत्तराखंड के श्रीनगर से करीब 14 किलोमीटर की दूरी पर है. इस मंदिर की बेहद मान्यता है. कहा जाता है कि मंदिर में मौजूद माता की मूर्ति दिन में तीन बार अपना रूप बदलती है. मूर्ति सुबह कन्या की तरह, दोपहर में युवती और शाम को बूढ़ी महिला की तरह नजर आती है. मंदिर झील के ठीक बीचों-बीच है. ऐसा कहा जाता है कि मां धारी उत्तराखंड के चारधाम की रक्षा करती हैं.

मनसा देवी मंदिर और दूनागिरी मंदिर

इस नवरात्रि आप मनसा देवी मंदिर और दूनागिरी मंदिर के दर्शन कर सकते हैं. मनसा देवी मंदिर हरिद्वार में है. यह शक्तिपीठ है और यहां नवरात्रि में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ जुटती है. इस जगह पर मां का मस्तक गिरा था जिस कारण यह मंदिर मनसा देवी कहलाया है. दूनागिरी मंदिर अल्मोड़ा के द्वाराहाट में है. इस मंदिर की काफी मान्यता है. ऐसा कहा जाता है कि हनुमानजी संजीवनी जड़ी-बूटी वाला पर्वत द्रोणार्चल से ही ले गये थे. इस मंदिर को द्रोणागिरी मंदिर भी कहा जाता है. मंदिर में मां दूनागिरि वैष्णवी रूप में पूजी जाती हैं.

पूर्णागिरी मंदिर

पूर्णागिरी मंदिर की काफी मान्यता है. यह प्रसिद्ध सिद्धपीठ है. पूर्णागिरि मंदिर टनकपुर से लगभग 21 किलोमीटर की दूरी पर है. चैत्र की नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में भक्त यहां मां के दर्शन के लिए आते हैं. मल्लिकागिरी, कालिकागिरी और हमला चोटियों से घिरा पूर्णागिरी मंदिर के दर्शन के बाद भैरों बाबा के दर्शन जरूर किया जाता है. ऐसा माना जाता है कि इसी स्थान पर सती माता की नाभि गिरी थी. पूर्णागिरी को पुण्यगिरि के नाम से भी जाना जाता है.

भारत का 'स्कॉटलैंड' है कूर्ग

अगर आप भारत का स्कॉटलैंड देखना चाहते हैं तो कर्नाटक स्थित कूर्ग हिल स्टेशन की सैर जरूर करें. यह खूबसूरत हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों और सैलानियों के लिए स्वर्ग है. कूर्ग के मनोरम दृश्य आपका दिल जीत लेंगे. कूर्ग आने वाले सैलानी यहां की प्राकृतिक खूबसूरती को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं. यहां के जंगल, घाटियां और वातावरण पर्यटकों को भाव-विभोर कर देता है. वैसे भी कूर्ग सिर्फ हरियाली, घने जंगल, झरने और पहाड़ों के लिए ही मशहूर नहीं है बल्कि यहां के चाय के बागान भी प्रसिद्ध हैं. कूर्ग कावेरी नदी का उद्गम स्थान है और अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के कारण सैलानियों के बीच खासा लोकप्रिय है.

कूर्ग हिल स्टेशन सुगंधित मसालों और कॉफी के बागानों के लिए भी मशहूर है. यहां सैलानी झरने, किले, प्राचीन मंदर और तिब्बती बस्तियां घूम सकते हैं.

अगर आप शांति,सुकूं और प्रकृति की गोद में खुद को पाना चाहते हैं तो कूर्ग की सैर करिये. यहां सुबह की ओस से ढके जंगल, धुंध से घिरी घाटियां, दूर तक फैले कॉफी के बागान और कावेरी नदी का तट आपको भीतर से तरोताजगी से भर देगा.

कूर्ग में इन स्थलों को घूम सकते हैं आप

कूर्ग में आप ओंकारेश्वर मंदिर घूम सकते हैं. भगवान शिव को समर्पित यह मंदिर 1820 में निर्मित क्षेत्र में सबसे पुराना मंदिर है. इसके अलावा आप कूर्ग में ब्रह्मगिरी वन्यजीव अभयारण्य की सैर कर सकते हैं. यह अभयारण्य साल 1974 में स्थापित किया गया था. इस अभयारण्य में आप विभिन्न प्रकार के जीव और जंतुओं को देख सकते हैं.

कूर्ग में सैलानी पडी इग्गुथप्पा मंदिर के दर्शन कर सकते हैं. यह मंदिर ओंकारेश्वर मंदिर से ठीक दस साल पहले निर्मित हुआ था. यहां सैलानी तालकावेरी वन्यजीव अभयारण्य की सैर कर सकते हैं. कूर्ग में ही आप भांगंडेश्वर मंदिर के दर्शन कर सकते हैं.

कैसे पहुंचें कूर्ग

कूर्ग सैलानी हवाई जहाज, सड़क और रेल मार्ग के जरिए पहुंच सकते हैं. अगर आप हवाई जहाज से यहां जा रहे हैं तो आप मैंगलोर और बैंगलोर हवाई अड्डे पर उतर सकते हैं. यहां से आगे के लिए आपको टैक्सी लेनी होगी. कूर्ग का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन मैसूर है जो कूर्ग से 118 किमी. की दूरी पर स्थित है. अगर आप ट्रेन से जा रहे हैं तो मैसूर रेलवे स्टेशन उतरे और आगे की दूरी बस या टैक्सी से तय करें.

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सिक्किम चुनाव के लिए भाजपा ने जारी किया घोषणापत्र

गंगटोक। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को गंगटोक में सिक्किम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र का शीर्षक मोदी की गारंटी-विकसित भारत, विकसित सिक्किम है। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए, नड्डा ने कहा कि पिछली सरकारें अलगाव और अज्ञानता में विश्वास करती थीं। वे लोगों को अलग-थलग रखना, उनकी उपेक्षा करना और अपनी वोट बैंक की राजनीति को बढ़ाना चाहते थे। यही कांग्रेस पार्टी और अन्य पार्टियों की कार्यशैली थी। लेकिन जब पीएम मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने कहा, पूरब की ओर देखो, पूर्व की ओर काम करो, तेजी से काम करो और पहले काम करो। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी का पूर्वोत्तर के लिए एक अलग विजन रहा है। वह विजन विकास का और देश को आगे ले जाने का है।

अखिलेश यादव आज से चुनाव प्रचार शुरू करेंगे

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव आगामी लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक के संयुक्त अभियान की शुरुआत 12 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से करेंगे। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री के साथ इंडिया ब्लॉक के नेता भी होंगे चुनाव प्रचार में, पीलीभीत में 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदान होना है। बीजेपी नेता मेनका और वरुण गांधी का गढ़ मानी जाने वाली इस सीट पर समाजवादी पार्टी कभी नहीं जीत पाई है। हालाँकि, भाजपा ने वरुण को हटा दिया है और उनकी जगह जितिन प्रसाद को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सीट से मैदान में उतारा है। सपा ने इस सीट से भगवत सरन गंगवार को मैदान में उतारा है। सूत्रों ने कहा कि 12 अप्रैल को इंडिया ब्लॉक रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी शामिल हो सकते हैं। सपा पीलीभीत सहित 63 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

के कविता को ईडी के बाद अब सीबीआई ने किया गिरफ्तार

नईदिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को दिल्ली शराब नीति मामले में जेल में बंद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के कविता को गिरफ्तार कर लिया। कविता तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी हैं। वर्तमान में 23 अप्रैल तक तिहाड़ जेल में बंद हैं। उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 15 मार्च को हैदराबाद में उनके आवास से गिरफ्तार किया था। इससे पहले, कविता ने कहा कि सीबीआई ने जेल में उनका बयान दर्ज किया था और आरोप लगाया था कि यह एक राजनीतिक मामला था। उन्होंने कहा कि यह मामला पूरी तरह से बयान पर आधारित है। यह एक राजनीतिक मामला है। यह विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधने का मामला है। सीबीआई पहले ही जेल में मेरा बयान दर्ज कर चुकी है। सीबीआई अधिकारियों ने हाल ही में एक विशेष अदालत से अनुमति लेने के बाद जेल के अंदर कविता से पूछताछ की थी।

केजरीवाल के निजी सचिव को विजिलेंस विभाग ने हटाया

नईदिल्ली। जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक विभव कुमार को उनकी सेवाओं से बर्खास्त कर दिया गया है। सतर्कता विभाग के निदेशालय ने कुमार के खिलाफ एक मामले का हवाला देते हुए यह फैसला किया, जिसमें उन पर सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप लगाया गया था। एक बयान में, सतर्कता विभाग ने कहा कि विभव कुमार को आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो के निजी सचिव के पद से तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। विभाग ने कहा कि कुमार की कानूनी उलझनों की विस्तृत जांच और उनकी नियुक्ति के लिए उचित प्रक्रियाओं का पालन करने में उल्लंघन के बाद, उन्हें उनकी सेवाओं से बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया। सतर्कता निदेशालय ने बर्खास्तगी के पीछे विभव कुमार के खिलाफ दर्ज एफआईआर को कारण बताया है। एफआईआर में आगे कहा गया है कि बिभव कुमार और मामले के एक अन्य आरोपी राजीव कुमार को गिरफ्तार किए बिना, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्ष आरोप पत्र दायर किया गया था, जहां यह वर्तमान में लंबित है।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहन गुप्ता भाजपा में शामिल

नईदिल्ली। लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू हो रहा है। कांग्रेस को झटके पर झटका लग रहा है। गुजरात के पूर्व नेता और प्रवक्ता रोहन गुप्ता दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। 22 मार्च को उन्होंने पार्टी के संचार विभाग से जुड़े एक कांग्रेस नेता पर लगातार अपमान और चरित्र हनन का आरोप लगाते हुए कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और पार्टी महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में गुप्ता ने भाजपा में शामिल हो गए। कांग्रेस ने रोहन को अहमदाबाद पूर्व लोकसभा सीट से टिकट दिया था लेकिन उन्होंने अपने पिता की खराब सेहत का हवाला देते हुए अपना नाम वापस ले लिया था। इसके कुछ दिनों बाद उन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी। पिछले दिनों कांग्रेस के एक और प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने भी भाजपा का दामन थाम लिया था।

प्रधानमंत्री का कांग्रेस पर हमला, कहा- कांग्रेस के राज में गरीबों का पैसा बिचौलिया खा जाते थे

कांग्रेस विकास और विरासत की विरोधी है: मोदी

ऋषिकेश। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर पीएम मोदी गुरुवार को उत्तराखंड के दौरे पर थे। देवभूमि को नमन कर अपना संबोधन शुरू किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज मैं बाबा केदार और बदरीनाथ के चरण में हूं। डमरू बजाकर प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा केदार का आह्वान किया। यहां की पांच लोकसभा सीटों के लिए पीएम मोदी ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं उत्तराखंड आता हूं आपका आशीर्वाद मांगने के साथ ही परिवारजनों के साथ पुरानी यादें भी ताजा कर लेता हूं।

पीएम ने कहा कि कांग्रेस विकास और विरासत की विरोधी है। कांग्रेस ने प्रभु राम के अस्तित्व पर सवाल उठाए हैँ। ये कांग्रेस ही है जिसने पहले राम मंदिर का विरोध किया। अदालत में भी रुकावटें डाली। लेकिन राम मंदिर बनाने वालों ने उनके सारे गुनाह माफ करके घर जाकर निमंत्रण दिया, लेकिन उन्होंने उस अवसर का भी तिरस्कार कर दिया। हिंदू धर्म में जो शक्ति है इस कुरुती का नाश करेगी। उसे पूरा नहीं होने देंगे। कहा कि अब कांग्रेस गंगा के अस्तित्व पर सवाल उठा रही है। लेकिन जनता उन्हें सबक जरूर सिखाएगी। हम विकसित भारत के संकल्प का सपना पूरा करना है तो कमल खिलाने होंगे। बाकी काम करना मेरी गारंटी है।

पीएम ने कहा कि आज पूरे देश में गूंज है फिर एक बार मोदी सरकार। बुधवार को मैं भारत के दक्षिणी छोर पर, सागर तट पर बसे तमिलनाडु में था और वहां पर भी लोग कह रहे हैं- फिर एक बार मोदी सरकार। आज हिमालय की गोद में बाबा केदार और बद्री विशाल की चरणों में हूं और यहां भी वही गूंज है- फिर एक बार मोदी सरकार। देश की जनता ने पूर्ण बहुमत वाली सरकार का काम देखा है। आज देश में ऐसी सरकार है जिसने बीते 10 वर्ष में भारत को पहले के मुकाबले कई गुना मजबूत कर दिया है। जब-जब देश में कमजोर सरकार रही है। दुश्मनों ने फायदा उठाया है। तब भारत में आतंकवाद ने पैर पसारे थे। अब आतंकवादियों को घर में घुसकर मारा जाता है। तब सेना के पास अच्छे बूट तक नहीं होते थे। अब सेना हाईटेक तरीके से काम कर रही है। दुश्मन की गोली से बचाने के लिए पुख्ता इंतजाम नहीं था। ये भाजपा है, जिसने भारत में बनी बुलेटप्रुफ जैकेट अपने सैनिकों को दी, उनके जीवन की रक्षा की। आज आधुनिक रायफल से लेकर

लड़ाकू विमान और विमानवाहक पोत तक देश में ही बन रहे हैं।

भारत का तिरंगा युद्ध क्षेत्र में भी सुरक्षा की गारंटी बन जाता है। 7 दशक बाद जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 निरस्त किया गया। तीन तलाक के खिलाफ काननू बना। महिलाओं को लोकसभा, विधानसभा में 33 फीसदी आरक्षण मिला। सामान्य वर्ग के गरीबों को भी 10% आरक्षण मिला।

पर्यटन और चारधाम यात्रा का उत्तराखंड को विकसित करने में बड़ा योगदान है। इसलिए हम यहां रोडवेज , रेलवे, एयरवेज की लगातार सुविधा दे रहे हैं। यहां ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल लाइन पर तेजी से काम हो रहा है। दिल्ली से देहरादून की दूरी सिमट रही है। उत्तराखंड के सीमावर्ती गांव को कांग्रेस अंतिम गांव कहती थी, हमने उसे पहला गांव बनाकर विकास किया है। आदि कैलाश के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू हो गई है। चारधाम यात्रा को भी सुगम बनाने की ओर सरकार काम कर रही है। यह सब इसलिए हो रहा भाजपा की नियत सही है। जब नियत सही होती है तो नतीजे भी सही मिलते हैं। केदारनाथ में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। बीते वर्ष 55 लाख तीर्थयात्री यहां पहुंचे। मानसखंड में आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा पर भी यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। पर्यटन बढ़ने का मतलब है रोजगार का बढ़ना। उत्तराखंड में हो रहे विकास में अब पलायन की जड़ों को बीते दिनों बात बताया गया है। उत्तराखंड के नौजवानों ने स्टार्टअप शुरू किए। यहां बेटियां आगे बढ़ रही हैं।

पीएम ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार थी तो गरीबों और बेरोजगारों का पैसा बिचौलिया खा जाते थे। हमारी सरकार ने सीधे बैंकों खतों में पैसे पहुंचाए। कांग्रेस होती तो ये सब लुट जाता। हमनें इसे बंद किया इसलिए उनका गुस्सा सातवें आसमान पर है। जब मैं कहता हूं भ्रष्टाचार हटाओ, तो वो कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ। मुझे ईमानदारी से कोशिश करनी चाहिए या नहीं। उन्होंने जनता से पूछा कि अगर ये सब हटाना है तो आपका आपका आशीर्वाद मिलेगा ना। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं के लिए तो पहले दिल्ली का शाही परिवार और फिर अपना परिवार ही सब कुछ है लेकिन मोदी के लिए तो मेरा भारत ही मेरा परिवार है।

पीएम मोदी ने कहा कि मोदी सरकार ना होती तो वन रैंक वन पेंशन कभी लागू ना होता। पूर्व सैनिकों को एक लाख पूर्व सैनिकों को 100000 करोड़ रुपए से ज्यादा उनके बैंक खातों में पहुंचा दिए हैं। कांग्रेस की कमजोर सरकार सीमा पर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं बना पाई। आज सीमाओं पर सड़कें चकाचक हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गढ़वाल हो या कुमाऊं माताओं बहनों का समय लकड़िया लाने और चूल्हे पर काम करने में बीत जाता था। हमने घर घर सिलिंडर पहुंचाया। जल जीवन मिशन पर भी काम हुआ है। आज स्थिति बदल गई है। आज उत्तराखंड में दस में से नौ परिवारों के घर में नल से पानी आ रहा है। राशन और सामान के लिए भी दिक्कत नहीं। मुफ्त राशन, मुफ्त इलाज की सुविधा दी है। कहा कि धामी और उनकी सरकार इस पर बहुत मेहनत से शानदार काम कर रही है।

इस दौरान पीएम मोदी ने जनसभा में आए कार्यकर्ताओं ने सवाल किया कि मेरा एक पर्सनल काम है, आप करोगे? राम नवमी आने वाली है। गांव-गांव जाकर मेरी तरफ से देवता के आगे माथा टेककर प्रणाम करना है। हर घर जाकर बड़े बुजुर्गों को कहना मोदी जी ऋषिकेश आए थे, उन्होंने आपको राम-राम भेजा है।

हम सीएए, एनआरसी और समान नागरिक संहिता को स्वीकार नहीं करेंगे: ममता

ईद पर टीएमसी प्रमुख के दंगा वाले बयान से मचा घमासान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह राज्य में संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए), राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) और समान नागरिक संहिता लागू नहीं होने देंगी। मुख्यमंत्री ने ईद-उल-फितर के अवसर पर यहां 'रेड रोड' में एक सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि कुछ लोग चुनाव के दौरान 'दंगा कराने' की कोशिश करेंगे। साथ ही उन्होंने लोगों से 'साजिश का शिकार नहीं होने' का आग्रह किया। ईद का पर्व रमजान के महीने की समाप्ति पर मनाया जाता है।

बनर्जी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''हम संशोधित नागरिकता अधिनियम, राष्ट्रीय नागरिक पंजी और समान नागरिक संहिता को स्वीकार नहीं करेंगे। मुझे लोगों से घृणा करनी नहीं आती। मैं नफरत फैलाने वाले भाषण नहीं देती। मैं चाहती हूं कि सभी शांति और सौहार्द के साथ भाइयों की तरह रहें। अगर हम एकजुट होकर रहेंगे तो कोई हमें नुकसान नहीं पहुंचा सकता। किसी को भी इस एकता को तोड़ने नहीं दीजिएगा।'' बनर्जी ने कहा,'' जब तक मैं जिंदा हूं आपको कोई भी नुकसान नहीं पहुंचा सकता। मैं उनका मुकाबला करती रहूंगी....।''

उन्होंने कहा,''..कुछ लोग धर्म के नाम पर दंगा फैलाने की कोशिश करेंगे। आप शंति बनाए रखिएगा और हम उन्हें दंगा फैलाने में कामयाब नहीं होने देंगे।'' बनर्जी ने प्रत्यक्ष तौर पर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव नजदीक आने के साथ लोगों, मुख्य रूप से विपक्षी नेताओं को डराने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का 'इस्तेमाल' किया जा रहा है। उन्होंने कहा,'' कुछ लोग चाहते हैं कि इस चुनाव के दौरान एजेंसियों के नाम पर लोगों को डराया जाए। उनके पीछे केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो,प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग आदि को लगा दो। मैं उनसे (भाजपा) कहूंगी कि वे जेल बनाएं और सभी को सलाखों के पीछे डाल दें। लेकिन क्या आप 130 करोड़ की पूरी आबादी को जेल में डाल पाएंगे?

मैं देश के लिए रक्त बहाने को तैयार हूं, लेकिन यह अत्याचार जारी रहे, इसके लिए तैयार नहीं हूं।'' बनर्जी ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि इस समय जब चुनाव नजदीक हैं तो देश के कुछ मुसलमान नेताओं को फोन करके उन्हें लुभाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा,'' आज इस चुनाव के समय में आप कुछ मुस्लिम लोगों को चुन रहे हैं और उनसे पूछ रहे हैं कि वे क्या चाहते हैं... मैं आपको बताती हूं कि उन्हें कुछ नहीं चाहिए।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की लड़ाई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से है। तृणमूल प्रमुख ने कहा, ''हम विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के संबंध में बाद में निर्णय लेंगे। लेकिन बंगाल में इस बात का ख्याल रखिएगा कि एक भी वोट किसी दूसरी पार्टी को नहीं जाए।'' ममता बनर्जी के साथ पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी भी मौजूद थे।

भाजपा ने साधा निशाना

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि ममता बनर्जी अभी भी इस बात को समझें और देश के संविधान व देश के कानून के अनुरूप व्यवहार करें। पश्चिम बंगाल की जनता उनके इन कृत्यों से जितनी परेशान है, पश्चिम बंगाल का जो नुकसान ममता बनर्जी के कारण हो रहा है, ये ना केवल पश्चिम बंगाल के लोग बल्कि देश की जनता भी देख रही है।

खेल
प्रमुख समाचार

प्रज्ञानानंदा और विदित जीते गुकेश का ड्रा के बाद संयुक्त बढ़त

नईदिल्ली। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा और विदित गुजराती ने यहां कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में महत्वपूर्ण जीत हासिल की जबकि डी गुकेश ने भारतीय पुरुष टीम के लिए छठे दौर में ड्रा से संयुक्त शीर्ष स्थान बरकरार रखा। प्रज्ञानानंदा ने अजरबेजान के निजात अबासोव पर जीत दर्ज की जबकि गुजराती ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को पराजित किया। गुकेश ने अमेरिका के हिकारू नाकामुरा से ड्रा खेला।

अभी टूर्नामेंट में आठ दौर बचे हैं। 17 साल के गुकेश और इयान नेपोमनियाच्ची ने पुरुष वर्ग में चार चार अंक से संयुक्त बढ़त बनाये रखी है। फिडे के ध्वज के अंतर्गत खेल रहे रूस के नेपोमनियाच्ची ने अमेरिका के शीर्ष वरीय फैबियानो कारूआना से ड्रा खेला। हालांकि महिला वर्ग में भारत को निराशा मिली क्योंकि आर वैशाली को रूस की कैटेरिना लाग्नो से हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा की बड़ी बहन वैशाली को अगर वापसी करनी है तो उन्हें काफी बेहतर खेल दिखाना होगा।

कोनेरु हम्पी को भी हार झेलनी पड़ी, उन्हें चीन की टिंग्जी लेई ने मात दी जबकि बुल्गारिया की नुरग्युल सालिमोवा को रूस की एलेक्सांड्रा गोरयाचिकिना से हार मिली। प्रज्ञानानंदा और कारूआना 3.5 अंक लेकर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान परहैं जबकि गुजरात और नाकामुरा तीन तीन अंक से संयुक्त पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। अलीरेजा और निजात अबासोव साल के सबसे बड़े टूर्नामेंट के मध्य चरण में 1.5 अंक लेकर जूझ रहे हैं। महिला वर्ग में चीन की झोंग्यी टान ने यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक पर जीत हासिल की। उनके छह मैच में 4.5 अंक हैं और उनसे आधा अंक पीछे गोरयाचिकिना दूसरे स्थान पर हैं। कैटरीना लाग्नो 3.5 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं और लेई से आधा अंक आगे हैं। वैशाली और सालिमो दोनों के 2.5 अंक हैं जबकि हम्पी और मुजिचुक दो दो अंक लेकर तालिका में निचले स्थान पर हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

खावड़ा एनर्जी पार्क में निवेश करेगी अदाणी ग्रीन एनर्जी

नईदिल्ली। देश की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड गुजरात में कच्छ के खावड़ा में 30 मेगावाट स्वच्छ बिजली के उत्पादन के लिए लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक विनीत जैन ने यह जानकारी दी। जैन ने कहा, ''हमने अभी खावड़ा में 2,000 मेगावाट (दो गीगावाट) बिजली क्षमता चालू की है। चालू वित्त वर्ष में यहां चार गीगावाट और उसके बाद हर साल पांच गीगावाट क्षमता जोड़ने की हमारी योजना है।'' कच्छ के खारे इलाके खावड़ा में अदाणी ग्रीन एनर्जी ने दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क बनाया हुआ है। इस ऊर्जा पार्क का बाहरी छोर पाकिस्तान के साथ लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा से सिर्फ एक किलोमीटर दूर है। यहां पर एक हवाई पट्टी भी स्थित है जिसका इस्तेमाल सप्ताह में कुछ बार मुंद्रा या अहमदाबाद से कंपनी अधिकारियों को लाने-ले जाने के लिए किया जाता है।

एडीबी ने जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान बढ़ाकर 7% किया

नईदिल्ली। एशियाई वृद्धि बैंक (एडीबी) ने भारत के लिए चालू वित्त वर्ष 2024-25 की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान बृहस्पतिवार को बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। इससे पहले उसने वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। एडीबी के अनुसार, सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की निवेश और उपभोक्ता मांग से मजबूत वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। एडीबी ने 'एशियन डेवलपमेंट आउटलुक' के अप्रैल संस्करण में कहा कि भारत, एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र में ''एक प्रमुख वृद्धि इंजन'' बना रहेगा। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एडीबी ने भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। वित्त वर्ष 2023-24 और वित्त वर्ष 2024-25 में नरमी के बावजूद वृद्धि मजबूत रहेगी। हालांकि, वित्त वर्ष 2024-25 का वृद्धि अनुमान 2022-23 वित्त वर्ष के अनुमानित 7.6 प्रतिशत से कम है।

भारत का आर्थिक प्रदर्शन अच्छा इसे कायम रखने प्रयास जरूरी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि का प्रदर्शन ''अच्छा'' है और इसे बरकरार रखने के लिए अब कुछ प्रयासों की जरूरत होगी, क्योंकि बाहरी माहौल को लेकर चिंताएं हैं जो पूरी तरह दूर नहीं हुई हैं। सान्याल ने कहा कि यदि मौसम की स्थिति और मानसून अनुकूल रहा तो उम्मीद है कि खाद्य कीमतों में भी नरमी आएगी। यह ऐसी स्थितियां तैयार करेगा जो सात प्रतिशत या उससे अधिक की वृद्धि गति के लिए काफी अनुकूल होंगी, जिससे कुछ हद तक अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों से भी आगे बढ़ा जा सकेगा। सान्याल ने एक साक्षात्कार में कहा, ''हमारा वर्तमान आर्थिक वृद्धि प्रदर्शन काफी अच्छा है। अब यहां से काम इसे बनाए रखने का होगा।'' वर्ष 2023 के अंतिम तीन महीनों में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत बढ़ी जो डेढ़ साल में सबसे तेज गति है।

मोदी से मिलने उत्सुक, टेस्ला सीईओ ईलॉन मस्क

नईदिल्ली। टेस्ला के सीईओ ईलॉन मस्क इस महीने भारत आने वाले हैं। इस बात की पुष्टि मस्क ने अपने सोशल मीडिया पर की। टेस्ला सीईओ ने एक्स पोस्ट में जानकारी दी कि वह भारत में पीएम मोदी से मिलने के लिए उत्साहित हैं। इसके अलावा, मस्क भारत में अपना नया प्लांट लगाने के लिए निवेश की योजनाओं की घोषणा भी कर सकते हैं। दो अधिकारियों ने नाम नहीं छापे जाने के अनुरोध के साथ बताया कि मस्क 22 अप्रैल से शुरू हो रहे सप्ताह में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे और भारत में टेस्ला का प्लांट लगाने की योजनाओं के बारे में अलग से घोषणा करेंगे। एक सूत्र ने बताया कि टेस्ला के सीईओ की यात्रा में उनके साथ अन्य अधिकारी भी शामिल होंगे। खबरों के अनुसार, मस्क भारत 22 अप्रैल से लेकर 27 अप्रैल तक भारत में यात्रा करेंगे।

टैक्स चोरों पर लक्षित कार्रवाई की उम्मीदें, तभी टैक्स का दायरा बढ़ेगा

अजय बग्गा

वित्त वर्ष 2023-24 में कर-राजस्व संग्रहण में भारत ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। यह उपलब्धि न केवल आर्थिक गतिशीलता को, बल्कि कर प्रशासन की प्रभावशीलता और करदाताओं के अनुपालन को भी परिलक्षित करती है। सरकार ने एक फरवरी, 2024 को संसद में पेश संशोधित अनुमान में वित्त वर्ष 2023-24 में कर संग्रह का लक्ष्य बढ़ाकर 34.37 लाख करोड़ रुपये कर दिया था। इसमें प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य 19.45 लाख करोड़ रुपये था, जबकि अप्रत्यक्ष करों (जीएसटी, सीमा शुल्क) का लक्ष्य घटाकर 14.84 लाख करोड़ रुपये कर दिया था। वित्त वर्ष 2023-24 में सकल जीएसटी संग्रह 20.14 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 11.7 प्रतिशत ज्यादा है।

संसद में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि आयकर रिटर्न भरने वाले भारतीयों की संख्या वित्त वर्ष 2022-23 में 7.4 करोड़ हो गई है। यानी 140 करोड़ की आबादी वाले अपने देश में हर 19वां व्यक्ति आयकर रिटर्न दाखिल कर रहा है। लेकिन कटु सच्चाई यह है कि 7.4 करोड़ आयकर रिटर्न में से 5.16 करोड़ शून्य कर रिटर्न होते हैं। यानी आयकर रिटर्न भरने वाले 5.2 फीसदी भारतीयों में से 70 फीसदी लोग शून्य आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं।

इसका मतलब है कि सिर्फ 2.24 करोड़ भारतीय, यानी आबादी का मात्र 1.6 फीसदी हिस्सा भारत में आयकर का भुगतान करता है। इन रिटर्न दाखिल करने वालों के एक बड़े हिस्से को जांच और यहां तक कि रिटर्न दाखिल करने

से छूट देना बेहतर हो सकता है और 1.6

फीसदी में से शीर्ष 10 फीसदी पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है, जो वास्तव में आयकर चुकाते हैं। कुछ लोगों का अनुमान है कि शून्य कर सीमा बढ़ाकर और इन सीमाओं से कम आय वाले लोगों को रिटर्न दाखिल करने से छूट देकर कर-प्रशासन लागत में कमी लाई जा सकती है। वे संसाधन उन क्षेत्रों पर लगाए जा सकते हैं, जो उपभोग क्षमता होने के बावजूद कर रिटर्न दाखिल नहीं करते हैं।

दुनिया भर में और भारत में भी, हम देखते हैं कि जब कर की दर घटाई जाती है, तो कर संग्रह में वृद्धि होती है। इसे लाफर वक्र कहा जाता है। लाफर वक्र बताता है कि यदि कर-दर को एक निश्चित सीमा से ऊपर बढ़ाया जाता है, तो कर राजस्व में कमी आ सकती है, क्योंकि उच्च कर दर लोगों को काम करने से हतोत्साहित करती है। इसी तरह, करों में कटौती से उच्च कर राजस्व प्राप्त हो सकता है। इसका एक उदाहरण यह है कि कुछ साल पहले कॉरपोरेट सीमांत कर दरों में कटौती करने के बाद कॉरपोरेट कर संग्रह में वृद्धि हुई। मध्यम वर्ग, विशेष रूप से वेतनभोगी कर दाताओं को ज्यादा राहत देने की जरूरत है, क्योंकि मुद्रास्फीति ने कर-दर के पिछले स्तर को काफी कम कर दिया है। इसी तरह 60 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों को, जिनके पास कोई सामाजिक सुरक्षा लाभ नहीं है, उच्च चिकित्सा बीमा और अन्य लागतों के लिए भत्ते दिए जाने चाहिए, ताकि वे गरिमापूर्ण जीवन जी सकें।

आजादी के समय कल्याणकारी उपाय के तहत कृषि आय को आयकर से छूट दी गई थी, जो एक प्रशंसनीय कदम था। यह देखते हुए कि 60 फीसदी आबादी अब भी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और जीडीपी के 15 फीसदी पर निर्भर है, अधिकांश किसानों को व्यक्तिगत कर से छूट दी जानी चाहिए। हालांकि अमीर भूस्वामियों और कृषि मूल्य श्रृंखलाओं पर नियंत्रण रखने वाले अभिजात वर्ग की पहचान करने और उन पर कर लगाने की आवश्यकता है। अक्सर हम देखते हैं कि बहुत से लोग कृषि आय के तहत कर छूट का दावा करते हैं, जो और कुछ नहीं, मनी लॉन्ड्रिंग आय को कर-मुक्त करने का उपाय है। उन लोगों को भी कर के दायरे में लाने की जरूरत है, जो कराधान से दूर रहने के लिए कानूनी खामियों का लाभ उठाते हैं। अन्यथा यह 1.6 फीसदी करदाताओं के साथ अन्याय होगा।

कांग्रेस का न्याय पत्र ऊपर से झूठों को पुलिंदा और अंदर राष्ट्रविरोधी हैः भाजपा

भाजपा प्रवक्ता गुप्ता ने किया सवाल - क्या चरणदास महंत यह कहेंगे कि इंडी गठबंधन डिफाल्टर है जो भ्रष्टाचारियों के साथ खड़ा है

रायपुर। कांग्रेस के जनघोषणा के न्याय पत्र की तथ्यात्मक और गूढ़ रहस्यों को खोलते हुए बीजेपी के वरिष्ठ प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने हमला बोला। साथ ही केदार ने छत्तीसढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भाजपा के नेताओं की टारगेट किलिंग के लिए एक राजनीतिक पार्टी और नक्सलिसयों के घालमेल को जिम्मेदार ठहराते हुए तार्किक ढ़ग से भाजपा कार्यालय एकात्मक परिसर में आयोजित पत्रकारवार्ता में रखा पक्ष रखते कहा- कांग्रेस का न्याय पत्र ऊपर से झूठ का पुलिंदा है और अंदर से राष्ट्र विरोधी चीजें समाहित है। कहा-कांग्रेस के न्याय पत्र को पढ़ने और समझने की जरूरत है कि जो राष्ट्रवादी मतदाता होंगे, वे उसे नाकार देंगे। श्रीकेदार ने कहा-कांग्रेस के गारंटी पत्र को पढ़ने पर लगता है कि कांग्रेस फिर से देशद्रोह का मामला लेकर आएगी। क्योंकि कांग्रेस के न्याय पत्र में स्पष्ट लिखा है कि अगर कांग्रेस पार्टी सत्ता में आएगी तो 370 धारा फिर से लगाई जाएगी।

कांग्रेस के न्याय पत्र में अग्निवीर सैनिकों का बड़ा अपमान के लिए देश की जनता से माफी मांगें: केदार- केदार ने कांग्रेस के न्याय पत्र की गूढ़ रहस्यों को उजागर करते हुए कहा, कांग्रेस ने अपने न्याय पत्र में सैनिकों का अपमान करने वाली बड़ी बात लिखी है कि अगर अग्निवीर का सैनिक चीनी सेना के सामने आएगा तो अग्निवीर सैनिक धाराशाई हो जाएगा। श्री केदार ने कहा कांग्रेस को कम से कम सैनिकों के अपमान अपने न्याय पत्र में करने से बचना चाहिए थे। कहा-मैं कहता हूं, हमारे देश के अग्निवीर सैनिक चीनी सेना के नाक में दम कर देगा और भारत को किसी भी युद्ध में विजयी दिलाएगा। लेकिन कांग्रेस के राहुल जी कहते हैं कि अग्निवीर धाराशाई हो जाएगा, ये उनकी सेना के प्रति दुर्भावना को दर्शाता है। राहुल को अब सैनिकों से इतनी घृणा हो गई है कि इनकी सरकार बनी तो ये अग्निवीर योजना बंद कर देंगे। उनकी इस सोच का जनता करारा जवाब देगी। न्याय पत्र में सैनिकों का अपमान करने के लिए कांग्रेस को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। केदारनाथ गुप्ता ने एक सवाल के जवाब में कहा, अगर किसी एक राजनीतिक

कार्यकर्ताओं की हत्याएं लगातार होती हैं। उन्होंने कहा-पखांजूर का मामला किसी से छुपा नहीं है। जब जनपद पंचायत के लिए अध्यक्ष पद के लिए प्रस्ताव आना था तो भाजपा के उपाध्यक्ष और कार्यकर्ताओं की नक्सलियों द्वारा हत्या कर दी गई। श्री केदार ने कहा, वहां पर कवासी लखमा सीधे कहते हैं कि तीर कमान चलाओ, जो इन कांग्रेसियों की हिंसात्मक मानसिकता को दर्शाता है। श्री केदार ने कहा कांग्रेसियों के पास आदिवासियों के विरोध करने का कोई कारण नहीं है। अगर बस्तर का नाम और विकास होता है तो कांग्रेस झुलझुलाती है, जो स्पष्ट रूप से जनता देख रही है। केदार ने कांग्रेस के गारंटी पत्र को आड़े लेते हुए कहा, अगर उसको ठीक से पढ़ा जाए तो उसके अंदर जो दिखाई पड़ता है। श्री केदारनाथ गुप्ता ने कहा क्या चरणदास महंत जी, अपनी पार्टी के राहुल गांधी, सोनिया गांधी व खड़गे के साथ-साथ इंठी गठबंधन के नेता अखिलेश यादव और लालू के बेटे तेजस्वी यादव को डिफाल्टर कहेंगे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने कहा कि पिछले

कांग्रेस आएगी तो 370 धारा फिर से लगाई जाएगी, देश विरोधी मानसिकता को न्याय पत्र में किया शामिलः केदार

दिनों दिल्ली के रामलीला मैदान में लोकतंत्र बचाने के नाम पर कांग्रेस और इंडी गठबंधन का हुए आंदोलन में कांग्रेस और इंडी गठबंधन के सभी बड़े-बड़े नेता यह बता रहे थे कि देश में लोकतंत्र की हत्या हो रही है। झारखंड के मुख्यमंत्री रहे हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया, अब अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया। केंद्र सरकार इनकी गिरफ्तारी करके विपक्ष को दबा रही है। पूरे इंडी गठबंधन के सारे लोग भ्रष्टाचार के मामले में आरोपित एक मुख्यमंत्री को बचाने में लगे थे और कह रहे थे कि लोकतंत्र की हत्या हो रही है! इसकी आड़ में वे सारे लोग एक भ्रष्टाचारी मुख्यमंत्री को बचाने का प्रयास कर रहे थे। भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देने पर भी सवाल उठाया और कहा कि कांग्रेस आम आदमी पार्टी का समर्थन करती है, आपा के साथ मिलकर लड़ती है। लेकिन जब सत्येन्द्र जैन और मनीष सिसौदिया गिरफ्तार होते हैं, तो उनका इस्तीफा हो जाता है, पर जब अली बाबा गिरफ्तार होते हैं तो न उनका इस्तीफा होता है, न ही कांग्रेस इस पर आवाज उठाती है कि हमारा गठबंधन आपके साथ है, इसलिए पाक-साफ रहो, आप भी इस्तीफा दो.

उच्च न्यायालय ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को ठहराया है वैध-भाजपा

गुप्ता ने कहा कि अभी परसों उच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट रूप से कह दिया कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी वैध है, कानून सम्मत है। प्रथमदृष्टया यह स्पष्ट होता है कि शराब घोटाले में उनकी संलिप्तता है। हाई कोर्ट के इस फैसले के परिप्रेक्ष्य में श्री गुप्ता ने कटाक्ष कर कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस विधायक और नेता प्रतिपक्ष महंत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डिफाल्टर कहा था। इससे पहले वह नरेंद्र मोदी का लाठी सिर फोड़ने वाले सांसद के तौर पर भूपेश बघेल को जिताने की अपील कर चुके हैं। श्री गुप्ता ने केजरीवाल पर हाईकोर्ट के ताजा फैसले के मद्देनजर यह पूछा कि क्या महंत अब इनको डिफाल्टर कहेंगे? क्या वह यह कहेंगे कि हमारा इंडी गठबंधन डिफाल्टर है जो भ्रष्टाचारियों के साथ खड़ा है।

पाकिस्तान, खालिस्तान और कांग्रेस की भाषा एक : शर्मा

राजनीति में कांग्रेस इतनी गिर चुकी है कि मोदी के मरने की बद्दुआ करती है- शिवरतन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक शिवरतन शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस के नेताओं द्वारा लगातार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ की जा रही बयानबाजी को सजिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की चुप्पी बता रही है कि इन विवादित बयानों को उनकी मौन सहमति और शह मिली हुई है। कांग्रेस नेताओं के बयान पूरे देश के सभ्य समाज के लिए चिंता का विषय है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा कि कवासी लखमा द्वारा चुनावी सभा में लोकतांत्रिक मर्यादाओं को तोड़कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये 'मरेगा' जैसे शब्दों का उपयोग कर बयान दिया गया। बस्तर में कवासी लखमा युवाओं को पुलिस कर्मियों को तीर कमान से मार कर भगाने उत्साहित कर

रहे हैं। कवासी वैसे भी झीरम समेत अनेक मामलों में संदिग्ध रहे हैं। झीरम का सबूत भूपेश बघेल भी अपनी जेब में होने का बात करते रहे हैं, जबकि आज तक उन्होंने साक्ष्य दिए नहीं । इससे पहले राजनांदगांव में भूपेश बघेल की नामांकन रैली को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष चरण दास मंहत ने कहा लाठी से मोदी का सिर फोड़ दें, ऐसा सांसद चहिए। शिव (डहरिया) केवल गाली दे सकेत हैं मोदी को, जबकि भूपेश बघेल सर फोड़ सकते हैं। मोदी को परेशान कर कर के चीन भेज देना चाहिए। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा कि राजनांदगांव लोकसभा के मोहला मानपुर के नक्सली सूरजू टेकाम (इसी हफ्ते गिरफ्तार हुआ है) ने कांग्रेस विधायक के मंच पर रहते ही यह आह्वान किया था कि भाजपा के लिए वोट मांगने आने वालों को काट देना चाहिए। बाद में एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या भी हुई। क्या यह सभी कांग्रेस प्रायोजित नहीं है?

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के इमरान मसूद ने कहा कि 'मोदी की बोटी बोटी कर देंगे'। मध्य प्रदेश के कांग्रेस नेता राजा पटेरिया ने कहा कि ' मोदी का मारना होगा'। जेएनयू में मुस्लिम विश्वविद्यालय में नारे लगे 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी जेएनयू की धरती पर'। पंजाब में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रवास के दौरान उन्हें घेर कर मार डालने की साजिश रची गई थी। प्रधानमंत्री बाल बाल बचे थे। खालिस्तानियों की रैली में भी 'मर जा मोदी मर जा मोदी' के नारे लगते रहे हैं। हाल ही में एक अखबार यह रिपोर्ट की है कि नक्सली बकायदा कांग्रेस को वोट देने के लिए लोगों को डरा धमका रहे हैं। आखिर क्या मामला है कि कांग्रेस के बयान न केवल पाकिस्तान, खालिस्तानी बल्कि नक्सलियों के जैसे हो रहे है। ये सभी एक ही भाषा बोल रहे हैं ।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा कि पिछले दो चुनावों में कांग्रेस बुरी तरह पराजित हुई है या यूं कह सकते हैं कि लोकतांत्रिक तरीके से बुरी तरह से परास्त हुई है। कांग्रेस की बौखलाहट इतनी कि इनके नेता मोदी जी के मरने की बदुआ कर रहे हैं। जनता इसका जवाब जरूर देगी। इस दौरान पत्रकार वार्ता में प्रदेशअनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, प्रदेश प्रवक्ता अमित साहू, उमेश घोरमोड़े भी उपस्थित रहे।

नक्सलियों के दम पर ही राज करते हैं कवासी लखमा! मंत्री रामविचार नेताम का बड़ा आरोप

बलरामपुर/रायपुर। कवासी लखमा के पुलिस को भगाने के लिए तीर धनुष का इस्तेमाल करने वाले बयान पर मंत्री रामविचार नेताम ने पूर्वमंत्री को आड़े हाथों लिया है। बलरामपुर जिले के प्रवास पर पहुंचे छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि नक्सलियों से जुड़े हुए लोग और नक्सली विचारधारा के लोग ही नक्सलियों की वकालत करते हैं। उन्होंने कहा कि ये नक्सलियों की बदौलत ही वहां पर राज करते हैं। तीर धनुष वाले बयान पर छत्तीसगढ़ सरकार में कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कांग्रेस प्रत्याशी का यह बयान पुलिस सहित बस्तर में तैनात सुरक्षा बलों का मनोबल गिराने वाला है। आपको बता दें कि बीते दिनों बस्तर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा ने पुलिस को भगाने के लिए तीर धनुष का इस्तेमाल करने की बात चुनाव प्रचार के मंच से की थी। जिसके बाद प्रदेश का सियासी पारा गर्म हो गया है।

मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि कवासी लखमा पर पहले भी कई तरह के आरोप लगते रहे हैं। जिसमें नक्सलियों के सहयोग करने का आरोप भी लगा है। उन्होंने कहा कि कवासी लखमा का बयान एक आपराधिक मामला है। बता दें की कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम आज बलरामपुर प्रवास पर थे और भाजपा के कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल हुए थे।

लखमा ने दिया यह बयान- कांग्रेस के बस्तर लोकसभा प्रत्याशी कवासी लखमा का फिर एक विवादित बयान चर्चा में है। इंटरनेट मीडिया में उनका एक विवादित वीडियो प्रसारित हो रहा है। जिसमें वह कहते नजर आ रहे हैं कि अगर हमारे जंगल नहीं बचे तो कोई नहीं बचेगा। तोंगपाल के पास जंगल कटाई रोकने को लेकर ग्रामीण और पुलिस के बीच विवाद को मुद्दा बनाते हुए लखमा ने यह बयान दिया है। पुलिस पर जंगल की कटाई को संरक्षण देने का गंभीर आरोप लगाते हुए लखमा ने ग्रामीणों से तीर धनुष उठाने को कहा है। ऐसे में इस बयान के बाद प्रदेश का सियासी पारा चढ़ गया है।

प्रमुख समाचार
छत्तीसगढ़/राजधानी

केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर महिलाएं आत्मनिर्भर बनेगी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने हर गरीब परिवार की एक महिला को महालक्ष्मी मान कर उनके खाते में साल के 1 लाख रू डालने का संकल्प लिया है। महिलाएं 'घर का बैंक' होती हैं जिनके पास गया एक-एक रुपया परिवार को मज़बूत बनाने में ही लगता है और मज़बूत परिवार ही मज़बूत समाज का आधार हैं। महिला को अब किसी के आगे हाथ फैलाने या नज़र झुकाने की ज़रूरत नहीं होगी। पढ़ाई, कमाई और दवाई का बोझ घर की महिला खुद अपने कंधों पर उठाने में सक्षम होगी। महिलाओं के हाथ में एक लाख का मतलब परिवार के सामने अचानक आई किसी विपदा से निपटने का इंश्योरेंस भी है। यह योजना बड़ी संख्या में छोटे निवेश वाले बिजनेस शुरू करने में सहायक बन कर गांव-गांव महिलाओं को उद्यमी भी बनाएगी। कांग्रेस देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए महिलाओं की आकांक्षाओं में निवेश पर विश्वास रखती है। महालक्ष्मी सिर्फ एक योजना नहीं है बल्कि आधी आबादी के बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि की गारंटी है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा कांग्रेस ने युवाओं के बाद महिलाओं, किसानों की समृद्धि के लिये पांच-पांच गारंटिया दिया है।

राजनैतिक भाषा की मर्यादा को भाजपा गिरा रही-कांग्रेस

रायपुर। मोदी की नाकामियों पर पर्दा डालने के लिये भाजपाई अनर्गल और झूठे बयानबाजी पर उतर आये है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बेहद शर्मनाक है कि देश और प्रदेश में सरकार चलाने वाली भाजपा अब विपक्षी दल के नेताओं की तुलना कुत्ते की पूंछ से कर रही है। यह भाजपा का संस्कार है। भाजपा बतायें विपक्ष को कुत्ते की पूंछ कहना कौन सी मर्यादा? चुनाव में राजनैतिक प्रहारों का विलाप करने वाले भाजपाई राजनीति के स्तर को गिरा रहे है। भाजपा का आईटी सेल कांग्रेस नेताओं और प्रत्याशियों का स्तरहीन पोस्टर बना कर भाजपा के सोशल मीडिया हैंडल से पोस्ट कर लगातार पोस्ट करता है, जिसमें राजनैतिक भाषा शैली की मर्यादा को तार-तार किया जाता है जब अपने पर आती है तो भाजपाई विलाप करने लग जाते है। प्रदेश में लोकसभा चुनाव शुरू होते ही भाषाई मर्यादा का उल्लंघन भाजपा के सोशल मीडिया हैंडल से जारी पोस्टरों से हुई है जो आज तक जारी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री मोदी को कांच की गुड़िया बनाकर प्रस्तुत करना चाहती है उनके खिलाफ राजनैतिक बयान को भाजपाई एजेंडा बना कर प्रस्तुत करने में लगे है।

भाजपा बताये छत्तीसगढ़ में कहां चल रही है मेट्रो और बुलेट ट्रेन?

रायपुर। भाजपा के द्वारा मोदी का पोस्टर लगाकर मेट्रो,वंदे भारत और बुलेट ट्रेन बढ़ाने के दावा पर कांग्रेस ने तंज कसा प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपाई होर्डिंग में दावा कर रही है कि वह मेट्रो और बुलेट ट्रेन का विस्तार करेंगे, भाजपा बताये छत्तीसगढ़ में कहां चल रही है मेट्रो और बुलेट ट्रेन? जिसे वो विस्तार करने का दावा कर रहे हैं? भाजपा नेताओं को सरे आम पोस्टर लगाकर झूठ प्रचारित करने में शर्म महसूस नहीं हुआ. भाजपा छत्तीसगढ़ की जनता को क्या नासमझ समझती हैं? ढ़ोल नगाड़ा के साथ एक वन्दे भारत ट्रेन शुरू हुई भी थी. जिसकी महंगी टिकट ने गरीब मजदूर किसान छात्र आम आदमी को वंदे भारत से दूर किया.और यात्री नहीं मिलने के चलते फेल हो गई.अंत में मोदी सरकार के रेल मंत्रालय ने वंदे भारत के डिब्बो की संख्या में कटौती करके बाकी यात्री डिब्बो को किसी और प्रदेश के वंदे भारत ट्रेन में जोड़कर मोदी से हरी झंडा दिखावा दिया। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा के सांसदों को शर्म आना चाहिए बीते 3 साल में छत्तीसगढ़ से चलने वाली एवं होकर गुजरने वाली लगभग 62000 ट्रेनें रद्द हुई है. और आज भी दर्जनों ट्रेनों को रद्द किया गया.

शहर के चारों कोनों में बनेगें फायर सब स्टेशन

रायपुर। रायपुर नगर निगम शहर के चारों कोनों में फायर सब स्टेशन बनाने की तैयारी कर रहा है इसके लिए जगह की तलाश शुरू कर दी गई है। निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने कहा है कि शहर के हर कोने में फायर सब स्टेशन होना जरूरी है। जिससे आगजनी की घटना के समय फायर ब्रिग्रेड की गाडियां तत्काल मौके पर पहुंच सके और आगजनी पर तत्काल काबू पाया जा सके। कर्मिशियल क्षेत्रों और हाई राइस बिल्डिंगों के मुताबिक भी फायर ब्रिगेड की गाडियों को रखने सब स्टेशन की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के चारों कोनों में सब स्टेशन की जगह तत्काल तलाश की जाए। इसके बाद स्टेशन बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए कुछ जगह पहले से चिन्हित हैं। जिस पर श्री मिश्रा ने तत्काल काम करने के निर्देश दिए।

बारिश का अलर्ट, प्रदेश के कई स्थानों पर छाए रहेंगे काले बादल

रायपुर। एक नया मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के चलते छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों के मौसम में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते गर्मी के दिनों में बारिश जैसा माहौल देखने को मिल रहा है। कई राज्यों में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है तो कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई। इसी बीच छत्तीसगढ़ के मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में भारी

बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की मानें तो अगले तीन घंटे के भीतर प्रदेश के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार कबीरधाम, मुंगेली, पेंड्रा, राजनांदगांव, बेमेतरा, बालोद, रायपुर और दुर्ग जिले में अगले तीन घंटे के भीतर तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश हो सकती है। वहीं, मौसम विभाग ने बादल गरजने की आशंका जताई है। हालांकि प्रदेश के अधिकतर जिलों में किसी प्रकार की चेतावनी नहीं दी गई है।

फीलगुड के जैसे 400 पार की हवा निकल जायेगी

देश में बनेगी कांग्रेस गठबंधन की सरकार - दीपक बैज

रायपुर। मोदी सरकार के खिलाफ देश भर में वातावरण है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि केंद्र में अब की बार कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। जैसे इंडिया शाइनिंग का नारा धराशायी हुआ था वैसे ही अब की बार 400 पार के नारे का भी हवा निकलेगी। जनता मोदी सरकार के 10 सालों में मोदी और भाजपा ने केवल जुमलों की सरकार चलाया है। मोदी के जुमलो के समान ही अब की बार जनादेश भी आने वाला है, जनता मोदी के झूठ का हिसाब करने को तैयार बैठी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि महंगाई के कारण आम आदमी के घर का बजट बिगड़ चुका है। मोदी 100 दिन में महंगाई कम करने का वादा कर सरकार में आये। मोदी के राज में महंगाई सर्वोच्च स्थान पर पहुंच गयी है। आटा, दाल, सरसों तेल जैसी आवश्यक सामग्री भी आम आदमी के पहुंच से दूर हो गया है। मोदी सरकार जरूरत की सामानों में जीएसटी वसूल रही है। 10 साल में मोदी सरकार चुनाव में किये वादे को पूरा करने में फेलियर साबित हुई है। अच्छे दिन के सपने दिखा कर और 15-15 लाख रूपए खाता में आने का सब्जबाग दिखाकर जनता का वोट लेने के बाद मोदी सरकार वोट देने वाली जनता की मूल जरूरत दूध, दही, चावल, दाल, गेहूं,

आटा बेसन, पुस्तक, कॉपी, स्टेशनरी, हवाई चप्पल पर ही टैक्स वसूल रही है। पेट्रोल, डीजल पर मनमाना एक्साइज ड्यूटी लगा कर 27 लाख करोड़ रूपए जनता की जेब से निकाल लिया गया। रसोई गैस के दाम में मनमाना वृद्धि कर लूटमार की जा रही है। मोदी सरकार के वादाखिलाफी के लिए जितना भाजपा जिम्मेदार है उतना ही आरएसएस और उनके अनुशांगिक संगठन जिम्मेदार है। यही आरएसएस और उनके अनुशांगिक संगठनों ने लोगों को भरमा कर गुमराह कर भाजपा को सरकारी कंपनियां, डूबते बैंक, एलआईसी टूटते, सामाजिक समरसता पर बात करने से बच रहे है। जनता को गुमराह करने की साजिश कर रहे है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की सिर्फ बात की, राफेल रक्षा सौदे में खुद मोदी सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त थी। यूपीए के कानून के अनुसार लोकपाल पद पर नियुक्ति करने में मोदी सरकार विफल रही। अडानी के भ्रष्टाचार की मोदी सरकार संरक्षक बनी हुई है। मोदी ने वायदा किया था अच्छे दिन आयेंगे मोदी के जाने के दिन आ गये लेकिन अच्छे दिन नहीं आये। विदेश से कालाधन लाने का वायदा किया। विजय माल्या, ललित मोदी, नीरव मोदी सरकार की मिलीभगत से देश का धन लेकर फरार हो गये.

जैन मुनि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के समाधि स्थल चंद्रगिरि तीर्थ पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने डोंगरगढ़ के चंद्रगिरि तीर्थ स्थित आचार्यश्री 108 विद्यासागर जी महाराज के समाधि स्थल का दर्शन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। चंद्रगिरि तीर्थ में सीएम साय ने कहा कि आचार्यश्री ने अपने जीवनकाल में गो सेवा, बालिका शिक्षा, आयुर्वेद जैसे विषयों पर समाज का मार्गदर्शन किया, जो कि प्रेरणा के योग्य है। मैं उन्हें नमन करता हूँ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की छत्तीसगढ़ के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना- प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवरात्रि पर्व पर आज मां बम्लेश्वरी का दर्शन पूजन कर छत्तीसगढ़ के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान सीएम साय मंदिर परिसर में लगभग आधे घण्टे रहे। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों के साथ चर्चा की और विजिटर्स बुक में अपना संदेश लिखा।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.